Website : www.mantrabharat.com

जुनून है सच लिखने का

हिन्दी दैनिक

E-Mail : mantragwalior@gmail.com

मंत्र भारत

संस्करण : ग्वालियर
वर्ष : 03
अंक : 242
पृष्ठ : 8
मूल्य : 2.00
मंगलवार ,31 मार्च 2026

ग्वालियर, मुम्बई, लखनऊ एवं प्रयागराज,से एक साथ प्रकाशित एवं गोरखपुर, वाराणसी, आजमगढ़ से प्रसारित

2 अज्ञात की टक्कर से तीन युवकों की मौत | 5 इस एक चीज की गंध से भाग जाते हैं चूहे, तुरंत | 7 जब हम अपने वर्ल्ड टूर पर थे..अमीषा पटेल ने

18,440 कार्यकर्ताओं तथा सहायिकाओं को मिले नियुक्ति पत्र

सुपोषित शिशु और स्वस्थ मां से ही सशक्त भारत-सीएम

लखनऊ (एजेंसी)। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं और सहायिकाओं को प्रेरित करते हुए सोमवार को कहा कि यदि नवजात शिशु सुपोषित और मां स्वस्थ है, तो भारत का भविष्य सशक्त माना जा सकता है। बोले,अगर नवजात शिशु सुपोषित है और मां स्वस्थ है, तो मानकर चलिए कि भारत का भविष्य सशक्त है। पिछले नौ वर्षों में डबल इंजन सरकार ने इस दिशा में कई कदम उठाए हैं और इन प्रयासों को जमीन पर उतारने में आप की अहम भूमिका है। आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं और सहायिकाओं की सराहना करते हुए कहा कि वे जमीनी स्तर पर योजनाओं को लागू करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही हैं। आप यशोदा मैया की भूमिका निभाते हुए बच्चों के पोषण और देखभाल के साथ कुपोषण और बीमारियों के खिलाफ भी लड़ रही हैं। वह पिछले चार वर्षों से इस बात पर जोर दे रहे थे कि हर आंगनबाड़ी कार्यकर्ता के पास स्मार्टफोन होना चाहिए। आंगनबाड़ी कार्यकर्ता और सहायिका जो मेहनत करती हैं, वह रियल टाइम डेटा समय पर नहीं मिल पाता था, जिससे रैंकिंग प्रभावित होती थी। इसलिए स्मार्टफोन देकर प्रशिक्षित करना आवश्यक है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के प्रयासों की सराहना करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति के तहत तीन से पांच वर्ष के बच्चों के लिए आंगनबाड़ी केंद्रों में ही श्प्री-प्राइमरीश शिक्षा की व्यवस्था की जा रही है।पहले जो 27 हजार केंद्र बेसिक शिक्षा विभाग के अंतर्गत संचालित होते थे, उन्हें आंगनबाड़ी केंद्रों के रूप में विकसित किया जा रहा है। आंगनबाड़ी और प्री-प्राइमरी को छह वर्ष तक के बच्चों के लिए एक महत्वपूर्ण केंद्र के रूप में विकसित किया जा रहा है। प्रधानमंत्री ने आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं और सहायिकाओं को यशोदा मां की उपाधि दी है। यह एक बड़ा सम्मान है और इसकी गरिमा बनाए रखते हुए देश के भविष्य को संवारने और मजबूत नींव तैयार करने की जिम्मेदारी आप पर है। 702 आंगनबाड़ी केंद्रों और 71 बाल विकास परियोजना कार्यालयों का शिलान्यास तथा 2,468 आंगनबाड़ी केंद्रों और 69 परियोजना कार्यालयों का लोकार्पण किया गया।69,804 आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं तथा मुख्य सेविकाओं को स्मार्टफोन, दो लाख ग्रोथ मॉनिटरिंग उपकरण तथा 18,440 कार्यकर्ताओं तथा सहायिकाओं को नियुक्ति पत्र वितरित किए गए।

उत्तराखंड साहित्य गौरव सम्मान समारोह, अलग-अलग विधाओं में मुख्यमंत्री धामी ने इन्हें किया सम्मानित

हरिद्वार (एजेंसी)। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने उत्तराखंड साहित्य गौरव सम्मान समारोह में उत्तराखंड के सर्वोच्च साहित्यिक सम्मान साहित्य भूषण सम्मान से डॉ. जितेन ठाकुर को सम्मानित किया। इसके साथ ही मुख्यमंत्री ने डॉ. बुद्धिनाथ मिश्र, श्याम सिंह कुटौला, डॉ. प्रीतम सिंह, केसर सिंह राय एवं अताए साबिर अफजल मंगलौरी को उत्तराखंड दीर्घकालीन उत्कृष्ट साहित्य सृजन पुरस्कार से सम्मानित किया। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने उत्तराखंड के सर्वोच्च साहित्यिक सम्मान साहित्य भूषण सम्मान से डॉ. जितेन ठाकुर को सम्मानित किया। इसके साथ ही उन्होंने डॉ. बुद्धिनाथ मिश्र, श्याम सिंह कुटौला, डॉ. प्रीतम सिंह, केसर सिंह राय एवं अताए साबिर अफजल मंगलौरी को उत्तराखंड दीर्घकालीन उत्कृष्ट साहित्य सृजन पुरस्कार से सम्मानित किया। सोमवार को मुख्य सेवक सदन, मुख्यमंत्री आवास में उत्तराखंड भाषा संस्थान द्वारा उत्तराखंड साहित्य गौरव सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। सीएम धामी ने विभिन्न विधाओं में उत्कृष्ट साहित्यकारों एवं युवा कलमकार प्रतियोगिता के विजेताओं को भी सम्मानित किया गया। सीएम ने साहित्य नारी वंदन सम्मान के तहत प्रो. दिनेश चमोला, उत्तराखंड मौलिक रचना पुरस्कार के तहत डॉ भूपेंद्र बिष्ट, डॉ सुधा जुगरान, शीशपाल गुसाई, उत्कृष्ट कुमाऊंनी एवं गढ़वाली साहित्य के लिए तारा पाठक, हेमंत सिंह बिष्ट एवं गजेंद्र नौटियाल को सम्मानित किया हिंदी साहित्य जगत के लिए प्रेरणा स्रोत समारोह में मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने अपने संबोधन में कहा कि उनके लिए यह अत्यंत गर्व का विषय है।

ग्राइंडर डेटिंग ऐप के जरिए लूट करने वाले गैंग का पदार्फाश, तीन आरोपी गिरफ्तार

नोएडा (एजेंसी)। उत्तर प्रदेश के नोएडा सेक्टर-113 थाना पुलिस ने ऑनलाइन डेटिंग ऐप के माध्यम से लोगों को फंसाकर लूटपाट और धोखाधड़ी करने वाले एक संगठित गैंग का भंडाफोड़ करते हुए तीन अभियुक्तों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से तीस हजार नकद, चार मोबाइल फोन, एक बिना नंबर प्लेट की बलेनो कार, पीली धातु की एक चेन और दो फर्जी कार नंबर प्लेट बरामद की हैं। पुलिस द्वारा सोमवार को गैंग का खुलासा कर जानकारी दी गई, उन्होंने बताया कि,आरोपी ग्राइंडर (गे डेटिंग ऐप) के जरिए पहले लोगों से संपर्क स्थापित करते थे और उनसे दोस्ती बढ़ाते थे। इसके बाद किसी सुनसान या तय स्थान पर मिलने के लिए बुलाते थे। मुलाकात के दौरान आरोपी पीड़ित को अपनी बलेनो कार में बैठाकर उसे डराते-धमकाते थे और फिर जबरन ऑनलाइन ट्रांजेक्शन कराकर पैसे अपने खातों में ट्रांसफर करा लेते थे। कई मामलों में पीड़ितों के साथ लूटपाट भी की जाती थी। सोमवार को नोएडा सेक्टर-113 थाना पुलिस ने मैनुअल इंटेलिजेंस और इलेक्ट्रॉनिक सर्विलांस की मदद से कार्रवाई करते हुए नोएडा सेक्टर-76 से तीनों आरोपियों को गिरफ्तार किया।

भाकियू प्रवक्ता राकेश टिकैत भुवनेश्वर में गिरफ्तार, किसानों के प्रदर्शन में गए थे, कार्यकर्ताओं में गुस्सा

मुजफ्फरनगर (एजेंसी)। ओडिशा के भुवनेश्वर में किसानों का आंदोलन चल रहा है। भारतीय किसान यूनियन के राष्ट्रीय प्रवक्ता राकेश टिकैत किसानों को समर्थन देने गए थे, तभी उन्हें पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया। भारतीय किसान यूनियन (भाकियू) के राष्ट्रीय प्रवक्ता चौधरी राकेश टिकैत को ओडिशा की राजधानी भुवनेश्वर में किसानों के धरने-प्रदर्शन में शामिल होने जाते समय गिरफ्तार कर लिया गया है। इस गिरफ्तारी की खबर फैलते ही भाकियू कार्यकर्ताओं के बीच नाराजगी और आक्रोश का माहौल है। भुवनेश्वर में किसानों का आंदोलन 22 मार्च से विभिन्न मुद्दों को लेकर चल रहा है। संयुक्त किसान मोर्चा के आह्वान पर सोमवार को बड़ी संख्या में किसान इस आंदोलन में शामिल होने के लिए एकत्र हुए थे। इसी दौरान, आंदोलन में

समर्थन देने जा रहे भाकियू प्रवक्ता राकेश टिकैत को पुलिस ने रोक लिया और गिरफ्तार कर लिया। भाकियू के जिलाध्यक्ष नवीन राठी ने इस घटना पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि किसानों के आंदोलन को दबाने का प्रयास किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि ओडिशा के किसान जल, जंगल और जमीन जैसे महत्वपूर्ण मुद्दों को लेकर संघर्ष कर रहे हैं। उन्होंने यह भी कहा कि भाकियू का शीर्ष नेतृत्व इस मामले पर बातचीत कर रहा है और पूरी स्थिति पर नजर रखी जा रही है। यदि आवश्यकता पड़ी तो इसके विरोध में आंदोलन शुरू किया जा सकता है। यह गिरफ्तारी ऐसे समय में हुई है जब देश भर में किसानों के मुद्दे एक बार फिर चर्चा में हैं। भाकियू और अन्य किसान संगठन विभिन्न मांगों को लेकर अपनी आवाज उठाते रहे हैं। राकेश टिकैत की गिरफ्तारी को किसानों के आंदोलन को कमजोर करने के प्रयास के रूप में देखा जा रहा है, जिससे किसान संगठनों में असंतोष फैल गया है।

'आदिवासियों की आवाज अब संसद तक पहुंची'

नक्सलवाद की बहस पर संसद में बोल रहे अमित शाह

नई दिल्ली (एजेंसी)। प्रधानमंत्री मनमोहन ने स्वीकारा था। देश की आंतरिक सुरक्षा की सबसे बड़ी समस्या हथियारी माओवादी है। मगर कुछ नहीं किया गया। 2014 में परिवर्तन हुआ। मोदी जी के शासन के अंदर कई समस्याओं का समाधान हुआ। धारा 370 हट गई, 35ए हट गई, राम जन्मभूमि का मंदिर बन गया। जीएसटी इस देश में वास्तविकता बन गई। विधाई मंडल में मातृ शक्ति को 33 प्रतिशत का आरक्षण दिया गया। कई सारे बड़े काम जो आजादी से इस देश की जनता चाहती थी। वो सारे बड़े काम पीएम मोदी के शासन में हुए। आदिवासियों की आवाज अब संसद तक पहुंची- अमित शाह लोकसभा में नक्सलवाद पर चर्चा के दौरान अमित शाह ने कहा कि रेड कॉरिडोर के 12 राज्यों और आदिवासी समाज की ओर से वह इस बहस के लिए धन्यवाद देते हैं। उन्होंने कहा कि

आदिवासी वर्षों से चाहते थे कि उनकी स्थिति संसद में उठे और दुनिया जाने, लेकिन लंबे समय तक उन्हें यह मौका नहीं मिला। अब उनकी आवाज राष्ट्रीय मंच पर पहुंची है। आदिवासी विधायकों और सांसदों से पूछना चाहता हूं। आपने तो अपना विकास कर लिया। लेकिन आदिवासी जनता का आपने कितना विकास किया। 'नक्सलवाद की जड़ें उखाड़ने का संकल्प पूरा हो रहा', संसद में बोलीं कंगना रनौत लोकसभा में नक्सलवाद और लेफ्ट विंग एक्सट्रीमिज्म पर चर्चा के दौरान भाजपा सांसद कंगना रनौत ने केंद्र सरकार की नीतियों की जोरदार तारीफ की। उन्होंने कहा कि एक साल पहले गृह मंत्री अमित शाह ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में यह संकल्प लिया था कि 31 मार्च 2026 तक देश से माओवाद को जड़ से खत्म किया जाएगा और अब यह लक्ष्य पूरा होता दिख रहा है। कंगना रनौत ने कहा कि 1967 में नक्सलवाद की शुरूआत एक छोटी चिंगारी के रूप में हुई थी, जिसे उस समय की सरकार चाहती तो रोक सकती थी, लेकिन कांग्रेस सरकार ने आदिवासी समाज के साथ भेदभाव किया और इस समस्या को बढ़ने दिया। उन्होंने आरोप लगाया कि उस दौर में वैचारिक दूरी को खत्म करने के बजाय उसे और बढ़ाया गया, जिससे वामपंथी उग्रवादियों को पनपने का मौका मिला। उन्होंने कहा कि इन उग्रवादियों ने हजारों हमले किए, 2000 से ज्यादा सुरक्षाकर्मियों की जान ली और बच्चों को भी हिंसा की राह पर धकेल दिया। उन्होंने कहा कि जिन बच्चों के हाथ में किताब और लैपटॉप होना चाहिए था, उनके हाथ में बंदूक थमा दी गई और पूरे क्षेत्र को रेड कॉरिडोर और नो गो जोन बनाकर छोड़ दिया गया। कंगना रनौत ने कहा कि 2014 के बाद हालात बदलने शुरू हुए और सरकार ने विकास और विश्वास की नीति अपनाई।

देशभर में 1100 से अधिक बार बम से उड़ने की धमकी देने वाला अरेस्ट

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली पुलिस ने एक बड़ी कामयाबी हासिल की है। दिल्ली पुलिस ने देश भर के स्कूलों, उच्च न्यायालयों और सरकारी कार्यालयों को 1,100 से ज्यादा फर्जी कॉल कर बम से उड़ाने की धमकी देने वाले शख्स को कर्नाटक के मैसूर से गिरफ्तार किया है। दिल्ली पुलिस और स्थानीय पुलिस टीमों के बीच गुरुवार को एक समन्वित अभियान में संदिग्ध श्रीनिवास लुइस (47) को उसके किराए के घर से हिरासत में लिया गया था। हाल के हफ्तों में, दिल्ली उच्च न्यायालय, दिल्ली विधानसभा और कई शिक्षण संस्थाओं और सरकारी कार्यालयों सहित कई संस्थाओं को बम की धमकी मिली थी, जिसके बाद तुरंत जांच शुरू की गई। अधिकारियों ने बताया कि आरोपी लुइस मूल रूप से बेंगलुरु का रहने वाला है और कथित तौर पर अपनी मां के साथ किराये के मकान में रहता है।

'ममता बनर्जी लोगों को धमकी दे रहीं, टीएमसी ने हाईजैक किया चुनाव'

भाजपा ने चुनाव आयोग से की शिकायत

नई दिल्ली (एजेंसी)। भाजपा ने ममता बनर्जी पर बंगाल के लोगों को धमकाने का आरोप लगाया है। भाजपा का कहना है कि पुलिस प्रशासन की मदद से ममता बनर्जी ने पूरा चुनाव हाईजैक कर लिया है। इसे लेकर भाजपा का प्रतिनिधिमंडल सोमवार को चुनाव आयोग पहुंचा और ममता बनर्जी की शिकायत की। भारतीय जनता पार्टी का प्रतिनिधिमंडल सोमवार को चुनाव आयोग पहुंचा। भाजपा नेताओं ने चुनाव आयोग से पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के खिलाफ शिकायत की है। सोमवार को केंद्रीय मंत्री किरेन रिजिजू, सुकांत मजूमदार और पीयूष गोयल ने अन्य नेताओं के साथ दिल्ली में चुनाव आयोग से मुलाकात की और याचिका सौंपी। 'लोगों को धमका रहीं ममता बनर्जी' केंद्रीय मंत्री किरेन रिजिजू ने मीडिया से बात करते हुए कहा, 'हमारी एक-एक बात चुनाव आयोग ने सुनीं। पश्चिम बंगाल में मुख्यमंत्री खुद घर तक जाकर धमकी दे रही हैं। उनकी पूरी टीम ने किस तरह पूरे चुनाव को हाईजैक किया है, हमने ये चिंता व्यक्त की है।' उन्होंने

बताया, 'भाजपा के प्रतिनिधिमंडल ने आयोग से अपील की है कि पश्चिम बंगाल में चुनाव स्वतंत्र और निष्पक्ष होना चाहिए। पिछले तीन चुनावों में तृणमूल कांग्रेस ने दादागिरी करके जीत हासिल की। इस बार ऐसा नहीं होना चाहिए, क्योंकि चुनाव लोगों को अपनी मर्जी से मतदान करने का एक अवसर होता है। लोकतंत्र में वोट एक मतदाता का अधिकार होता है, उसे कोई नहीं छीन सकता है। चुनाव आयोग को मतदाता के वोट को सुरक्षित करना चाहिए।'

राज्यसभा सदस्य चुने जाने के बाद नीतीश कुमार ने दिया एमएलसी पद से इस्तीफा

पटना (एजेंसी)। बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने राज्यसभा के लिए निर्वाचित होने के बाद आज विधान परिषद (एमएलसी) की सदस्यता से अपना इस्तीफा सौंप दिया है। हाल ही में 16 मार्च 2026 को उन्हें उच्च सदन यानी राज्यसभा के लिए निर्विरोध चुना गया था। भारतीय संविधान के प्रावधानों और जनप्रतिनिधित्व कानून के अनुसार, संसद के किसी भी सदन का सदस्य चुने जाने के बाद 14 दिनों के भीतर राजनेता को राज्य विधानमंडल (विधानसभा या विधान परिषद) से अपना इस्तीफा देना

अनिवार्य होता है। इसी नियम के तहत 30 मार्च की तय समय सीमा समाप्त होने से ठीक पहले उन्होंने अपनी विधान परिषद की सदस्यता त्याग दी। नीतीश कुमार वर्ष 2006 से लगातार बिहार विधान परिषद के सदस्य रहे हैं और अब उच्च सदन का रुख कर रहे हैं। राज्यसभा की सदस्यता ग्रहण करने के साथ ही उनके लंबे राजनीतिक सफर में एक नया और ऐतिहासिक अध्याय जुड़ गया है। अब नीतीश कुमार देश के उन चुनिंदा और दुर्लभ राजनेताओं की सूची में शामिल हो गए हैं, जिन्होंने लोकतांत्रिक व्यवस्था के चारों सदनोंकृविधानसभा, विधान परिषद, लोकसभा और राज्यसभा का प्रतिनिधित्व किया है।

दिल्ली-एसीआर में बदला मौसम का मिजाज, कई हिस्सों में भारी बारिशय गर्मी से मिली राहत

नई दिल्ली (एजेंसी)। राजधानी दिल्ली और एनसीआर से सटे शहरों में अचानक मौसम ने करवट ली और तेज हवा के बाद बारिश हुई। बता दें कि मौसम विज्ञान विभाग ने पहले ही बारिश का अनुमान जताया था। अचानक हुए इस परिवर्तन के कारण लोगों को गर्मी से राहत मिली, वहीं धूल भरी आंधी और फिर बारिश के कारण कुछ इलाकों में जाम की स्थित बन गई। मौसम विभाग के पहले ही इस बात की आशंका जता दी थी कि 30 मार्च को आसमान में बादल छाए रहेंगे और दोपहर से शाम के बीच हल्की बारिश या बूंदाबांदी हो सकती है। वहीं, 31 मार्च को भी आसमान में बादल बने रहेंगे और दिन में बहुत हल्की बारिश या बूंदाबांदी की संभावना है, जबकि तापमान अधिकतम 29-31 डिग्री और न्यूनतम 19-21 डिग्री के बीच रहेगा। मौसम विभाग के अनुसार, 1 अप्रैल को आसमान में बादल बने रहेंगे और तापमान 31-33 डिग्री के बीच रहने की संभावना है।

'पश्चिम एशिया संकट पर राजनीति नहीं, समाधान चाहिए'; एकजुट रहना जरूरी: प्रियंका

नई दिल्ली (एजेंसी)। कांग्रेस नेता प्रियंका गांधी वाड्रा ने सोमवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर निशाना साधते हुए कहा कि युद्ध के मुद्दे पर राजनीति करना सही नहीं है। उन्होंने पूछा कि खाड़ी में फंसे भारतीयों को सुरक्षित बाहर निकालने के

लिए सरकार का क्या प्लान है। पूरा देश इस मसले पर एकजुट प्रियंका गांधी ने लोकसभा परिसर में पत्रकारों से बातचीत में कहा लोगों की जान खतरे में है क्योंकि ऊपर से बम बरस रहे हैं। प्रधानमंत्री इस पर क्या कर रहे हैं? लोगों को सुरक्षित बाहर निकालने का क्या प्लान है? युद्ध और संकट के मुद्दे पर राजनीति करना सही नहीं है। उन्होंने यह भी कहा कि पूरा देश इस मसले पर एकजुट है, लेकिन समस्या का समाधान ढूंढना जरूरी है। इसके लिए संसद में चर्चा होनी चाहिए ताकि सुझाव दिए जा सकें और समाधान निकाला जा सके। तेल-गैस संकट पर भी बोली प्रियंका प्रियंका गांधी ने मौजूदा संकट का हवाला देते हुए कहा जैसे-जैसे यह युद्ध जारी है, समस्याएं बढ़ रही हैं। आज गैस सिलेंडर इतना महंगा हो गया है कि कोई खरीद नहीं पा रहा। भविष्य में पेट्रोल और डीजल की कमी होगी। ऐसे में सरकार का समाधान क्या है? इससे पहले रविवार को केरल में जनसभा को संबोधित करते हुए पीएम मोदी ने कहा था ।

राहुल गांधी का बड़ा बयान, कहा ,सरकार में वरिष्ठ पदों पर बहुजनों की हिस्सेदारी नहीं, जानकर दुख हुआ

नई दिल्ली (एजेंसी)। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने सोमवार को दावा किया कि सरकार की प्रमुख संस्थाओं में वरिष्ठ पदों पर बहुजनों की हिस्सेदारी नहीं है। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष ने अपने श्जनसंसदश कार्यक्रम में ग्रामीण बैंक के अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति के कर्मचारियों के एक समूह से मुलाकात के बाद यह टिप्पणी की। वह समाज के विभिन्न वर्गों के समूहों से अक्सर मुलाकात करते हैं और इसे उन्होंने जनसंसद का नाम दिया है। राहुल गांधी ने फेसबुक पर पोस्ट किया, जनसंसद में कुछ दिनों पहले

ग्रामीण बैंक के एसी-एसटी वेलफेयर एसोशिएसन के प्रतिनिधिमंडल से मुलाकात हुई। उनकी समस्याएं ध्यान से सुनीं तो वही बात स्थापित हुई जो मैं हमेशा से कहता आया हूं कि बहुजनों की हिस्सेदारी किसी भी संस्था के वरिष्ठ पदों पर है ही नहीं। उन्होंने कहा, प्रतिनिधिमंडल में आए साथियों ने बताया कि किस तरह नीतिगत तरीके से प्रोन्नति के लिए नियम होने के बावजूद उनके साथ इसमें भेदभाव किया जाता है। कभी कामकाज, कभी योग्यता के बहाने से उनकी तरक्की रोक दी जाती है। और तो और अगर ये दलित-आदिवासी संगठन के पदाधिकारी आवाज उठाते हैं तो उनका बार-बार और सुदूर क्षेत्रों में तबादला करके सजा दी जाती है। कांग्रेस नेता ने कहा कि आरक्षण के कारण इन समुदायों को शुरूआती स्तर के पदों की नौकरियां तो मिल जाती हैं, मगर उसके बाद इनके लिए बड़े पदों तक पहुंच पाना नीतिगत भेदभाव के कारण लगभग असंभव हो जाता है। राहुल गांधी ने कहा, यह जानकर दुख तो हुआ, मगर आश्चर्य बिल्कुल नहीं कि इन बैंकों में शीर्ष पदों पर दलितों और आदिवासियों को कभी भी पहुंचने का मौका ही नहीं मिला। हर मंच से मैं यही सच्चाई दोहराता आया हूं।श्श उन्होंने इस बात पर जोर दिया, इसी भेदभाव, इसी अन्याय के खिलाफ हम लड़ रहे हैं।

प्रधानमंत्री 31 मार्च को गुजरात में महत्वपूर्ण रेल अवसंरचना परियोजनाओं का लोकार्पण करेंगे

गोरखपुरः प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी 31 मार्च 2026 को गुजरात का दौरा करेंगे, जहां वे कनेक्टिविटी को सुदृढ़ करने और क्षेत्रीय आर्थिक विकास को गति देने के उद्देश्य से विभिन्न परियोजनाओं के साथ-साथ महत्वपूर्ण रेल अवसंरचना परियोजनाओं का उद्घाटन करेंगे। रेल क्षेत्र में, प्रधानमंत्री कनालसझ्र जामनगर दोहरीकरण परियोजना (28 किलोमीटर) को राष्ट्र को समर्पित करेंगे, जो राजकोटझ्र कनालस दोहरीकरण परियोजना (111.20 किलोमीटर) का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है। इसके साथ ही, वे गांधीधामझ्रआदिपुर खंड (10.69 किलोमीटर) के चौगुनीकरण को भी राष्ट्र को समर्पित करेंगे। ये क्षमता-वर्धन परियोजनाएं रेल लाइन क्षमता में उल्लेखनीय वृद्धि करेंगी, व्यस्त मार्गों पर भीड़भाड़ को कम करेंगी और समग्र परिचालन दक्षता को बेहतर बनाएंगी, जिससे क्षेत्र में रेल अवसंरचना को सुदृढ़ करने में महत्वपूर्ण सहयोग मिलेगा। कनलसझ्रजामनगर खंड के दोहरीकरण से जामनगर और राजकोट जैसे प्रमुख शहरी एवं औद्योगिक केंद्रों को सीधा लाभ मिलेगा। इससे रेल सेवाएं अधिक तेज, विश्वसनीय और बार-बार उपलब्ध होंगी, साथ ही इस मार्ग पर अतिरिक्त ट्रेनों का संचालन भी संभव हो सकेगा। पेट्रोलियम शोधन व पीतल उद्योगों के प्रमुख केंद्र जामनगर

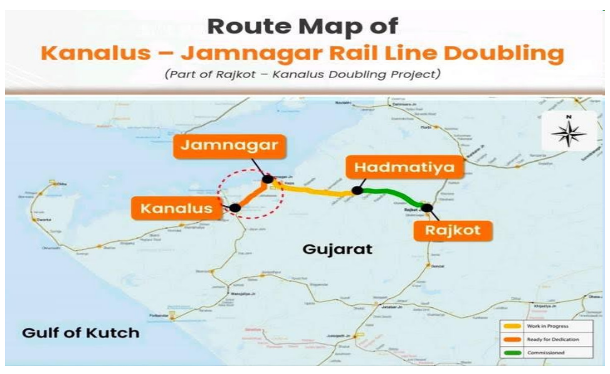

में माल ढुलाई व्यवस्था में उल्लेखनीय सुधार होगा, जिससे रसद संबंधी देरी कम होगी और औद्योगिक उत्पादकता में वृद्धि होगी। यह परियोजना कृषि-आधारित उद्योगों को भी सशक्त बनाएगी, जिससे कृषि उत्पादों का त्वरित परिवहन सुनिश्चित होगा और किसानों की बाजार तक पहुंच बेहतर होगी। महत्वपूर्ण वाणिज्यिक केंद्र राजकोट को उन्नत यात्री कनेक्टिविटी का लाभ मिलेगा, जिससे व्यावसायिक यात्रा एवं क्षेत्रीय आवागमन अधिक सुगम और सुविधाजनक बनेगा। इसके अतिरिक्त, बेहतर रेल संपर्क से द्वारका में पर्यटन को भी बढ़ावा मिलेगा, क्योंकि इससे क्षेत्र की समग्र पहुंच और संपर्कता में उल्लेखनीय सुधार होगा। इसी प्रकार, गांधीधामझ्र आदिपुर खंड के चौगुनीकरण से कच्छ क्षेत्र, विशेषकर गांधीधाम और आदिपुर के आसपास के इलाकों पर व्यापक सकारात्मक प्रभाव पड़ेगा। यह कॉरिडोर बंदरगाहों और औद्योगिक क्षेत्रों को जोड़ने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। बढ़ी हुई लाइन क्षमता के कारण भारी माल ढुलाई से उत्पन्न भीड़भाड़ में कमी आएगी, जिससे मालगाड़ियों का आवागमन अधिक तेज और सुचारु होगा, वहीं यात्री सेवाएं भी अधिक विश्वसनीय बनेंगी। इससे बंदरगाह-आधारित विकास को बल मिलेगा और अंतर्देशीय बाजारों के साथ संपर्क पहले से भी अधिक सुदृढ़ होगा, जिससे समग्र क्षेत्रीय आर्थिक गतिविधियों को नई गति मिलेगी। प्रधानमंत्री हिम्मतनगर-खेड़ब्रह्मा गेज रूपांतरण परियोजना (54.83 किलोमीटर) का भी उद्घाटन करेंगे, जिससे उत्तरी गुजरात के आदिवासी और अर्ध-शहरी क्षेत्रों में कनेक्टिविटी में उल्लेखनीय सुधार होगा।

रेल प्रशासन की यात्रियों से अपील है कि वे उचित टिकट लेकर ही यात्रा प्रारम्भ करे

गोरखपुर,: पूर्वोत्तर रेलवे प्रशासन रेल यात्रियों को सुविधाजनक एवं आरामदायक यात्रा सुविधा उपलब्ध कराने के साथ रेल राजस्व की क्षति रोकने के लिए व्यापक कदम उठायें जा रहे है। इसी क्रम में महाप्रबन्धक श्री उदय बोरवणकर के निर्देश पर प्रमुख मुख्य वाणिज्य प्रबन्धक, श्री प्रकाश चन्द्र जायसवाल के नेतृत्व में वाणिज्य अधिकारियों की टीम ने 23 से 29 मार्च, 2026 तक गोरखपुर से गोण्डा, गोरखपुर-बस्ती एवं गोरखपुर-बेलथरा रेल खण्डों में विशेष टिकट जांच अभियान चलाकर अनधिकृत/बिना टिकट यात्रियों एवं पैन्ट्रीकार तथा ऑन बोर्ड स्टाफ की आई.डी. की जॉच की गयी, जिसके फलस्वरूप बिना टिकट/अनियमित टिकट के साथ/बिना बुक सामान के कुल 173 मामले पकड़े गये, जिनसे कुल रूपया 1,11,650/-(एक लाख ग्यारह हजार छः सौ पचास रुपए) के रेल राजस्व की वसूली की गयी। यात्रियों की सुविधा एवं रेल राजस्व की क्षति रोकने के उद्देश्य से पूर्वोत्तर रेलवे के सभी मंडल पर निरन्तर स्पॉट चेक, एम्बुश चेक, किलाबंदी चेक आयोजित किये जा रहे हैं। पूर्वोत्तर रेलवे पर स्टेशनों एवं गाड़ियों में आगे भी बिना टिकट यात्रा, बिना बुक किये गये सामानों की जांच, अनियमित यात्रा आदि विशेष टिकट जांच अभियान निरन्तर जारी रहेगा। रेल प्रशासन की यात्रियों से अपील है कि वे उचित टिकट लेकर ही यात्रा प्रारम्भ करे।

मधुमेह रोग से बचाव विषय पर तकनीकी संगोष्ठी का आयोजन किया गया

गोरखपुर,: उत्पादन इंजीनियर/सिगनल कारखाना ध्रव कुमार शर्मा की अध्यक्षता में 30 मार्च,2026 को राजभाषा कार्यान्वयन समिति की बैठक, महादेवी वर्मा जी की जयंती, पर विशेष हिंदी कार्यशाला, प्रेमचंद एवं मैथिली शरण गुप्त पुरस्कार योजना-2025 एवं मधुमेह रोग से बचाव विषय पर तकनीकी संगोष्ठीह्वका आयोजन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए उत्पादन इंजीनियर/सिगनल कारखाना, श्री ध्रुव कुमार शर्मा ने कहा कि महादेवी वर्मा हिन्दी भाषा की महान कवयित्री थीं। वे हिन्दी साहित्य में छायावादी युग के चार प्रमुख स्तम्भों में से एक मानी जाती हैं। उन्होंने कहा कि सभी रेलकर्मी राजभाषा विभाग, गृह मंत्रालय और रेलवे बोर्ड द्वारा जारी वार्षिक कार्यक्रम 2025-2026 के निर्धारित लक्ष्यों का अपने कार्यक्षेत्र में शत-प्रतिशत अनुपालन सुनिश्चित करें। कार्यक्रम का संचालन करते हुये सहायक कारखाना प्रबंधक/सिगनल कारखाना एवं राजभाषा संपर्क अधिकारी श्री बीरेश कुमार श्रीवास्तव ने कहा कि सभी कंप्यूटर प्रयोक्ताओं द्वारा कंप्यूटर पर यूनिकोड में हिंदी के मंगल फोंट में कार्य किया जाए । इस अवसर पर वरिष्ठ अनुवादक सुश्री सपना खरे द्वारा विशेष हिंदी कार्यशाला में प्रेमचंद एवं मैथिली शरण गुप्त पुरस्कार योजना-2025 के बारे में बताया गया तथा मधुमेह रोग से बचाव विषय पर तकनीकी संगोष्ठी के दौरान जानकारी दी गई। वरिष्ठ अनुवादक श्रीमती अनामिका सिंह ने महादेवी वर्मा जी के व्यक्तित्व एवं कृतित्व पर प्रकाश डाला। धन्यवाद ज्ञापन मुख्य कार्यालय अधीक्षक श्री गिरिजेश सिंह ने किया। इस अवसर पर सहायक वित्त सलाहकार/सिगनल कारखाना श्री विनय कुमार बर्नवाल सहित सिगनल कारखाना के अधिकारी और कर्मचारी उपस्थित थे।

एल.एस.एल.आर.डी. के 01 कोच सहित कुल 20 आधुनिक कोच लगाये जायेंगे

गोरखपुर,: रेलवे प्रशासन द्वारा ग्रीष्मकाल के दौरान यात्रियों की सुविधा हेतु 05183/05184 आजमगढ़-बान्द्रा टर्मिनस-आजमगढ़ सुपरफास्ट ग्रीष्मकालीन विशेष गाड़ी का संचलन आजमगढ़ से 04 अप्रैल से 11 जुलाई, 2026 तक प्रत्येक शनिवार को तथा बान्द्रा टर्मिनस से 06 अप्रैल से 13 जुलाई, 2026 तक प्रत्येक सोमवार को 15 फेरों के लिये निम्नवत किया जायेगा। 05183 आजमगढ़-बान्द्रा टर्मिनस सुपरफास्ट ग्रीष्मकालीन विशेष गाड़ी 04 अप्रैल से 11 जुलाई, 2026 तक प्रत्येक शनिवार को आजमगढ़ से 23.15 बजे प्रस्थान कर मुहम्मदाबाद से 23.42 बजे, दूसरे दिन मऊ से 00.35 बजे, औंड़िहार से 01.32 बजे, बनारस से 02.45 बजे, ज्ञानपुर रोड से 03.47 बजे, प्रयागराज रामबाग से 04.45 बजे, प्रयागराज जं. से 05.10 बजे, गोविन्दपुरी से 08.15 बजे, टूण्डला से 12.00 बजे, ईदगाह आगरा से 12.50 बजे, बयाना से 15.32 बजे, गंगापुर सिटी से 16.35 बजे, कोटा से 18.40 बजे, नागदा से 21.50 बजे, रतलाम से 22.50 बजे, तीसरे दिन वडोदरा से 01.55 बजे, सूरत से 03.45 बजे तथा बोरीवली से 07.17 बजे छूटकर बान्द्रा टर्मिनस 08.10 बजे पहुँचेगी। वापसी यात्रा में, 05184 बान्द्रा टर्मिनस-आजमगढ़ सुपरफास्ट ग्रीष्मकालीन विशेष गाड़ी 06 अप्रैल से 13 जुलाई, 2026 तक प्रत्येक सोमवार को बान्द्रा टर्मिनस से 10.45 बजे प्रस्थान कर बोरीवली से 11.07 बजे, सूरत से 14.15 बजे, वडोदरा से 15.45 बजे, रतलाम से 20.50 बजे, नागदा से 22.00 बजे, दूसरे दिन कोटा से 00.15 बजे, गंगापुर सिटी से 02.17 बजे, बयाना से 03.22 बजे, ईदगाह आगरा से 05.15 बजे, टूण्डला से 06.25 बजे, गोविन्दपुरी से 09.55 बजे, प्रयागराज जं. से 13.05 बजे, प्रयागराज रामबाग से 13.22 बजे, ज्ञानपुर रोड से 14.32 बजे, बनारस से 15.50 बजे, औंड़िहार से 17.02 बजे, मऊ से 19.10 बजे तथा मुहम्मदाबाद से 19.35 बजे छूटकर आजमगढ़ 20.10 बजे पहुंचेगी।

संगोष्ठी को सम्बोधित करते हुये महाप्रबन्धक, पूर्वोत्तर रेलवे उदय बोरवणकर साथ में वरिष्ठ अधिकारी

गोरखपुर, : महाप्रबन्धक, पूर्वोत्तर रेलवे उदय बोरवणकर के मार्गदर्शन में सिगनल एवं दूर संचार विभाग द्वारा महाप्रबन्धक सभाकक्ष ह्यचैतन्यह्य, गोरखपुर में 30 मार्च, 2026 को तीनों मंडलों के वरिष्ठ मंडल सिगनल एवं दूर संचार इंजीनियर के साथ संगोष्ठी का आयोजन किया गया है। इस अवसर पर प्रमुख मुख्य सिगनल एवं दूर संचार इंजीनियर श्री एम.एल. मकवाना, वरिष्ठ उप महाप्रबन्धक एवं मुख्य सतर्कता अधिकारी श्री तुषार कान्त पाण्डेय, अन्य विभागों के प्रमुख विभागाध्यक्ष, मुख्यालय के वरिष्ठ अधिकारी, मुख्यालय एवं मंडलों के उप मुख्य सिगनल एवं दूर संचार इंजीनियर/निर्माण तथा वरिष्ठ मंडल सिगनल एवं दूर संचार इंजीनियर उपस्थित थे। संगोष्ठी को सम्बोधित करते हुये महाप्रबन्धक श्री उदय बोरवणकर ने कहा कि रेलवे के संरक्षा में सिगनल एवं दूर संचार विभाग की महत्वपूर्ण भूमिका है। संरक्षा के क्षेत्र में किसी प्रकार के शॉर्टकट का उपयोग नहीं करना चाहिये। उन्होंने कहा कि सिगनल एवं दूर संचार विभाग के उपकरणों के अनुरक्षण के गुणवत्ता में निरन्तर वृद्धि करने हेतु तत्पर रहना चाहिये। सभी को कार्यक्षेत्र में अद्यतन तकनीक का पूरा प्रयोग करना चाहिये। महाप्रबन्धक ने कहा कि अपने कार्यान्वित दैनिक कार्यों के अन्तर्गत पोजीशन को

अद्यतन रखना, अन्य विभागों से समन्वय स्थापित करना एवं नवोन्मेषी प्रयोग करते रहने चाहिये, जिससे रेल संचलन निर्बाध रूप से चलता रहे। श्री बोरवणकर ने कहा कि अन्य रेलों के तकनीकों का अध्ययन करते रहना चाहिये, जिसे पूर्वोत्तर रेलवे में तकनीक का उपयोग करने में सुविधा हो सके। उन्होंने कहा कि संरक्षा के दृष्टिगत अर्थिंग कार्यों, तड़ित चालक एवं इलेक्ट्रॉनिक इंटरलॉकिंग, ऑटोमेटिक सिगनलिंग एवं कवच के कार्यों को तीव्र गति से किया जाये। श्री बोरवणकर ने सिगनल एवं दूर संचार विभाग के पर्यवेक्षकों एवं तकनीशियनों के प्रशिक्षण पर जोर दिया। महाप्रबन्धक ने कहा कि पूर्वोत्तर रेलवे पर वन्यजीवों (हाथियों) की सुरक्षा हेतु महत्वपूर्ण कदम उठाया जा रहा है। पूर्वोत्तर रेलवे द्वारा ट्रेन संचलन के दौरान रेल ट्रैक पर आने वाले हाथियों के बचाव हेतु नवोन्मेषी तकनीक आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (ए.आई.) इनेबल्ड इंट्रूजन डिटेक्शन सिस्टम (ई.आई.डी.एस.) का उपयोग करने की योजना बनाई गई है, जिस पर तीव्र गति से कार्य किया जाना है। इसके पूर्व, प्रमुख मुख्य सिगनल एवं दूर संचार इंजीनियर श्री एम.एल. मकवाना ने संरक्षा में सुधार, ट्रेन संचलन, समपार फाटक, अम्ब्रेला कार्यों, सिगनल कारखाना, गोरखपुर छावनी में सिगनल उपकरणों के उत्पादन में वृद्धि, फील्ड में केबल कटने से बचाव हेतु आवश्यक सुधार, कवच, इलेक्ट्रॉनिक इंटरलॉकिंग, ऑटोमेटिक सिगनलिंग, एक्सल काउंटर, सिगनल एवं दूर संचार के पर्यवेक्षकों एवं तकनीशियनों के प्रशिक्षण कार्यक्रम, सिगनल एवं दूर संचार सम्बन्धित विभिन्न मुद्दों आदि पर विस्तृत चर्चा करते हुये मुख्यालय एवं मंडल के अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिये तथा कार्यों की समीक्षा की। संगोष्ठी में अन्य विभागों के प्रमुख विभागाध्यक्षों ने मंडलों में आ रही समस्याओं के निष्पादन तथा आवश्यक सुधार हेतु प्रमुख मुख्य सिगनल एवं दूर संचार इंजीनियर और मंडलों के वरिष्ठ मंडल सिगनल एवं दूर संचार इंजीनियरों से विस्तृत चर्चा की तथा आवश्यक सुझाव दिये।

राजपत्रित अधिकारियों को समापक राशि का प्रपत्र प्रदान करते हुये प्रमुख मुख्य कार्मिक अधिकारी मनोज कुमार

गोरखपुरः प्रमुख मुख्य कार्मिक अधिकारी मनोज कुमार ने 31 मार्च,2026 को सेवानिवृत्त होने वाले उप मुख्य इंजीनियर/निर्माण श्री महेन्द्र नाथ मिश्र, सचिव/प्रमुख मुख्य परिचालन प्रबन्धक श्री शैलेश कुमार सिंह, सहायक परिचालन प्रबन्धक श्री अशोक कुमार मिश्र एवं सहायक सुरक्षा आयुक्त/रेलवे सुरक्षा बल श्री नरेन्द्र कुमार को अपने कक्ष में समापक राशि का प्रपत्र एवं सेवा प्रमाण पत्र प्रदान कर सम्मानित किया। इस अवसर पर

उन्होंने सेवानिवृत्त हो रहे अधिकारियों के स्वस्थ एवं सुखमय जीवन की कामना की। इसके अतिरिक्त अध्यक्ष/रेलवे भर्ती सेल श्री राजेश कुमार गुप्ता एवं उप मुख्य कार्मिक अधिकारी/मुख्यालय श्री वी.के.द्विवेदी ने कार्मिक विभाग के सभा कक्ष में 30 मार्च, 2026 को आयोजित एक समारोह में 31 मार्च, 2026 को सेवानिवृत्त होने वाले 08 अराजपत्रित रेलकर्मियों को समापक राशि का प्रपत्र एवं सेवा प्रमाण-पत्र प्रदान कर सम्मानित किया। सेवा निवृत्त रेल कर्मियों को सम्बोधित करते हुए अध्यक्ष/रेलवे भर्ती सेल श्री राजेश कुमार गुप्ता एवं उप मुख्य कार्मिक अधिकारी/मुख्यालय श्री वी.के.द्विवेदी ने सेवानिवृत्त होने वाले रेलकर्मियों के स्वस्थ एवं सुखमय जीवन की कामना की। इस अवसर पर कार्मिक एवं लेखा विभाग के अधिकारी, यूनियन के पदाधिकारी तथा सेवानिवृत्त होने वाले रेल कर्मियों के परिजन उपस्थित थे। लेखा विभाग में आयोजित एक अन्य समारोह में 31 मार्च, 2026 को सेवानिवृत्त होने वाले वरिष्ठ लेखाकार श्री मनोज कुमार एवं श्री आर.एफ.लूथर को प्रधान वित्त सलाहकार श्री अमरजीत गौतम ने समापक राशि का प्रपत्र एवं सेवा प्रमाण-पत्र प्रदान कर सम्मानित किया तथा उनके सुखमय जीवन की कामना की।

एसबीआई बैंक में लगी आग, नकदी सहित सभी सामान जलने की आशंका

चित्रकूट। सोमवार की सुबह कस्बे के मुख्य मार्ग स्थित भारतीय स्टेट बैंक की शाखा में अज्ञात कारणों से भीषण आग लग गई। देखते ही देखते आग ने विकराल रूप ले लिया और बैंक के अंदर घना धुआं भर गया, जिससे स्थिति अत्यंत भयावह हो गई। धुएं का गुबार इतना अधिक था कि अंदर कुछ भी दिखाई नहीं दे रहा था, जिसके चलते कोई भी व्यक्ति अंदर जाने की हिम्मत नहीं जुटा पा रहा है। घटना की सूचना मिलते ही फायर ब्रिगेड की टीम मौके पर पहुंच गई और आग पर काबू पाने के लिए लगातार मशक्कत कर रही है। दमकल कर्मियों द्वारा कड़ी मेहनत के बावजूद आग पूरी तरह नियंत्रित नहीं हो सकी थी। आग की तीव्रता को देखते हुए बैंक परिसर के आसपास लोगों की भीड़ जमा हो गई, जिन्हें पुलिस द्वारा सुरक्षित दूरी पर रखा जा रहा है। वहीं, प्रभारी निरीक्षक लाखन सिंह पुलिस बल के साथ मौके पर डटे हुए हैं और स्थिति पर लगातार नजर बनाए हुए हैं। सुरक्षा के मद्देनजर बैंक के आसपास के क्षेत्र को खाली कराया गया है। आग लगने की सूचना मिलते ही शाखा प्रबंधक पंकज सिंह सहित अन्य कर्मचारी भी मौके पर पहुंच गए हैं। फिलहाल आग लगने के कारणों का पता नहीं चल सका है और न ही अभी तक किसी प्रकार के नुकसान का आधिकारिक आंकलन किया जा सका है।

ड्रग माफिया और उसके भाई पर गैंगस्टर की कार्रवाई, पुलिस आरोपी भाइयों की संपत्ति चिह्नित करने में जुटी

कानपुर। काकादेव थाना क्षेत्र के ड्रग माफिया सुशील कुमार उर्फ बच्चा पर उत्तर प्रदेश गिरोह बंद समाज विरोधी क्रियाकलाप (निवारण) अधिनियम 1986 के तहत पुलिस ने एफआईआर दर्ज की है। माफिया के गैंग में उसका सगा भाई राजकुमार शर्मा उर्फ बउवा लिंडा शामिल है। पुलिस जल्द ही आरोपियों की संपत्ति चिह्नित कर जब्त करेगी। ड्रग माफिया सुशील कुमार उर्फ बच्चा ने वर्ष 1990 में अपराध की दुनिया में कदम रखा। जब कई अपराधी पीछे पड़ गए तो

उसने काकादेव थाना क्षेत्र के विजयनगर में एक सूअर बाड़ा खोल लिया। पुलिस की शह पर सूअर बाड़े की आड़ में जुआ खिलवाने लगा। साथ ही चरस, गांजे व ड्रग्स का धंधा शुरू कर दिया। लखनऊ तक नेटवर्क बना लिया। पश्चिम बंगाल, उड़ीसा व नेपाल से थोक मादक पदार्थ लाकर बेचने लगा। काकादेव इंस्पेक्टर राजेश शर्मा ने बताया कि आरोपी सगे भाइयों ने गांजा समेत अन्य मादक पदार्थ बेचकर अवैध तरीके से धन अर्जित किया है।

संक्षिप्त खबरें

अज्ञात की टक्कर से तीन युवकों की मौत

बभनान(बस्ती)। अज्ञात वाहन की चपेट में आने से तीन युवकों की मौत हो गई। बताया जा रहा है तीनों एक ही बाइक पर सवार होकर बभनान बाजार से घर लौट रहे थे। तीनों युवक गोंडा जनपद खोड़ारे थाना क्षेत्र रहने वाले थे। मौके पर हेलमेट नहीं मिला है। जानकारी के अनुसार रविवार की रात करीब 8:30 स्थानीय कस्बे से सटे बभनान-गौरा चौकी मार्ग पर पड़ोसी जनपद गोंडा के खोड़ारे थाना क्षेत्र अंतर्गत बुकनापुर गांव के समीप अज्ञात वाहन के चपेट में आने से तीन मोटरसाइकिल सवार युवक गंभीर रूप से घायल हो गए। मौके से गुजर रहे राहगीरों ने हादसे की जानकारी पुलिस को दी और घायलों को उपचार के लिए सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र गौर पहुंचाया। वहां चिकित्सकों ने तीनों को मृत घोषित कर दिया। युवकों की पहचान पहचान खौडारे थाना क्षेत्र के सिकरी टप्पाकोट गांव निवासी अमरदीप (23), इसी थाना क्षेत्र के खुटिहन गांव निवासी श्री श्याम (19) और ऋतिक (20) के रूप में हुई है। स्थानीय लोगों के मुताबिक तीनों युवक रविवार की रात करीब 8:30 बजे मोटरसाइकिल से बभनान से गौरा चौकी की तरफ जा रहे थे। अभी वह बुकनापुर गांव के समीय पहुंचे थे कि किसी अज्ञात वाहन की चपेट में आने से गंभीर रूप से घायल होकर सड़क किनारे पड़े हुए थे। इस संबंध में गौर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र के प्रभारी निरीक्षक भास्कर यादव ने कहा कि अस्पताल पहुंचने के पहले तीनों की मौत हो चुकी थी।

दहेज मांगने के आरोप में पति समेत पांच पर प्राथमिकी

बभनान। प्रेम विवाह के बाद दहेज में पांच लाख रुपये, दो पहिया वाहन के लिए नव विवाहिता को प्रताड़ित करने के आरोप में पुलिस ने पति समेत पांच के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज किया है। गौर थाना क्षेत्र की डुहवा गांव निवासी नसीबुन पत्नी मोहम्मद आजाद ने पुलिस अधीक्षक को दिए प्रार्थना पत्र में बताया है कि हरैया थाना क्षेत्र के सेरवाडीह गांव निवासी मोहम्मद आजाद पुत्र निजामुद्दीन ने 16 नवंबर 2024 को कोर्ट मैरिज किया और निकाह के बाद आजाद अपने घर ले गया। उसके रिश्तेदार खाला शरीफुल पत्नी साधू, हुन्नी पत्नी सिद्धू व सिद्धू का लड़का राजीर व निजामुद्दीन पुत्र करम अली ने काफी विरोध किया तो पीड़िता के पति आजाद ने समझा बुझाकर मायके भेज दिया और कहा कि कुछ दिन बाद सब ठीक हो जाएगा। इसके बाद 16 फरवरी 2026 को ससुराल वालों से बात किया तो उन लोगों ने कहा कि 5 लाख और दो पहिया राइडर गाड़ी दो तभी विदाई कराएंगे। इस बाबत थानाध्यक्ष गौर अतुल कुमार अंजान ने बताया कि एसपी के निर्देश पर प्राथमिकी दर्ज कर विवेचना शुरू कर दी गई है।

बालक वर्ग में आठ खेलों में हुआ मंडलस्तरीय चयन-ट्रायल

बस्ती। प्रदेश के विभिन्न जनपदों में संचालित खेल छात्रावास में प्रवेश प्रक्रिया सत्र 2026-27 के लिए शहीद सत्यवान सिंह स्टेडियम में चल रहे विभिन्न खेलों के चयन-ट्रायल में रविवार को आठ खेलों में बालक वर्ग का चयन-ट्रायल हुआ। इसमें खिलाड़ियों ने खूब पसीना बहाया। मंडलस्तरीय चयन-ट्रायल के तीसरे दिन स्टेडियम में क्रिकेट, कबड्डी, बास्केटबॉल, तीरंदाजी, एथलेटिक्स, बॉक्सिंग, जूडो और हैंडबॉल खेल में खिलाड़ियों ने ट्रायल दिया। खेल निदेशालय के निर्देश पर 30 मार्च तक मंडलस्तरीय चयन-ट्रायल का शेड्यूल जारी किया गया है। इसमें बेहतर प्रदर्शन करने वाले खिलाड़ियों को प्रदेश स्तरीय ट्रायल में शामिल होने का मौका मिलेगा। क्षेत्रीय क्रीड़ाधिकारी दिलीप कुमार ने बताया कि सोमवार को पांच खेलों में बालिका वर्ग का मंडलीय ट्रायल होगा। इसमें सफल खिलाड़ी तीन अप्रैल से 24 अप्रैल तक विभिन्न जनपदों में आयोजित प्रदेश स्तरीय चयन-ट्रायल में हिस्सा लेंगे। सफल होने पर प्रवेश पाएंगे। खिलाड़ियों के लिए यह बेहतर अवसर है कि प्रदर्शन कर स्पोर्ट्स कॉलेज में दाखिला ले सकेंगे।

चार केंद्रों पर 47,934 कॉपियों का हुआ मूल्यांकन

बस्ती। यूपी बोर्ड हाईस्कूल एवं इंटरमीडिएट की उत्तर पुस्तिकाओं का मूल्यांकन रविवार को भी हुआ। जिले के चार मूल्यांकन केंद्रों पर हाईस्कूल एवं इंटरमीडिएट में कुल 47,934 कॉपियों का मूल्यांकन किया गया है। इसमें हाईस्कूल में 23,098 और इंटरमीडिएट की 24,836 कॉपियां शामिल हैं। बताया गया कि अभी इंटरमीडिएट में 52,144 और हाईस्कूल में 70,062 कॉपियों का मूल्यांकन शेष है। रविवार को जीजीआईसी में इंटरमीडिएट की 10,896, शिवहर्ष किसान इंटर कॉलेज में 13,940 और जीआरएस में हाईस्कूल की 8901 तथा श्रीकृष्ण पांडेय इंटर कॉलेज में 14,197 कॉपियों का मूल्यांकन किया गया है। अब तक हाईस्कूल में 2,14,733 कॉपियां जांची जा चुकी हैं, जबकि इंटरमीडिएट में 1,79,140 कॉपियों का मूल्यांकन किया जा चुका है। डीआईओएस संजय सिंह ने बताया कि तय अवधि में सभी कॉपियों का मूल्यांकन कर लिया जाएगा।

एक किलो गांजा के साथ सगे भाई गिरफ्तार

बस्ती। कोतवाली पुलिस ने शनिवार की रात एक किलो गांजा के साथ दो सगे भाइयों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने बताया कि शनिवार को 11:55 बजे अमहट पुल के पास विशाल उर्फ शिवम (22) उसके भाई विनायक उर्फ प्रिंस (19) निवासी रौतापार स्थायी पता ग्राम चिताही थाना त्रिलोकपुर जनपद सिद्धार्थनगर संदिग्ध हालत में घूम रहे थे। पुलिस ने दोनों पकड़कर तलाशी ली तो पास से एक किलो गांजा बरामद हुआ। पुलिस ने बताया कि विनायक का आपराधिक इतिहास लंबा है। उसके खिलाफ कोतवाली बस्ती में विभिन्न मामलों में 12 मामले दर्ज हैं। कोतवाल मोतीचंद ने बताया कि दोनों के खिलाफ पुलिस ने एफआईआर दर्ज किया गया है।

दहेज उत्पीड़न के मामले में पति समेत पांच नामजद

बस्ती। जिले की गौर पुलिस ने दहेज उत्पीड़न के मामले में पति समेत पांच ससुरालियों पर प्राथमिकी दर्ज की है। पीड़ित नसीबुन ने थाने में तहरीर देकर बताया कि शादी के बाद ससुराल पक्ष के लोग उनसे दहेज की मांग कर रहे थे। इससे मना करने पर उनका उत्पीड़न किया जाने लगा। उन्हें मारने पीटने के साथ जान से मारने की धमकी भी दी गई। पुलिस ने पति आजाद, ससुर निजामुद्दीन, मौसी शरीफुल, हुन्नी और राजीर के खिलाफ दहेज उत्पीड़न अधिनियम के तहत प्राथमिकी दर्ज कर मामले की छानबीन में जुट गई है।

ट्रैक्टर हटाने के विवाद में खूनी संघर्ष बुजुर्ग की मौत

बस्ती। दुबौलिया थाना क्षेत्र के सेमरा मुस्तहकम गांव में शनिवार की देर रात दो पक्ष आमने-सामने हो गए। कहासुनी के बाद मामला खूनी संघर्ष में तब्दील हो गया। लाठी-डंडे के साथ एक दूसरे पर लोग दुश्मन बनकर टूट पड़े। इस घटना में एक बुजुर्ग समेत पांच लोग घायल हो गए। ओपेक चिकित्सालय कैली में इलाज के दौरान गंभीर रूप से घायल बुजुर्ग की मौत हो गई। बताया जा रहा है कि गांव के रहने वाले राम कुबेर गौड़ और उनके पड़ोसी विपिन यादव के बीच आपसी विवाद चल आ रहा था। शनिवार की रात करीब 9:30 बजे ट्रैक्टर हटाने को लेकर दोनों पक्षों में कहासुनी होने लगी। कुछ देर में मामला हिंसक रूप ले लिया। लाठी-डंडों से लैस होकर दोनों पक्ष एक दूसरे पर टूट पड़े। इस घटना राम कुबेर गौड़ (75) को गंभीर चोंट आई।

आयुर्वेद स्टाफ नर्स चयनित अभ्यर्थियों का प्रदर्शन

लखनऊ (संवाददाता)। राजधानी लखनऊ में आयुर्वेद स्टाफ नर्स चयनित अभ्यर्थियों ने सोमवार को विरोध प्रदर्शन किया। नियुक्ति पत्र की मांग को लेकर अभ्यर्थी पहले डिप्टी सीएम बृजेश पाठक के आवास पहुंचे। उसके बाद प्रदर्शनकारियों ने भारतीय जनता पार्टी मुख्यालय का रुख किया। प्रदर्शनकारियों ने बताया कि 2023 में भर्ती निकली थी। जिसके बाद लगातार नौकरी के लिए भटक रहे हैं। चयनित अभ्यर्थियों के मुताबिक, उत्तर प्रदेश लोक सेवा आयोग (यूपीपीएससी) द्वारा जनवरी 2023 में (स्टाफ नर्स आयुर्वेद) की भर्ती निकली। मुख्य परीक्षा 23 फरवरी 2025 को आयोजित की गई। अंतिम परिणाम आयोग द्वारा 4 जुलाई 2025 को अंतिम चयन सूची जारी कर दी गई थी। 15-17 जुलाई 2025 को डॉक्यूमेंट वेरिफिकेशन हुआ। उसके बाद शारीरिक परीक्षण 23 दिसम्बर और 30 दिसम्बर 2025 को मुख्य चिकित्सा अधिकारी के द्वारा किया गया। भर्ती की सभी प्रक्रिया पूरी होने के 8 महीने बाद भी अभी तक नौकरी नहीं मिली। प्रदर्शनकारियों ने कहा कि लंबे समय से नियुक्ति की प्रतीक्षा कर रहे अभ्यर्थियों को आर्थिक और मानसिक परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है।

महावीर जयंती पर आज निकलेगी रथयात्रा, धार्मिक और सांस्कृतिक कार्यक्रम होंगे

■ ग्वालियर

जैन धर्म के 24वें तीर्थंकर भगवान महावीर स्वामी का जन्म कल्याणक इस वर्ष सोमवार को उत्साह और श्रद्धा के साथ मनाया जाएगा। इस अवसर पर रथयात्रा भी निकाली जाएगी। महावीर जयंती महोत्सव समिति एवं अखिल जैन समाज वृहत्तर ग्वालियर के तत्वावधान में विभिन्न धार्मिक एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। वहीं महावीर जयंती की पूर्व संध्या पर भजन संध्या का आयोजन नई सड़क स्थित चंपाबाग की बगीची में किया गया। महावीर जंयती महोत्सव समिति एवं अखिल जैन समाज वृहत्तर ग्वालियर ओर से मुनिश्री अनुमान सागर महाराज और मुनिश्री अनुकरण सागर महाराज के सानिध्य में कार्यक्रमों का आयोजन किया जाएगा। प्रवक्ता सचिन जैन ने बताया कि 30 मार्च सोमवार को प्रातः 7 बजे से दौलतगंज जैन मंदिर से मुनिश्री अनुमान सागर ओर मुनिश्री अनुकरण सागर महाराज के सानिध्य में देव, शास्त्र, गुरू की विशाल रथयात्रा प्रारंभ होगी। यह रथयात्रा दौलतगंज से शुरू होकर फालका बाजार, राम मंदिर, गस्त का ताजिया, डीडवाना ओली, सराफा बाजार, जीवाजी चौक, माधवगंज, मोर बाजार, दाना ओली से नई सड़क स्थित चंपाबाग बगीची पहुंचेगी।

भजनों के साथ झुलाया पालना

महावीर जंयती महोत्सव समिति एवं अखिल जैन समाज वृहत्तर ग्वालियर ओर से नई सड़क स्थित चंपा बाग बगीची में एक शाम भगवान महावीर के नाम भजन संध्या ओर पालना झुलाई कार्यक्रम प्रियांक शंशाक परिवार की ओर से आयोजित किया गया। दिल्ली आए पंडित संजीव जैन ने भजन में प्रथम भजन मंगल कल्याणक ऐसा चाहते है जैसी तेरी दर्शाया है वैसी मेरी हो... बड़े भाग्य से हमको मिला जैनधर्म, जिन शासन बड़ा निराला बनो तो अमृत का प्याल..., वर्तमान को वर्धमान की आवश्यकता है..., तेरे पांच हुए कल्याण प्रभु एक बार मेरा कल्याणक कर दो..., एक बार आओ जी महावीरा ..., मेरे महावीर झूले पलना, सन्मति वीर झूले पलना..., महावीर स्वामी तुम्हारा सहारा, मिला है हमें तो, प्रभुजी प्यारा सहारा..., महावीर की मूंगावर्णी मूरत मनहारी, कलशा ढालो रे ढालो रे नर-नारी जैसे भजनों की प्रस्तुतियां दी।

प्रभातफेरी व रथ यात्रा निकलेगी, होगा अभिषेक

जैन धर्म के 24 वें तीर्थंकर भगवान महावीर के जन्म कल्याणक के अवसर पर सोमवार को सुबह श्री दिगंबर जैन वरैया पंचायती बड़ा मंदिर मामा का बाजार से प्रभातफेरी व रथ यात्रा निकाली जाएगी। रथ यात्रा विभिन्न मार्गों से होते हुए महावीर भवन कंपू पहुंचेगी, जहां श्रीजी के अभिषेक व पूजा अर्चना के बाद कलशाभिषेक होंगे। भगवान महावीर जन्म कल्याणक महोत्सव समिति के निर्मल कोठारी और बसंत जैन ने बताया कि सोमवार की प्रातः 6:30 बजे बड़ा जैन मंदिर मामा का बाजार पर ध्वजारोहण के बाद गाजे-बाजे के साथ प्रभातफेरी और रथयात्रा शुरू होगी। रथयात्रा मामा का बाजार, चितेराओली, माधवगंज, महाराज बाड़ा, सराफा बाजार, पारख जी का बाड़ा, दौलतगंज, घोरपड़े का बाड़ा, हुजरात, नया बाजार होते हुए महावीर भवन कंपू पहुंचेगी। यहां ध्वजारोहण पवन जैन जौरा परिवार द्वारा किया जाएगा। चित्र अनावरण महेश जैन गुरु और दीप प्रज्वलन सोहनलाल जैन, मनोज जैन (जैन कालेज) द्वारा किया जाएगा। समारोह के मुख्य अतिथि ऊर्जा मंत्री प्रद्युम्न सिंह तोमर होंगे। भगवान महावीर जन्म कल्याणक महोत्सव समिति के अध्यक्ष निर्मल कोठारी, बसंत जैन, संजय जैन, पारसमल पारख, गोविंद सिंह मेहता, अशोक वैध, आशीष कोठारी, डीके जैन, जवाहरलाल, अजित जैन, हीरालाल, राकेश मोदी, दिनेश जैन, ने जैन धर्मावलंबियों से रथयात्रा में शामिल होने का आग्रह किया है।

गुब्बारा फाटक पर 148 वां हनुमान जन्मोत्सव 2 से

महारुद्र प्रासादिक समाज द्वारा गुब्बारा फाटक हनुमान मंदिर में 148 वां हनुमान जन्मोत्सव 2 से 11 अप्रैल तक मनाया जाएगा। समाज के प्रवक्ता निशिकांत सुरंगे के अनुसार उत्सव का प्रारंभ गुरुवार 2 अप्रैल को सुबह छह बजे पूजन-अभिषेक हनुमान जन्म कार्यक्रम से होगा। उसके बाद पालकी निकाली जाएगी। 3 को शाम आत्म ज्योति आवासीय कन्या विद्यालय की भजन संध्या, 4 को गजानन महाराज भजन मंडल की प्रस्तुति होगी। 5 को आबा महाराज राम मंदिर द्वारा राम धुन होगी। 6 से 9 अप्रैल पौने सात बजे से श्रीमद् वाल्मीकि रामायण पर आधारित संगीत मय रामकथा होगी। प्रस्तुतकर्ता, राघवेंद्र शिरगावकर, स्वर संगत डॉ. वीणा जोशी होंगे। नियमित कार्यक्रम नित्य पूजा आरती, सुंदर कांड एवं भजन होंगे। अध्यक्ष माधव रत्नपारखे ने आयोजन समिति का गठन कर दायित्व सौंप दिए हैं।

श्री सनातन धर्म मंदिर में मनाई कामदा एकादशी

श्री सनातन धर्म मंदिर में आज चैत्र शुक्ल एकादशी श्रद्धा भाव से मनाई गई। अध्यक्ष विजय गोयल एवं प्रधानमंत्री रमेश चंद्र गोयल लल्ला, कोषाध्यक्ष राकेश बंसल ने बताया कि एकादशी के अवसर पर भगवान चक्रधर एवं श्री गिरिराज धरण का आकर्षक श्रंगार किया गया। मुख्य पुजारी पंडित रमाकांत शास्त्री ने भगवान चक्रधर को लाल बूटेदार पगड़ी, मोरपंख, मकराकृत कुण्डल, मोतियों से जड़ा कण्ठा, कमल, सेवंती पुष्प, गेंदा पुष्पमाला, गुलाबी पोशाक धारण कराकर मनमोहक श्रृंगार किया। भक्तों को एकादशी व्रत की कथा सुनाई। भगवान को राधा रसोई में निर्मित फलाहारी भोग अर्पित किया गया। भक्तों ने श्रद्धा अनुसार दान पुण्य कर दर्शन लाभ प्राप्त किया। महिला भक्त मंडल ने भजन कीर्तन किए। भक्त श्रद्धालुओं ने श्री गिरिराजधरण की परिक्रमा लगाकर मनोवांछित फल की कामना की। संध्या आरती के उपरांत प्रसाद वितरण किया गया। शयन के समय ठाकुर जी को दूध एवं पान का भोग अर्पित किया गया।

झूलेलाल कल्चरल सोसाइटी की अयोध्या-काशी यात्रा बस रवाना

झूलेलाल कल्चरल सोसाइटी ग्रेटर ग्वालियर की ओर से दो दिवसीय पारिवारिक आध्यात्मिक यात्रा का आयोजन किया गया जिसके तहत रविवार रात्रि को यात्रा टीम रवाना हुई। यह वातानुकूलित बस रविवार, 29 मार्च को रात्रि 9 बजे लखनऊ स्थित शिव शांति आश्रम होती हुई सोमवार 30 मार्च को प्रात: अयोध्या पहुंचेगी। जहां रामलला मंदिर, हनुमानगढ़ी, सरयू घाट व अन्य धार्मिक स्थलों का दर्शन किया जाएगा तथा यात्रीगण मंगलवार, 31 मार्च को सुबह 8 बजे काशी विश्वनाथ मंदिर के दर्शनों हेतु बनारस के लिए रवाना होंगे। इस पारिवारिक आध्यात्मिक यात्रा में प्रमुख रूप से सोसायटी के समन्वयक श्रीचंद पंजाबी, अध्यक्ष प्रहलाद रोहिड़ा, निवर्तमान अध्यक्ष संगीत पारप्यानी, महासचिव राजकुमार कुकरेजा, प्रकाश पंजवानी आदि शामिल हैं।

भ्रांतियां और अभिभावकों की उदासीनता बनी बाधा, अब जागरूकता बढ़ाने पर जोर

जिले में एचपीवी टीकाकरण की रफ्तार धीमी 30 दिन में 27 प्रतिशत लक्ष्य हासिल

■ ग्वालियर

जिले में किशोरियों को सर्वाइकल कैंसर से बचाने के उद्देश्य से शुरू किया गया एचपीवी टीकाकरण अभियान उम्मीद के अनुरूप गति नहीं पकड़ पा रहा है। अभियान शुरू हुए 30 दिन पूरे हो चुके हैं, लेकिन अब तक निर्धारित लक्ष्य का केवल 27.31 प्रतिशत ही हासिल हो सका है। यह स्थिति स्वास्थ्य विभाग के लिए चिंता का विषय बनी हुई है।

जानकारी के अनुसार जिले में यह अभियान 28 फरवरी से प्रारंभ किया गया था। इसके तहत कुल 22,494 बालिकाओं को एचपीवी वैक्सीन लगाने का लक्ष्य तय किया गया है। हालांकि अब तक केवल 6,144 बालिकाओं को ही टीका लगाया जा सका है, जिससे अभियान की धीमी प्रगति उजागर हो रही है।

विशेषज्ञों का मानना है कि ग्वालियर जैसे शहरी क्षेत्र में टीकाकरण की रफ्तार कम रहने के पीछे कई कारण हैं। इनमें वैक्सीन को लेकर फैली भ्रांतियां, अभिभावकों की उदासीनता और व्यस्त जीवनशैली प्रमुख हैं। कई परिवारों में अब भी एचपीवी वैक्सीन को लेकर संदेह बना हुआ है, जिसके चलते वे अपनी बेटियों को टीका लगवाने में हिचकिचा रहे हैं। इसके विपरीत, छोटे और ग्रामीण जिलों में आशा कार्यकर्ताओं और स्वास्थ्य टीमों की सक्रियता के कारण बेहतर परिणाम देखने को मिल रहे हैं। वहां घर-घर संपर्क और व्यक्तिगत समझाइश के जरिए अधिक बालिकाओं तक टीकाकरण पहुंच रहा है। स्वास्थ्य विभाग अब ग्वालियर में अभियान को गति देने के लिए नई रणनीति पर काम कर रहा है। इसके तहत स्कूलों, आंगनवाड़ियों और मोहल्लों में विशेष टीकाकरण शिविर आयोजित किए जाएंगे। साथ ही अभिभावकों को जागरूक कर उनके मन में बनी शंकाओं को दूर करने का प्रयास किया जाएगा। विभाग का दावा है कि आशा कार्यकर्ता, एएनएम और अन्य स्वास्थ्य कर्मचारी लगातार घर-घर जाकर टीके के महत्व के बारे में जानकारी दे रहे हैं।

महंगी वैक्सीन, सरकार दे रही मुफ्त

एचपीवी वैक्सीन निजी बाजार में 4 से 5 हजार रुपए तक में उपलब्ध है, जिससे कई परिवारों के लिए इसे लगवाना मुशिकल हो जाता है। लेकिन सरकारी स्वास्थ्य संस्थानों में यह टीका पूरी तरह नि:शुल्क उपलब्ध कराया जा रहा है, ताकि हर वर्ग की बालिकाएं इसका लाभ उठा सकें।

क्यों जरूरी है एचपीवी टीका

विशेषज्ञों के अनुसार, सर्वाइकल कैंसर महिलाओं में होने वाले प्रमुख कैंसरों में शामिल है, जिसका मुख्य कारण ह्यूमन पैपिलोमा वायरस (एचपीवी) संक्रमण होता है। किशोरावस्था में लगाया गया एचपीवी टीका इस संक्रमण से सुरक्षा प्रदान करता है और भविष्य में कैंसर के खतरे को काफी हद तक कम कर देता है। स्वास्थ्य अधिकारियों का कहना है कि यह वैक्सीन पूरी तरह सुरक्षित और प्रभावी है, लेकिन जानकारी के अभाव में कई लोग अभी भी इससे दूर हैं।

हिंदू महासभा कार्यालय में क्रांतिकारियों के चित्रों का लोकार्पण

ग्वालियर। अखिल भारत हिन्दू महासभा के जिला कार्यालय दौलतगंज में रविवार को क्रांतिकारियों के चित्रों का लोकार्पण जूना अखाड़ा के महामंडलेश्वर डासना के पीठाधीश्वर यति नरसिंहानंद गिरि महाराज के मुख्य आतिथ्य में किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता अखिल भारत हिन्दू महासभा के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष डॉ. जयवीर भारद्वाज ने की। विशिष्ट अतिथि के रूप में स्वामी नरेशानंद महाराज, स्वामी तेजानंद महाराज, यति अभयानंद महाराज, यति यतेंद्रनंद गिरि महाराज मौजूद थे। कार्यक्रम में भारत माता, महामना मदन मोहन मालवीय, स्वामी श्रद्धानंद, शहीद भगत सिंह, शहीद चंद्रशेखर आजाद, गुरु तेग बहादुर के चित्रों का लोकार्पण किया। कार्यक्रम स्थल पर जूना अखाड़ा डासना के पीठाधीश्वर महामंडलेश्वर यति नरसिंहानंद गिरि ने कहा कि अगर हम सावरकर जी के सिद्धांतों पर नहीं चलेंगे तो सनातन धर्म बहुत जल्दी विनष्ट हो जाएगा।

वार्ड 53 में ठेकेदारी विवाद गरमाया

पार्षद पर 25% कमीशन मांगने का आरोप, वीडियो वायरल

■ ग्वालियर

नगर निगम में पार्षदों और ठेकेदारों के बीच गठजोड़ के आरोप लंबे समय से लगते रहे हैं। इसी कड़ी में अब वार्ड 53 के पार्षद मंगल यादव पर गंभीर आरोप सामने आए हैं। सोशल मीडिया पर वायरल एक वीडियो में सिवीकॉन कंपनी के ठेकेदार शाहिद खान और पार्षद के बीच तीखी बहस होती दिख रही है। वीडियो में पार्षद के साथ मौजूद कुछ युवक ठेकेदार और उसके पिता को धमकाते नजर आ रहे हैं।

शाहिद खान का आरोप है कि उन्होंने वार्ड 53 में नाला निर्माण का ठेका लिया है, लेकिन पार्षद इससे नाराज हैं। उनका कहना है कि वार्ड में केवल पार्षद से जुड़े ठेकेदार ही काम कर पाते हैं और अन्य को 25 प्रतिशत कमीशन देना पड़ता है। ठेकेदार ने यह भी दावा किया कि उसके पास ऑडियो-वीडियो सबूत हैं, जिनमें पार्षद के करीबी और जेडओ द्वारा कमीशन की बात कही जा रही है।

ठेकेदार के अनुसार, नाला निर्माण का टेंडर लगभग 1.53 करोड़ रुपए का है, जिसे सिवीकॉन कंपनी ने कम दर पर हासिल किया। भूमि पूजन से पहले जेडओ द्वारा पार्षद से बात करने का दबाव भी बताया गया है।

मामले में नगर निगम आयुक्त संघ प्रिय ने दक्षिण क्षेत्र के कार्यपालन यंत्री को काम शुरू कराने के निर्देश दिए हैं और बाधा डालने वालों पर कार्रवाई की चेतावनी दी है। एमआईसी सदस्य अवधेश कौरव का कहना है कि अभी तक पार्षद द्वारा सीधे पैसे मांगने की पुष्टि नहीं हुई है। फिलहाल ठेकेदार ने पुलिस में शिकायत दी है, जबकि पार्षद का पक्ष सामने नहीं आ सका है।

कैट यूथ विंग के अंशुल अध्यक्ष, सचिन बने सचिव

■ ग्वालियर

कॉन्फेडरेशन ऑफ ऑल इंडिया ट्रेडर्स कैट ग्वालियर में यूथ विंग में नव नियुक्त पदाधिकारियों का चयन कोर ग्रुप की बैठक में किया गया। बैठक कैट कोर ग्रुप की बैठक राष्ट्रीय संगठन मंत्री भूपेन्द्र जैन के मुख्य आतिथ्य में आयोजित की गई। अध्यक्षता जिलाध्यक्ष रवि गुप्ता ने की। यूथ विंग के प्रभारी आकाश जैन एवं महामंत्री विवेक जैन ने बताया कि कैट वर्किंग सोर्स में यूथ विंग का गठन किया और अध्यक्ष अंशुल तपा, सचिव सचिन राजपूत, कोषाध्यक्ष मुकेश चौरसिया को मनोनीत किया गया। जिला संयोजक दिलीप पंजवानी, संयुक्त अध्यक्ष मुकेश अग्रवाल, उपाध्यक्ष राहुल अग्रवाल, नीरज चौरसिया, श्याम शुक्ला, वरिष्ठ उपाध्यक्ष जेसी गोयल, गोपाल जायसवाल ने नवीन सत्र 2026-27 की प्रथम बैठक 6 अप्रैल को आयोजित करने का सुझाव दिया।

हजीरा पर कांग्रेस का धरना आज

ग्वालियर। केंद्र एवं राज्य सरकार की नीतियों के कारण महंगाई को लेकर 30 मार्च सोमवार को हजीरा चौराहा पर सायं 4 से 5 बजे तक कांग्रेस द्वारा धरना दिया जाएगा। शहर कांग्रेस अध्यक्ष सुरेंद्र यादव एवं प्रदेश महासचिव सुनील शर्मा ने बताया कि रसोई गैस एवं व्यावसायिक गैस सिलेंडर कीमतों में वृद्धि, सिलेंडरों की अपर्त्याप्त उपलब्धता, बिजली दरों में अप्रत्याशित वृद्धि एवं पेट्रोल-डीजल की कमी ने आमजन का जीवन संकट में डाल दिया है। यह सरकार जनता की नहीं, बल्कि बड़े उद्योगपतियों की सरकार बन चुकी है।

49वें परिचय सम्मेलन में 16 रिश्ते तय, हिंदू सर्वजातीय परिणय स्मारिका का विमोचन

परिचय सम्मेलन समाज की आवश्यकता: मिश्रा

■ ग्वालियर

गुरु विरजानंद वैदिक ट्रस्ट के तत्वावधान में सामुदायिक भवन, पाताली हनुमान मंदिर, तानसेन रोड पर आयोजित 49वें हिंदू सर्वजातीय के परिचय सम्मेलन में 16 रिश्ते तय हुए।

सम्मेलन संयोजक रजनीश सिकरवार ने बताया कि कार्यक्रम का शुभारंभ गुरुकुल इंदौर के ब्रह्मचारियों ने वैदिक मंगलाचरण से किया। फिर अविवाहित, विधवा, विधुर, तलाकशुदा और अधिक आयु के 158 प्रत्याशियों ने अपना परिचय देते हुए जाति-पति को दूर रख अंतरजातीय विवाह में रुचि दिखाई। मुख्य अतिथि जीवाजी विश्वविद्यालय के कुलसचिव डॉ. राजीव मिश्रा थे। विशिष्ट अतिथि राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के ग्वालियर विभाग के सह

कार्यवाह मुनेंद्र कुशवाह, आचार्य डॉ. भानु प्रताप वेदलंकार, डॉ. सतेंद्र शास्त्री, शांति सिकरवार, फूलसिंह माथुर, तेजमल सिंह मंचासीन रहे। मीडिया प्रभारी सीमा नायक ने बताया कि महाराष्ट्र, गुजरात, राजस्थान, दिल्ली, हरियाणा, बिहार आदि से भी प्रत्याशियों की प्रविष्टियां मिली हैं। मुख्य अतिथि डॉ. राजीव मिश्रा ने कहा कि आज युवक-युवती परिचय सम्मेलन सभी समाजों की महती आवश्यकता बन चुकी है, क्योंकि हर युवक-युवती चाहते हैं कि उन्हें उनकी पंसद का वर अथवा वधु मिले। इस परिचय सम्मेलन के माध्यम से एक ही स्थान पर कई लोग अपना परिचय देते हैं। जिससे युवक-युवतियों को एक-दूसरे को जानने पहचानने का अवसर मिलता है। विशिष्ट अतिथि मुनेंद्र कुशवाह ने कहा कि ये आयोजन आपसी भेदभाव मिटाने, सामाजिक समरसता और पारंपरिक विवाह पद्धतियों के संरक्षण हेतु आज के समय में आवश्यक हैं। आचार्य डॉ. भानु प्रताप वेदलंकार ने कहा कि महर्षि दयानंद सरस्वती ने कहा था कि मनुष्य की एक जाति है, लेकिन वैवाहिक संबंध गुण, कर्म और स्वभाव से होते हैं। डॉ. सतेंद्र शास्त्री ने ट्रस्ट के 21 वर्षों के अनुभव का जिक्र किया। इस दौरान अतिथियों के साथ आचार्य डॉ. भानु प्रताप वेदलंकार ने हिंदू सर्वजातीय परिणय स्मारिका का विमोचन किया, जिसे मंच पर परिचय देने वाली युवतियों को उपहार में दी गई। इस स्मारिका में 450 युवतियों व 500 युवकों के बायोडाटा फोटो सहित प्रकाशित हैं।

सीए स्टूडेंट्स एसोसिएशन के चुनाव में भूमि, आशुतोष और निकिता निर्वाचित

ग्वालियर। द इंस्टीट्यूट ऑफ चार्टर्ड अकाउंटेंट्स ऑफ इंडिया की सिकासा ग्वालियर ब्रांच द्वारा स्टूडेंट्स एसोसिएशन के चुनाव सम्पन्न हुए। जिसमें सीए स्टूडेंट्स ने नामांकन दाखिल किए। चुनाव निर्विरोध रूप से हुए, जिसमें वैध नामांकन के आधार पर भूमि अग्रवाल, आशुतोष सिंह तोमर एवं निकिता मित्तल को निर्वाचित किया गया। अब इन निर्वाचित सदस्यों के मध्य विभिन्न पदों जैसे उपाध्यक्ष, सचिव, कोषाध्यक्ष का बंटवारा होगा। सिकासा ग्वालियर ब्रांच के अध्यक्ष सीए नागेन्द्र सिंह कुशवाह ने बताया कि आईसीएआई में सेंट्रल इंडिया चार्टर्ड अकाउंटेंट्स स्टूडेंट्स एसोसिएशन (सिकासा) एक ऐसा मंच है जो चार्टर्ड अकाउंटेंसी के विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास के लिए कार्य करता है। इसका उद्देश्य विद्यार्थियों को न केवल शैक्षणिक रूप से सशक्त बनाना है, बल्कि उनके व्यक्तित्व, व्यवहार, नेतृत्व क्षमता एवं व्यावसायिक कौशल का भी विकास करना है। सिकासा के माध्यम से सेमिनार, वर्कशॉप, क्विज, डिबेट, कॉन्फ्रेंस, खेलकूद एवं सांस्कृतिक गतिविधियों का आयोजन किया जाता है, जिससे विद्यार्थियों को अकादमिक ज्ञान के साथ-साथ व्यावहारिक अनुभव भी प्राप्त हो सके। यह आईसीएआई और विद्यार्थियों के बीच एक सेतु का कार्य करती है, जो विद्यार्थियों की समस्याओं को संस्थान तक पहुंचाने का माध्यम बनती है। इस मौके पर ब्रांच के उपाध्यक्ष सीए पंकज शर्मा, सीए स्टूडेंट्स एसोसिएशन के अध्यक्ष सीए नागेन्द्र सिंह कुशवाह और सीए मयूर गर्ग मौजूद रहे।

आधी आबादी को साथ में लिए बिना समाज का समग्र विकास संभव नहीं: माखीजानी

मोबाइल पर कोई लिंक शेयर न करें: विदिता डागर

■ ग्वालियर

थिंक बिफोर स्पीक यह कहावत अब बदल गई है। आजकल साइबर अपराध के बढ़ते कुचक्र के कारण कहना पड़ता है थिंक बिफोर क्लिक। साइबर अपराधी ठगी के नित नए हथकंडे अपना रहे हैं और हम सब जानते हुए भी उनके शिकार बन जाते हैं। इसलिए आपके मोबाइल पर जब भी कोई लिंक शेयर करे तो उसका परीक्षण अवश्य कर लें। अन्यथा आप ठगों के जाल में फंसकर उनका आसानी से शिकार बन जाएंगे। यदि आप ठगी का शिकार हुए हैं तो तुरंत टोल फ्री नंबर 1930 पर सूचना दें।

यह जानकारी एडिशनल एसपी विदिता डागर ने सिंधु सोशल वेलफेयर सोसाइटी के नारी शक्ति पर आधारित ओरिएंटेशन कार्यक्रम नई उड़ान में दी। महिलाओं के सशक्तिकरण के लिए आयोजित इस कार्यक्रम में संस्थापक अध्यक्ष कमल माखीजानी ने कहा के बिना आधी आबादी को साथ में लिए समाज का समग्र विकास नहीं हो सकता है। ऐसे में जब केंद्र एवं राज्य की सरकारें विभिन्न योजनाओं के माध्यम से महिलाओं को अग्रिम पंक्ति में लाने का काम कर रही हैं तो हमको भी इन योजनाओं का लाभ लेने का अवसर चूकना नहीं चाहिए। उन्होंने नारी शक्ति वंदन अधिनियम की जानकारी भी कार्यक्रम में दी। पूर्व महापौर समीक्षा गुप्ता ने राजनीति में महिलाओं की भागीदारी पर विचार रखते हुए कहा कि समाज सेवा और एनजीओ में काम के आधार पर महिलाएं राजनीतिक जीवन की शुरुआत कर सकती हैं। मिसेज यूनिवर्स एवं मॉडल शिविका सिंह ने फैशन एवं मॉडलिंग क्षेत्र में कॅरियर को लेकर अपने विचार व्यक्त किए। उन्होंने ऐसी सोशल मीडिया साइट्स की जानकारी प्रदान की जिनके माध्यम से मॉडलिंग के क्षेत्र में शुरुआत की जा सकती है। अंतर्राष्ट्रीय योगा इंस्ट्रक्टर सौम्या पाठक ने रोजमर्रा की दिनचर्या में हम किस प्रकार तनावमुक्त होकर कार्य कर सकते हैं, इसके आसान तरीके बताए। संचालन अनुभा ठक्कर एवं जान्हवी रोहरा ने किया। आभार संस्था के सचिव संगीत पारप्यानी ने व्यक्त किया। अतिथि वक्ताओं का स्वागत संयोजकगण राजेश जयसिंघानी, किशोर राजपाल, डॉ. दीपक माखीजानी एवं कैलाश चावला ने किया।

इस अवसर पर नीलू संतवानी, भावना गुरुबक्षानी, मृगनयनी माखीजानी, निशा राजपाल, सपना पंजवानी, जया चावला, भावना भागचंदानी आदि उपस्थित रहे।

भावनाओं और स्त्री चेतना से सजा रंग उत्सव

■ ग्वालियर

आर्टिस्ट्स कंबाइन ग्वालियर द्वारा आयोजित नाट्य महोत्सव 'रंग उत्सव 2026' का तीसरे दिन रविवार को कला समूह में अत्यंत प्रभावशाली प्रस्तुतियों के साथ संपन्न हुआ। इस दिन दो प्रमुख प्रस्तुतियां-एकल अभिनय 'अनकही जिम्मेदारियां' तथा नाटक 'नेपथ्य राग' दर्शकों के सामने प्रस्तुत की गईं, जिन्होंने गहरे भाव और सामाजिक संदेशों के माध्यम से दर्शकों को प्रभावित किया।

अनकही जिम्मेदारियां में इस मार्मिक एकल अभिनय में एक पिता की संवेदनशील मनोदशा को प्रस्तुत किया गया, जो अपने बेटे की आत्महत्या के बाद भीतर से टूट चुका है। पूरे मोनोलॉग में एक पिता अपने बेटे अतुल को याद करते हुए उसके बचपन, उसके सपनों और उसकी चुप्पी के दर्द को व्यक्त करता है।

कहानी यह दर्शाती है कि कैसे समाज और पारिवारिक अपेक्षाओं के बीच एक व्यक्ति भीतर ही भीतर टूटता चला जाता है, लेकिन उसकी पीड़ा को कोई समझ नहीं पाता। पिता को अंत में यह एहसास होता है कि उसने अपने बेटे की 'मैं ठीक हूँ जैसी साधारण बातों के पीछे छिपे दर्द को कभी समझने की कोशिश नहीं की।

नाटक 'नेपथ्य राग' स्त्री चेतना, अस्मिता और आत्मसम्मान की गहन कथा है, जो इतिहास और पौराणिक पृष्ठभूमि के माध्यम से समाज की विडंबनाओं को उजागर करता है। 'रंग उत्सव 2026' का तृतीय दिवस गहन भावनाओं, सामाजिक चिंतन और सशक्त संदेशों के साथ संपन्न हुआ। दोनों प्रस्तुतियों ने दर्शकों को न केवल भावुक किया, बल्कि उन्हें आत्ममंथन के लिए भी प्रेरित किया।

सम्पादकीय

सोशल मीडिया एप्स पर सख्त प्रतिबंध को लेकर तेज होती आवाजें

सोशल मीडिया पर सख्त प्रतिबंध लगाने की मांग कर रहे माता-पिता और अभियान समूहों ने लॉस एंजिल्स की एक ज्यूरी के 6 हफ्ते चली बहस के बाद दिए गए फैसले का स्वागत किया। ज्यूरी ने कहा कि इंस्टाग्राम, फेसबुक और व्हाट्सएप, जो मेटा कंपनी और यूट्यूब जो गूगल की ऐप है, ने जानबूझ कर ऐसे व्यसनकारी सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म बनाए, जिनसे कैली, एक 20 साल की लड़की, ने दावा किया कि इन प्लेटफॉर्म्स ने उसकी निजी समस्याओं को और बढ़ा दिया और उन्हें बॉडी डिस्मॉर्फिया, डिप्रैशन और आत्महत्या के विचारों से ग्रस्त कर दिया। मुआवजे के तौर पर कैली को 3 मिलियन डॉलर दिए गए। यह मेटा के खिलाफ ऐसे दावों पर ज्यूरी द्वारा दिया गया पहला फैसला है, क्योंकि कंपनी पर उसके प्लेटफॉर्मों द्वारा युवाओं के मानसिक स्वास्थ्य पर पडने वाले प्रभावों को लेकर मुकद्दमों की बाढ़ आ गई है। हालांकि मेटा के प्रवक्ता ने एक बयान में कहा, हम इस फैसले से पूरी तरह असहमत हैं और अपील करेंगे। हम अपने प्लेटफॉर्मों पर लोगों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए कड़ी मेहनत करते हैं और हानिकारक तत्वों या सामग्री की पहचान करने और उन्हें हटाने की चुनौतियों से भली-भांति परिचित हैं।एक बयान में, न्यू मैक्सिको के अटॉर्नी जनरल राउल टोरेज, जो एक डैमोक्रेट हैं, ने इस फैसले को हर उस बच्चे और परिवार के लिए एक ऐतिहासिक जीत बताया, जिसने मेटा द्वारा बच्चों की सुरक्षा से ऊपर मुनाफे को प्राथमिकता देने के कारण नुकसान उठाया है। उन्होंने कहा, ज्यूरी द्वारा मेटा को दिए जाने वाले भारी हजार्ने से बड़ी टैक कंपनियों के अधिकारियों को यह स्पष्ट संदेश जाना चाहिए कि कोई भी कंपनी कानून की पहुंच से बाहर नहीं है। इस परिणाम का असर संभवतरू अमरीका की अदालतों में चल रहे सैंकड़ों ऐसे ही मामलों पर पड़ेगा। ऑनलाइन एप्स किशोरों के मानसिक स्वास्थ्य को नुकसान पहुंचा रहे हैं और उन्हें सोशल मीडिया के एडिक्ट, हिंसक तथा अवसादग्रस्त बना रहे हैं, जिसका अंततः उनके शारीरिक स्वास्थ्य पर भी खराब असर पड़ता है। दूसरी ओर जर्मनी में भी एक महिला अभिनेत्री ने दावा किया कि गोर्ग नामक एक ऐप ने उसकी फर्जी तस्वीरें और फर्जी डाटा अपलोड किया। उसने कहा कि इससे उसका सारा करियर चौपट हो जाएगा। पिछले सप्ताह डेर स्पीगल, एक जर्मन अखबार, द्वारा रिपोर्ट किए गए इस मामले ने जर्मनी में इंटरनैट पर डिजिटल हिंसा को लेकर एक बड़ी बहस छेड़ दी है। 250 से अधिक प्रमुख जर्मन महिलाओं ने सरकार से लोगों को डिजिटल यौन हिंसा से बचाने का आह्वान किया है। कई अन्य देशों में भी अपने बच्चे के मासूम बचपन को पुनरू प्राप्त करें नाम से अभियान चल रहे हैं, जो इस बात पर जोर देते हैं कि बच्चों के लिए अनियंत्रित ऑनलाइन डाटा और प्रोग्रामों का संपर्क बेहद हानिकारक है, क्योंकि ये उन्हें हिंसक, यौन और फर्जी सामग्री का आदी बनाकर मानसिक रूप से नुकसान पहुंचाते हैं, जिससे कभी-कभी अपूरणीय क्षति भी हो सकती है। जबकि ऑस्ट्रेलिया और स्पेन ने 16 वर्ष से कम आयु के बच्चों के लिए इंटरनैट पर प्रतिबंध लगा दिया है, क्या अब भारतीय राज्य और केंद्र सरकारों के लिए 16 वर्ष से कम आयु के बच्चों के लिए इंटरनैट पर प्रतिबंध लगाने वाले कानून बनाने का समय नहीं आ गया है? इस बीच, क्या माता-पिता को भी सक्रिय रूप से अपने छोटे बच्चों की आनलाइन गतिविधियों की निगरानी नहीं करनी चाहिए और उन्हें इंटरनैट के उपयोग से रोकना नहीं चाहिए? कुछ माता-पिता का तो यह भी कहना है कि 14 साल से कम उम्र के बच्चों को सीमित स्क्रीन टाइम दिया जाना चाहिए।

विधानसभा चुनाव 2026: तेज हो रही है महिला वोटरों को लुभाने की होड़

बिहार में बीते साल के आखिर में हुए विधानसभा चुनाव से ठीक पहले महिलाओं के खाते में 10-10 की रकम भेजने के फैसले ने एनडीए की सत्ता में वापसी में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी। इसी तरह असम सरकार ने भी चुनाव से ठीक पहले राज्य की करीब 40 लाख महिलाओं के खाते में तीन हजार छह सौ करोड़ रुपए भेजे हैं। पश्चिम बंगाल में तो अल्पसंख्यकों के साथ ही महिलाओं को भी तृणमूल कांग्रेस का मजबूत वोट बैंक माना जाता है। राज्य में कम से कम दो दर्जन विधानसभा सीटें ऐसी हैं जहां महिला वोटरों की तादाद पुरुषों से ज्यादा है। इन महिला वोटरों ने ही वर्ष 2021 के विधानसभा और 2024 के लोकसभा चुनाव में बीजेपी की कड़ी चुनौती से निपटने में ममता बनर्जी की मदद की थी। वर्ष 2021 के नतीजों से साफ है कि उस समय तृणमूल कांग्रेस को महिलाओं के 50 फीसदी से ज्यादा वोट मिले थे जबकि भाजपा के मामले में यह आंकड़ा 37 फीसदी था। पश्चिम बंगाल में लक्ष्मी भंडार योजना यही वजह है कि मुख्यमंत्री ममता बनर्जी महिलाओं के लिए लगातार तमाम योजनाएं शुरू करती रही हैं। इनमें लक्ष्मी भंडार सबसे महत्वपूर्ण है। इस बार चुनाव से ठीक पहले मुख्यमंत्री ने इसके तहत महिलाओं को हर महीने मिलने वाली रकम में पांच-पांच सौ रुपए की वृद्धि कर दी है। शुरूआत में इसके तहत हर महीने पांच सौ रुपए दिए जाते थे। वर्ष 2024 के लोकसभा चुनाव से पहले ममता ने यह रकम पांच सौ रुपए बढ़ा दी थी और अब चुनाव से ठीक पहले इसमें और पांच सौ रुपए जोड़ दिए गए हैं। अब सामान्य वर्ग की महिलाओं को हर महीने 15 सौ और अनुसूचित जाति व जनजाति तबके की महिलाओं को 17 सौ मिल रहे हैं। वर्ष 2016 के चुनाव में ममता बनर्जी के समर्थन के बाद सरकार ने महिलाओं के हित में कन्याश्री और रूपश्री जैसी योजनाएं शुरू की थी। इनके तहत लड़कियों को शिक्षा और शादी के लिए आर्थिक सहायता दी जाती है। तृणमूल कांग्रेस के नेताओं का मानना है कि पार्टी को इन कल्याण योजनाओं का फायदा मिला है। लेकिन उनकी दलील है कि पार्टी का मकसद राज्य की महिलाओं को आर्थिक तौर पर आत्मनिर्भर बनाना है। दूसरी ओर, भाजपा भले तृणमूल पर महिलाओं को वोट बैंक के तौर पर इस्तेमाल करने के आरोप लगाती हो, इन वोटरों की अहमियत को ध्यान में रखते हुए ही उसने सत्ता में आने की स्थिति में लक्ष्मी भंडार की जगह अन्नपूर्णा योजना के तहत हर महीने तीन हजार रुपए देने का वादा किया है। बंगाल में भी महिला वोटरों की संख्या लगभग पुरुष वोटरों को बराबर है। खासकर इस राज्य में महिलाएं पुरुषों, के मुकाबले ज्यादा मतदान करती रही हैं। महिलाएं दिलाएंगी तीसरी बार सत्ता? असम में भी सत्तारूढ़ भाजपा महिलाओं की कल्याण योजनाओं के बूते तीसरी बार सरकार बनाने का सपना देख रही है।

पश्चिम बंगाल में अल्पसंख्यकों के साथ ही महिलाओं को भी तृणमूल कांग्रेस का मजबूत वोट बैंक माना जाता है। राज्य में कम से कम दो दर्जन विधानसभा सीटें ऐसी हैं जहां महिला वोटरों की तादाद पुरुषों से ज्यादा है। पश्चिम बंगाल और असम में विधानसभा चुनावों से पहले सत्ता के दावेदारों में महिला वोटरों को लुभाने की होड़ मची है। इन राज्यों में सत्तारूढ़ पार्टी के साथ उनको चुनौती देने वाले दल भी इस मामले में पीछे नहीं हैं। भाजपा इन राज्यों में अलग-अलग भूमिकाओं में है। बंगाल में वह जहां इस बात सत्ता में आने का सपना देख रही है वहीं असम में उसका जोर जीत की हैट्रिक लगाने पर है। इन दोनों राज्यों में समानता यह है कि यहां महिला वोटरों की तादाद कुल वोटरों का करीब 50 फीसदी है और चुनावी नतीजे तय करने में इनकी भूमिका निर्णायक होती है। बिहार में बीते साल के आखिर में हुए विधानसभा चुनाव से ठीक पहले महिलाओं के खाते में 10-10 की रकम भेजने के फैसले ने एनडीए की सत्ता में वापसी में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी। इसी तरह असम सरकार ने भी चुनाव से ठीक पहले राज्य की करीब 40 लाख महिलाओं के खाते में तीन हजार छह सौ करोड़ रुपए भेजे हैं। पश्चिम बंगाल में तो अल्पसंख्यकों के साथ ही महिलाओं को भी तृणमूल कांग्रेस का मजबूत वोट बैंक माना जाता है। राज्य में कम से कम दो दर्जन विधानसभा सीटें ऐसी हैं जहां महिला वोटरों की तादाद पुरुषों से ज्यादा है। इन महिला वोटरों ने ही वर्ष 2021 के विधानसभा और 2024 के लोकसभा चुनाव में बीजेपी की कड़ी चुनौती से निपटने में ममता बनर्जी की मदद की थी। वर्ष 2021 के नतीजों से साफ है कि उस समय तृणमूल कांग्रेस को महिलाओं के 50 फीसदी से ज्यादा वोट मिले थे जबकि भाजपा के मामले में यह आंकड़ा 37 फीसदी था। पश्चिम बंगाल में लक्ष्मी भंडार योजना यही वजह है कि मुख्यमंत्री ममता बनर्जी महिलाओं के लिए लगातार तमाम योजनाएं शुरू करती रही हैं। इनमें लक्ष्मी भंडार सबसे महत्वपूर्ण है। इस बार चुनाव से ठीक पहले मुख्यमंत्री ने इसके तहत महिलाओं को हर महीने मिलने वाली रकम में पांच-पांच सौ रुपए की वृद्धि कर दी है। शुरूआत में इसके तहत हर महीने पांच सौ रुपए दिए जाते थे। वर्ष 2024 के लोकसभा चुनाव से पहले ममता ने यह रकम पांच सौ रुपए बढ़ा दी थी और अब चुनाव से ठीक पहले इसमें और पांच सौ रुपए जोड़ दिए गए हैं। अब सामान्य वर्ग की महिलाओं को हर महीने 15 सौ और अनुसूचित जाति व जनजाति तबके की महिलाओं को 17 सौ मिल रहे हैं। वर्ष 2016 के चुनाव में ममता बनर्जी के समर्थन के बाद सरकार ने महिलाओं के हित में कन्याश्री और रूपश्री जैसी योजनाएं शुरू की थी। इनके तहत लड़कियों को शिक्षा और शादी के लिए आर्थिक सहायता दी जाती है। तृणमूल कांग्रेस के नेताओं का मानना है कि पार्टी को इन कल्याण योजनाओं का फायदा मिला है। लेकिन उनकी दलील है कि पार्टी का मकसद राज्य की महिलाओं को आर्थिक तौर पर आत्मनिर्भर बनाना है। दूसरी ओर, भाजपा भले तृणमूल पर महिलाओं को वोट बैंक के तौर पर इस्तेमाल करने के आरोप लगाती हो, इन वोटरों की अहमियत को ध्यान में रखते हुए ही उसने सत्ता में आने की स्थिति में लक्ष्मी भंडार की जगह अन्नपूर्णा योजना के तहत हर महीने तीन हजार रुपए देने का वादा किया है। बंगाल में भी महिला वोटरों की संख्या लगभग पुरुष वोटरों को बराबर है। खासकर इस राज्य में महिलाएं पुरुषों, के मुकाबले ज्यादा मतदान करती रही हैं। महिलाएं दिलाएंगी तीसरी बार सत्ता? असम में भी सत्तारूढ़ भाजपा महिलाओं की कल्याण योजनाओं के बूते तीसरी बार सरकार बनाने का सपना देख रही है। चुनाव के एलान से ठीक पहले अरुणोदय योजना के तहत 40 लाख महिलाओं के खाते में 3600 करोड़ की रकम भेजी गई। इसके अलावा स्वनिर्भर नारी योजना और मुख्यमंत्री महिला उद्यमिता अभियान के तहत भी महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने के लिए उनको एकमुश्त 10 हजार रुपए की सरकारी सहायता दी जाती है। असम में महिला वोटरों की तादाद 1.20 करोड़ है। भाजपा को चुनौती देने वाली प्रदेश कांग्रेस ने भी सत्ता में आने की स्थिति में राज्य की महिलाओं के बैंक खाते में हर महीने बिना शर्त रकम भेजने के साथ ही अपना कारोबार शुरू करने या उसे बढ़ाने की इच्छुक महिलाओं को 50 हजार रुपये की अतिरिक्त सहायता देने की घोषणा की है। राजनीतिक विश्लेषकों का कहना है कि बंगाल और असम में महिलाएं राजनीतिक रूप से अपने अधिकारों के प्रति जागरूक हैं। भले ही कई तमाम राजनीतिक दल उनको टिकट देने में कंजूसी बरते, लेकिन उनके वोट सबके लिए अहम हैं। यही वजह है कि उनको लुभाने की होड़ लगातार तेज हो रही है। खासकर नजदीकी मुकाबले वाली सीटों में महिलाओं के एक या दो फीसदी वोट नतीजे बदल सकते हैं।

भाजपा द्वारा बंगाल भेजे गए चुनाव पर्यवेक्षक स्थानीय लोगों के निशाने पर

तीर्थंकर मित्रा

पश्चिम बंगाल में विधानसभा चुनाव करीब आ रहे हैं, परन्तु भाजपा की पश्चिम बंगाल इकाई अभी भी अपनी स्थिति ठीक नहीं कर पाई है। राज्य में पार्टी का संगठन काफी बिखरा हुआ है। इस बात का खुलासा पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन के सामने तब हुआ, जब वे इस हफ्ते चुनाव प्रचार की देखरेख के लिए कोलकाता आए थे। भाजपा अध्यक्ष को एक अप्रिय आश्चर्य का उस समय सामना करना पड़ा, जब उन्होंने राज्य के बाहर से आए नेताओं के काम-काज की समीक्षा शुरू की। पिछले चुनावों के अनुभव को देखते हुए, इन नेताओं को पश्चिम बंगाल में भाजपा के चल रहे चुनाव प्रचार में तेजी और गति लाने के लिए तैनात किया गया है। लेकिन भगवा खेमे के सूत्रों ने बताया कि ये नेता उम्मीदवारों और पार्टी कार्यकताओं के साथ रहने के बजाय, अपने होटल के कमरों की वातानुकूलित सुख-सुविधाओं में श्आरामश फरमा रहे हैं। चुनाव प्रचार की भाग-दौड़ और गर्मी-धूल से दूर, ये नेता पार्टी के उम्मीदवारों की चुनावी जीत सुनिश्चित करने के अभियान के बारे में आशावादी रिपोर्टें भेज रहे हैं। सूत्रों ने बताया कि इनमें से कुछ नेता तो राज्य में मौजूद भी नहीं हैं। जानकारी मिली है कि वे चुनावी मैदान से दूर रहते हुए भी पार्टी के आम कार्यकताओं को निर्देश जारी कर रहे हैं। इन अनुपस्थित नेताओं के रवैये का चुनाव प्रचार पर बुरा असर पड़ा है, खासकर उन विधानसभा क्षेत्रों में जहां नए उम्मीदवारों को मैदान में उतारा गया है। क्योंकि न तो उम्मीदवार और न ही उनके समर्थक, पार्टी के उन वरिष्ठ पदाधिकारियों के सामने अपनी शिकायत दर्ज करा सकते हैं, जो इन अनुपस्थित नेताओं से ऊंचे पद पर हैं। सुवेंदु अधिकारी, दिलीप घोष या अग्निमित्रा पॉल जैसे दिग्गज उम्मीदवारों को इस तरह की मुश्किल का सामना नहीं करना पड़ता है। वे अपना चुनाव प्रचार अपने दम पर करते हैं। जहां तक राज्य के बाहर से आए नेताओं की बात है, ऐसा लगता है कि वे स्थानीय नेताओं के निदेर्शों को दरकिनार कर रहे हैं। लेकिन चूंकि उन्हें जमीनी हकीकत की जानकारी नहीं होती, इसलिए चुनाव प्रचार की गति धीमी पड़ रही है। नवीन की बैठक में गुटबाजी भी खुलकर सामने आ गई। जब भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष कुछ लापरवाह नेताओं को कड़ी फटकार लगा रहे थे, तभी उन्होंने पाया कि पार्टी की राज्य इकाई के पूर्व अध्यक्ष सुकांत मजूमदार बैठक से अनुपस्थित थे। जाहिर है, मजूमदार, जो एक केंद्रीय राज्य मंत्री हैं और इस चुनाव में जोर-शोर से प्रचार कर रहे हैं, उन्हें इस अहम बैठक में नहीं बुलाया गया था। मजूमदार की बैठक से गैर-मौजूदगी ऐसे समय में एक गलत संकेत देती है, जब भगवा खेमे का राष्ट्रीय नेतृत्व एकजुट होने का संदेश दे रहा है। इसके अलावा, चुनाव नामांकन के बंटवारे को लेकर भगवा खेमे में असंतोष पनप रहा है। सॉल्ट लेक स्थित पार्टी दफ्ध्तर में नितिन नवीन की एक बैठक होनी थी, जिसे एक होटल में शिफ्ट कर दिया गया। ऐसा इसलिए किया गया क्योंकि आशंका थी कि जिन कार्यकताओं को टिकट नहीं मिला है, वे जोरदार विरोध प्रदर्शन कर सकते हैं। जिलों से ऐसे कार्यकताओं के विरोध प्रदर्शन की खबरें आई हैं, जो भाजपा की टिकट पाने की उम्मीद कर रहे थे। सड़कों पर टायर जलाकर जाम लगाने की घटनाएं भी हुई हैं। हावड़ा के उदय नारायणपुर में भाजपा के एक पार्टी दफ्ध्तर में विरोध प्रदर्शन भड़क उठा। दफ्ध्तर में तोड़फोड़ की घटना की जानकारी राष्ट्रीय पार्टी प्रमुख को दी गई है। मामले को और भी बदतर बनाने वाली बात यह है कि नवीन को स्थानीय नेताओं और राज्य के बाहर से आए नेताओं के बीच विश्वास की कमी की समस्या का भी सामना करना पड़ रहा है। इसकी जड़ जिला पार्टी दफ्ध्तरों में क्लोज सर्किट कैमरे और साउंड रिकॉर्डिंग सिस्टम लगाने में देखी जा सकती है। बर्धमान से ऐसी खबरें आई हैं। स्थानीय नेताओं ने यह बात उठाई है कि निगरानी की यह प्रक्रिया उनके और राज्य के बाहर से आए नेताओं के बीच तालमेल बिठाने में मददगार साबित नहीं होगी। इस तरह, राज्य के बाहर से आए नेता स्थानीय नेतृत्व पर नजर रख रहे हैं। यह स्थिति स्थानीय नेताओं और उनकी मदद के लिए बाहर से लाए गए नेताओं के बीच की खाई को और भी गहरा कर देगी। इसके अलावा, यह मतदाताओं के बीच भगवा खेमे की विश्वसनीयता में कमी की स्थिति को उजागर करेगा।

पांच राज्य के चुनाव विपक्ष के लिए मौका, मोदी का सबसे कमजोर समय

शकील अख्तर

ईरान युद्ध और उसके नतीजे में देश में गैस और पेट्रोल की किल्लत में पांच राज्यों के विधानसभा चुनावों की खबर दब गई। मगर विपक्ष के लिए यह चुनाव बहुत महत्वपूर्ण हैं। तीन राज्यों केरल असम और पुडुचेरी में तो नामांकन की प्रक्रिया खत्म भी हो गई है। यहां 10 दिन बाद मतदान है। 9 अप्रैल को। बाकी दो राज्यों बंगाल और तमिलनाडु में नामांकन चल रहा है। बंगाल में दो चरणों में चुनाव होना है। पहला चरण 23 अप्रैल को है। उसी दिन तमिलनाडु में भी चुनाव है। एक ही दिन में। यहां के लिए नामांकन चल रहे हैं। 6 अप्रैल को खतम हो जाएंगे। फिर बंगाल में दूसरे चरण की प्रक्रिया शुरू होगी। दूसरे चरण का मतदान 29 अप्रैल को होगा। विपक्ष के लिए एक मौका है। मैच फिनिशर बनने का। वह पूरे मैच में अच्छा खेलता है। मगर मैच हाथ से निकल जाता है। जनता का विश्वास इससे टूटता है। इसमें कांग्रेस का परसेन्टेज सबसे ज्यादा है। मैच को हाथों से फिसल दिए जाने का। इन पांच राज्यों में केवल एक राज्य असम में ही कांग्रेस का सीधा मुकाबला बीजेपी से है। हालांकि पुडुचेरी में भी मुकाबले में वही है। कांग्रेस से गए और क्षेत्रीय दलों के भाजपा के साथ बने एनडीए गठबंधन से। मगर बहुत छोटी विधानसभा है 30 सदस्यों की तो उसमें किसी कि रूचि ज्यादा नहीं है। बाकी सबसे ज्यादा चर्चा में बंगाल का चुनाव है। पिछले दो विधानसभा चुनाव से जब से मोदी प्रधानमंत्री बने हैं उन्होंने बंगाल में पूरी ताकत झोंक रखी है। मगर पिछले 12 सालों में उनसे लड़ने में क्षेत्रीय दलों का रिकार्ड अच्छा है। ममता ने दोनों बार

2016 और 2021 में भाजपा के मंसूबे पूरे नहीं होने दिए। लेकिन इस बार एक नए हथियार से वोट काटकर वह ममता को कमजोर करना चाह रहे हैं। अभी तक 76 लाख लोगों के नाम काटे जा चुके हैं और अभी फाइनल मतदाता सूची नहीं आई है। आशंका है कि एक करोड़ के लगभग वोट काटे जा सकते हैं। राज्य में साढ़े सात करोड़ के करीब मतदाता थे। इनमें से एक करोड़ का नाम कटने का मतलब 15 प्रतिशत मतदाता गायब करना। बहुत बड़ा आंकड़ा है। पूरी चुनाव प्रक्रिया पर सवाल खड़ा हो गया है। सुप्रीम कोर्ट मामले को लगातार टालता जा रहा है। अब एक अप्रैल को सुनवाई है। मतदाता सूची अभी तक फाइनल नहीं है। नाम काटने की प्रक्रिया जारी है। बंगाल सरकार का कहना है कि पहले चरण के लिए 6 अप्रैल को और दूसरे के लिए 9 अप्रैल को नामांकन खतम हो जाने के बाद मतदाता सूची में कोई फेरबदल नहीं हो सकता है। उससे पहले सुप्रीम कोर्ट को एसआईआर के नाम पर गलत तरीके से काटे गए नाम वापस जुड़वाना चाहिए। नहीं तो यह माना जाएगा कि सारी संवैधानिक संस्थाएं बीजेपी को चुनाव जिताने की कोशिश में लगी हैं। और यह सच है। खासतौर पर आज जब प्रधानमंत्री मोदी हर मोर्चे पर फंसे हुए हैं तब केवल जीत ही उनके गिरते ग्राफ को कुछ सहारा दे सकती है। और यह बात वे अच्छी तरह जानते हैं। और पूरी ताकत लगाए हुए हैं। लेकिन यह बात विपक्ष पर भी लागू होती है। उसकी वापसी का भी यह सुनहरा मौका है। जीत का सबसे बड़ा फायदा यह होगा जनता का हौसला बढ़ेगा। विपक्ष की तरह जनता भी हार माने बैठी है। आएगा तो मोदी ही। यह नरेटिव (धारणा) ऐसा फैला दिया गया है कि लोग कुछ करते ही नहीं। और अगर कोई कुछ करना चाहे तो कहते हैं क्या फायदा चुनाव आयोग जीता देगा! सब सही है। मगर क्या इसका मतलब है विपक्ष हाथ पर हाथ धरा बैठा रहे। चुनाव आयोग गड़बड़ कर रहा है। मगर रुकेगा कैसे? सुप्रीम कोर्ट तो उल्टा बंगाल सरकार को डांटता है कि उसके काम में बाधा मत बनो। मतलब वह नाम काट रहा है काटने दो। हल चुनाव जीतने में ही है। किसी भी तरह। ज्यादा से ज्यादा मेहनत करके। क्योंकि पिछले 12 साल में यह साफ हो गया है कि जिसकी सरकार सारी संवैधानिक संस्थाएं उसकी। अपनी स्वतंत्रता स्वायत्तता को खोने में उन्हें कोई गुरेज नहीं। इन्हें अगर वापस लाइन पर लाना है तो हाथ में ताकत होना चाहिए। नहीं तो। नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने चुनाव धांधलियों का पूरी तरह पदार्फाश कर दिया। नाम गलत जोड़े किस तरह जाते हैं और काटे किस तरह जाते हैं। यह दो प्रेस कान्फ्रेंस करके उन्होंने मय सबूतों के दिखा दिया। मगर किसी पर कोई प्रभाव नहीं पड़ा। यह काम करते रहना चाहिए मगर उन लोगों की बातों में बिल्कुल नहीं आना चाहिए जो कहते हैं कि चुनाव आयोग जीतने ही नहीं देगा। अभी राज्यसभा चुनाव में क्या हुआ? तीन राज्यों में कांग्रेस के विधायकों ने भाजपा को वोट दिए। दो में विपक्ष का प्रत्याशी हार गया।

नेपाल में नया युग

भारत के पड़ोसी देश नेपाल में जेन जी (नयी पीढ़ी) आंदोलन से हुई बड़ी राजनैतिक उथल-पुथल के बाद सत्ता के नए युवा युग की शुरूआत हुई है। 35 बरस के बालेन शाह ने नेपाल के अब तक के सबसे युवा प्रधानमंत्री के तौर पर शुक्रवार को शपथ ली। रैपर-गायक के तौर पर नेपाल के युवाओं में खासे लोकप्रिय रहे बालेन शाह चार बरस पहले 2022 में काठमांडू के मेयर नियुक्त हुए थे, अब उनकी राष्ट्रीय स्वतंत्र पार्टी को हाल ही में हुए चुनाव में लगभग दो-तिहाई बहुमत मिला, जो यह जाहिर करता है कि नेपाल में अब राजनीति का युवा दौर आ चुका है। बालेन शाह ने पूर्व प्रधानमंत्री के पी शर्मा ओली को उनके ही गढ़ झापा में तगड़ी मात देकर बता दिया था कि जेन जी ने अब नेपाल की कमान अपने हाथों में ले ली है। इससे पहले बांग्लादेश में भी छात्र आंदोलन से ही राजनैतिक उथल-पुथल मची थी, लेकिन वहां अस्थिरता और अशांति का दौर कुछ लंबा खिंचा और अब तारिक रहमान के नए नेतृत्व में फिलहाल भारत से संबंध सुधरते दिख रहे हैं। अब नजरें नेपाल के नए नेतृत्व पर हैं। दरअसल समृद्ध और विकास की ओर बढ़ते पड़ोसी देशों से भारत का विकास और सुरक्षा भी जुड़े हुए हैं। पाकिस्तान से तो भारत के संबंधों में तल्खी और अविश्वास बने ही रहते हैं, इसलिए जरूरी है कि नेपाल और बांग्लादेश के साथ भारत के संबंध मजबूत रहें और उन्हें चीन के प्रभाव में न आने दिया जाए। इसके लिए भारत को अभी से मजबूत रणनीति बनानी होगी। ध्यान देने की बात है, राजशाही के बाद नेपाल में बनी तमाम सरकारें कमोबेश चीन के प्रभाव में रही हैं। नेपाल का चीन के साथ होने में कोई आपत्ति नहीं, लेकिन फिर उस वजह से भारत का विरोध नहीं होना चाहिए। यह एक हिंदू बहुल देश है, जिससे भारत से रोटी-बेटी के संबंध सदियों पुराने हैं। वैसे नेपाल में बालेन शाह ने ऐसे वक्त में सत्ता संभाली है, जब पूरी दुनिया पर मध्यपूर्व में चल रही जंग का असर दिखने लगा है। तेल की कीमतों में आग लगी हुई है और खाड़ी देशों में रोजगार के अवसर अब काफी घट गए हैं। नेपाल से बड़ी संख्या में लोग रोजगार के लिए इन देशों में जाते हैं, लेकिन अब वे लौटेंगे तो इन लोगों को देश में ही रोजगार देना बहुत बड़ी चुनौती रहेगी। आंकड़े बताते हैं कि हर दिन करीब 2,900 नेपाली काम के लिए विदेश जाते हैं और उनका भेजा पैसा देश की अर्थव्यवस्था का बड़ा हिस्सा है। यह पैसा नेपाल के सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) का 26 फीसदी से अधिक है। इसके अलावा भ्रष्टाचार, बेरोजगारी और अक्षम प्रशासन को सुधारना भी बालेन शाह सरकार के सामने प्रमुख चुनौतियां रहेंगी। क्योंकि इन्हीं कारणों से ही युवाओं की नाराजगी सत्ता के खिलाफ फूटी थी और जेन जी आंदोलन खड़ा हुआ था। बालेन शाह अगर इस मोर्चे पर आधे भी कामयाब होते हैं, तो नेपाल गरीबी और अभाव के दलदल से बाहर निकलने लगेगा। नयी सरकार के सामने एक महत्वपूर्ण चुनौती राजनैतिक स्थिरता कायम करने की है। तीन करोड़ लोगों के इस देश में राजशाही खत्म होने के बाद से राजनीतिक स्थिरता लाने की कोशिशें की जा रही हैं, लेकिन अब तक कामयाबी नहीं मिली। बल्कि राजशाही के दौर में भी सरकारों के बदलने का सिलसिला जारी था। ध्यान रहे कि 1990 से 2026 के बीच 32 सरकारें नेपाल की सत्ता में आईं और किसी भी सरकार ने अपना पांच साल का कार्यकाल पूरा नहीं किया है। बालेन शाह ने अगर प्रधानमंत्री के रूप में अपनी सरकार को पांच साल बनाए रखा, तो यह वाकई युगांतकारी घटना होगी। शाह की राष्ट्रीय स्वतंत्र पार्टी (आरएसपी) ने अपने चुनावी घोषणापत्र में कहा था कि वह नैतिकता और सुशासन को प्राथमिकता देगा और ऑनलाइन माध्यम से सेवाएं देने का वादा किया था। इसके अलावा पार्टी ने कहा है कि वह देश की संरचना में पक्षपात खत्म करेगी। अब इन घोषणाओं पर कब तक अमल होता है, इस पर नेपाल की जनता निगाह रखेगी ही। वैसे प्रधानमंत्री बनने के तुरंत बाद बालेन शाह की अध्यक्षता में हुई पहली कैबिनेट बैठक में फैसला लिया गया कि आंदोलन में मारे गए मृतक छात्रों के परिजनों को सरकारी नौकरी दी जाएगी, ताकि उनके परिवारों को आर्थिक सहारा मिल सके। इस पर काम भी शुरू हो गया है। इसके अलावा बालेन शाह सरकार ने पूर्व प्रधानमंत्री के पी शर्मा ओली को भी शनिवार को ही गिरफ्तार कर लिया। ओली पर आंदोलन के दौरान हिंसा भड़कने और छात्रों की मौत का ठीकरा फोड़ा गया है। इस मामले में एक जांच समिति भी गठित की गई, जिसकी रिपोर्ट में कहा गया, श्भले ही गोली चलाने का सीधा आदेश साबित ना हुआ हो, लेकिन फायरिंग को रोकने का कोई प्रयास भी नहीं किया गया। कार्यकारी प्रमुख होने के नाते ओली को हर अच्छे-बुरे परिणाम के लिए जिम्मेदार ठहराया जाना चाहिए।श हालांकि अभी तक यह साबित नहीं हुआ है कि क्या ओली ने लापरवाही दिखाई जिस वजह से 70 से ज्यादा लोगों की मौत हुई है। इसके बाद यही सवाल उठ रहे हैं कि क्या ओली की गिरफ्तारी के पीछे कोई राजनैतिक बदले की भावना है। क्योंकि खुद ओली ने अपनी गिरफ्तारी पर तीखी प्रतिक्रिया देते हुए इसे श्बदले की कार्रवाईश करार दिया है।

श्री 1008 भगवान महावीर दिगंबर जैन मंदिर में धूमधाम से मनाई महावीर जयंती

लखनऊ (संवाददाता)। सोमवार को आशियाना स्थिति श्री 1008 भगवान महावीर दिगंबर जैन मंदिर में अहिंसा और करुणा के संदेश के साथ धूमधाम से मनाई गई महावीर जयंती। अहिंसा और अपरिग्रह के प्रणेता जैन धर्म के 24वें तीर्थंकर भगवान महावीर स्वामी का जन्मकल्याणक महोत्सव सोमवार को श्री दिगंबर जैन सेवा समिति आशियाना द्वारा अत्यंत श्रद्धा और हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। इस अवसर पर श्री दिगंबर जैन मंदिर आशियाना में विभिन्न धार्मिक और सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। प्रातः काल प्रभात फेरी के साथ कार्यक्रम का शुभारंभ हुआ, जिसमें श्रद्धालु भगवान महावीर के जयकारों के साथ गाते बजाते जैन धर्म की ध्वजा लिए सड़कों पर निकले। मुख्य समारोह श्री 1008 भगवान महावीर दिगंबर जैन मंदिर आशियाना में आयोजित हुआ, जहाँ विद्वान पंडित राजीव जैन शास्त्री के सानिध्य में भगवान महावीर का अभिषेक और शांतिधारा संपन्न हुई। उपस्थित साधर्मी बंधुओ ने सामूहिक आरती एवं श्री महावीर विधान कर विश्व शांति की कामना की। समिति के अध्यक्ष चंद्र प्रकाश जैन ने बताया कि ष्आज के अशांत युग में भगवान महावीर के सिद्धांत सबसे अधिक प्रासंगिक हैं।

स्टेंटिंग में हो रहा लाखों खर्च, जानिए क्या है ये प्रक्रिया जो इमरजेंसी से बचा सकती है आपकी जान

आधुनिक चिकित्सा में एंजियोप्लास्टी और स्टेंट प्लेसमेंट एक प्रभावी तरीका है जिससे धमनियों में ब्लॉकेज को खोला जा सकता है और कई लोगों की जान बचाई जा सकती है। आइए जानते हैं कि ये प्रक्रिया क्या होती है, जिसे जान बचाने वाला माना जाता है। हृदय रोग, हार्ट अटैक के मामले दुनियाभर में तेजी से बढ़ते जा रहे हैं। दिल की बीमारियां वैश्विक स्तर पर मौत का प्रमुख कारण हैं, जिसे लेकर सभी लोगों को निरंतर सावधानी बरतते रहने की सलाह दी जाती है। विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) की रिपोर्ट के मुताबिक साल 2022 में दिल से संबंधित बीमारियों के कारण अनुमानित 1.98 करोड़ लोगों की मौतें हुईं और अनुमान है कि साल 2050 तक ये आंकड़ा और भी बढ़ सकता है। इन मौतों में से लगभग 85% का कारण हार्ट के कारण होते हैं, जो दुनिया भर में होने वाली कुल मौतों का लगभग एक-तिहाई हिस्सा है। स्वास्थ्य विशेषज्ञ कहते हैं, जिस तरह से लोगों की लाइफस्टाइल और खान-पान में गड़बड़ी देखी जा रही है, इसने दिल की बीमारियों का खतरा और भी बढ़ा दिया है। हाई ब्लड प्रेशर और कोलेस्ट्रॉल के कारण हार्ट अटैक का जोखिम कम उम्र के लोगों में भी बढ़ता देखा जा रहा है। हार्ट अटैक की स्थिति में आपने एंजियोप्लास्टी और स्टेंटिंग के बारे में खूब सुना होगा। स्टेंट की प्रकिया में लोगों का लाखों खर्च होता है। पर ये प्रक्रिया होती क्या है और इससे क्या लाभ होता है? आइए इस बारे में जान लेते हैं।

स्टेंटिंग पर हो रहा लाखों खर्च

स्टेंट की प्रक्रिया को समझने से पहले इसपर होने वाले खर्च से संबंधित खबर जान लेना जरूरी है।

रिपोर्ट्स के मुताबिक केंद्र सरकार ने स्टेंट जैसे मेडिकल उपकरणों की कीमतें तो तय कर दी हैं लेकिन मरीजों को उससे कहीं अधिक खर्च करना पड़ रहा है। संसदीय समिति की एक रिपोर्ट में इसको लेकर खुलासा हुआ है कि एक स्टेंट की कीमत पर करीब 38 हजार रुपए है, लेकिन इलाज का बिल 1-2 लाख रुपए तक आता है।

राज्यसभा में पेश याचिका समिति की रिपोर्ट में बताया गया कि स्टेंट्स 85%, घुटने के इम्प्लांट 70% तक सस्ते हो चुके हैं। पर मरीज अब भी लाखों खर्च करने पर मजबूर हैं।

इसकी वजह ये है स्टेटिंग प्रक्रिया के दौरान कि बिल में डॉक्टर की फीस, आईसीयू, इलाज और जांच पर खर्च पर कोई लगाम नहीं है।

स्टेंटिंग क्यों जरूरी होती है?

जब किसी व्यक्ति को हार्ट अटैक आता है या जांच के दौरान धमनी में ब्लॉकेज दिखते हैं तो डॉक्टर एंजियोप्लास्टी और स्टेंटिंग कराने की सलाह देते हैं। रक्त संचार को सुचारू करके दिल के ऊतकों को डैमेज से बचाने में इससे मदद मिलती है। इतना ही नहीं समय पर स्टेंटिंग से मृत्यु के खतरे को कम किया जा सकता है।

एंजियोप्लास्टी और स्टेंट एक ही हैं क्या?

हृदय तक रक्त का संचार करने वाली धमनियों में ब्लॉकेज होने के कारण हार्ट अटैक होता है। इसी ब्लॉकेज को खोलने और दोबारा से रक्त के संचार को शुरू करने के लिए एंजियोप्लास्टी और स्टेंट किया जाता है। जब कोरोनरी धमनियों में ब्लॉकेज होता है, तो डॉक्टर एक छोटी ट्यूब को दिल तक पहुंचाते हैं। खून का प्रवाह बढ़ाने के लिए ब्लॉकेज की जगह पर एक छोटा सा गुब्बारा फुलाया जाता है, इस प्रक्रिया को एंजियोप्लास्टी कहते हैं।

स्टेंट एक बहुत छोटी, धातु की जालीदार ट्यूब होती है जो ब्लॉकेज वाले स्थान पर लगा दी जाती है। ये धमनी में फिर से रुकावट बनने से रोकते हैं। एंजियोप्लास्टी के बाद स्टेंटिंग की सलाह दी जाती है।

स्टेंटिंग के बाद रखें सेहत का ख्याल

स्वास्थ्य विशेषज्ञ कहते हैं, स्टेंटिंग की मदद से दोबारा हार्ट अटैक खतरे को कम करने और जीवन की गुणवत्ता को बेहतर बनाने में मदद मिलती है। हालांकि इसके बाद मरीजों को दिल को स्वस्थ बनाए रखने के लिए लाइफस्टाइल- खानपान में सुधार के साथ नियमित रूप से ब्लड प्रेशर को कंट्रोल में रखने वाली दवाएं लेते रहने की जरूरत होती है।

मटका रखा है तो सावधान! ये 7 गलतियां करेंगें पानी को बेकार

मटके का पानी ठंडा रखने के लिए उसे ठंडी और हवादार जगह पर रखें, रोज पानी बदलें, उपयोग से पहले मटका भिगोएं, और उसे जमीन से ऊपर स्टैंड पर रखें। टेक टिप्स एंड ट्रिक्स गर्मियों में ठंडे पानी की चाहत बढ़ जाती है। चिलचिलाती धूप

से राहत पाना हो या गर्मी में प्यास बुझानी हो, ठंडे पानी की मांग हर कोई करता है लेकिन फ्रिज का ठंडा पानी नुकसानदायक हो सकता है। अक्सर बड़े लोग फ्रिज का ठंडा पानी पीने से रोकते हैं, खासकर अगर आप धूप से आए हों। अब ऐसे में ठंडा पानी भी चाहिए लेकिन फ्रिज का पानी नहीं पी सकते तो प्राकृतिक तरीके से ठंडे हुए पानी का सेवन करें। प्राकृतिक ठंडा पानी मिट्टी के मटके के जरिए आसानी से मिल जाता है। उस दौर में जब फ्रिज नहीं हुआ करती थी, तब भी लोग ठंडा पानी पीते थे। इसी तरीके से प्यास बुझाने के लिए गर्मी का मौसम शुरू होते ही लोग अपने घरों में मटका रखना शुरू कर देते हैं।

मटके का पानी न सिर्फ ठंडा होता है बल्कि सेहत के लिए भी फायदेमंद माना जाता है। लेकिन कई बार लोग शिकायत करते हैं कि मटका रखने के बावजूद पानी ठंडा नहीं हो रहा। दरअसल, इसके पीछे कुछ छोटी लेकिन अहम गलतियां होती हैं। अगर आप भी इस गर्मी ठंडे पानी के लिए मटके का इस्तेमाल कर रहे हैं तो तो इन बातों का खास ध्यान रखें।

मटका इस्तेमाल से पहले धोना जरूरी

नया मटका सीधे इस्तेमाल करना बड़ी गलती है। इसे कम से कम 24 घंटे पानी में भिगोकर रखें और अच्छी तरह साफ करें।

सही जगह पर रखें मटका

मटका हमेशा ठंडी और हवादार जगह पर रखें। धूप में रखने से पानी कभी ठंडा नहीं होगा।

रोज बदलें पानी

पुराना पानी ठंडा होने की क्षमता खो देता है। हर दिन मटके में ताजा पानी भरना जरूरी है।

हवा का संपर्क जरूरी

मटका तभी ठंडा करता है जब उसके आसपास हवा चलती है। इसे खुली जगह या खिड़की के पास रखें।

मटके की सफाई रखें

अगर मटका गंदा होगा तो पानी भी खराब लगेगा। हर 2-3 दिन में मटके को साफ करना जरूरी है।

लकड़ी या स्टैंड पर रखें

मटका सीधे जमीन पर रखने से ठंडक कम हो जाती है। इसे लकड़ी के स्टैंड पर रखें।

इस एक चीज की गंध से भाग जाते हैं चूहे, तुरंत दिखता है असर

क्या आप भी जानना चाहते हैं कि बिना मारे, चूहों को भगाने के लिए सबसे असरदार घरेलू उपाय क्या है? जवाब है, पुदीने का तेल चूहों को भगाने का सबसे असरदार घरेलू उपाय है, क्योंकि इसकी तेज गंध चूहों को पसंद नहीं होती और वे उस जगह से दूर भाग जाते हैं। घर में चूहे होना एक बड़ी समस्या बन सकता है। ये न सिर्फ सामान को नुकसान पहुंचाते हैं बल्कि गंदगी और बीमारियां भी फैलाते हैं। चूहों से छुटकारा पाने के लिए लोग जहर या ऐसी दवाओं का इस्तेमाल करते हैं, जिससे चूहे मर जाते हैं, हालांकि मरे हुए चूहों को घर से निकालना और मुश्किल हो जाता है। वहीं कुछ लोग चूहों को पकड़ने के लिए पिंजरा रख देते हैं लेकिन पिंजरे में कैद चूहे को कहां छोड़ें, ये सवाल भी रहता है। ऐसे में अगर आप बिना जहर या पिंजरे के चूहों से छूटकारा पाना चाहते हैं तो कुछ घरेलू नुस्खों को अपना सकते हैं। अगर आप भी चूहों से परेशान हैं और केमिकल या जहर का इस्तेमाल नहीं करना चाहते, तो ये घरेलू उपाय आपके लिए बेहद कारगर हो सकता है। सबसे किफायती है, एक ऐसी घरेलू चीज जिससे चूहा खुद ही घर छोड़कर भाग जाएगा।

चूहे भगाने की घरेलू दवा

सिर्फ एक चीज से चूहे से छुटकारा पाया जा सकता है, वो है पुदीने का तेल (ढीस्त्रस्त्री१ल्ल३ ङ्ढ')। पुदीने की तेज गंध चूहों को बिल्कुल पसंद नहीं होती। इसकी खुशबू इतनी स्ट्रॉन्ग होती है कि चूहे उस जगह से दूर भाग जाते हैं।

कैसे करें इस्तेमाल?

पानी में कुछ बूंद पुदीने का तेल मिलाकर एक स्प्रे बोतल में भर कर रख लें। जगह-जगह पर इसको स्प्रे करें।

कॉटन बॉल में तेल की मात्रा कम न रखें।

बच्चों और पालतू जानवरों से इसे दूर रखें।

कॉटन बॉल में लगाएं

कॉटन में पुदीने का तेल डालकर उन जगहों पर रखें जहां चूहे ज्यादा आते हैं।

एंट्री पॉइंट पर लगाएं

दरवाजों, खिड़कियों और कोनों में पूदीना पत्तियां या तेल रखें ताकि चूहे अंदर न आ सकें।

स्प्रे बनाकर इस्तेमाल करें

कब तक दिखेगा असर?

अगर आप पूदीने का उपयोग चूहे को भगाने में कर रहे हैं तो इसका असर एक-दो दिन में आपको जरूर नजर आने लगेगा। लगातार इस्तेमाल से चूहे पूरी तरह गायब हो सकते हैं।

ध्यान रखने वाली बातें

हर 2-3 दिन में पूदीने के तेल वाले कॉटन बॉल्स को बदलें।

अन्य घरेलू उपाय

चूहों को भगाने के लिए पूदीने के अलावा भी कुछ चीजों को उपयोग में लाया जा सकता है। जैसे,

लाल मिर्च पाउडर का छिड़काव कर सकते हैं।

तेज पत्ता रख सकते हैं।

लहसुन की गंध से भी चूहे भाग सकते हैं।

पौधों में कब और कौन सी खाद डालनी चाहिए? हर किसी के लिए जानना जरूरी

अगर आप चाहते हैं कि गर्मी के मौसम में भी आपके घर के पौधे हरे-भरे रहें तो उनमें खास प्रकार की खाद डालें। यहां हम आपको बताएंगे कि कौन से पौधे में कौन सी खाद डालना बेहतर रहता है। गर्मी का मौसम पौधों के लिए चुनौतीपूर्ण हो सकता है। ऐसा इसलिए क्योंकि तेज धूप और बढ़ते तापमान से पत्तियां मुरझा सकती हैं और फूल या फल कम हो सकते हैं। अगर आप चाहते हैं कि आपके घर और बालकनी के पौधे इस गर्मी में भी हरे-भरे और स्वस्थ रहें, तो सिर्फ सही खाद का चुनाव ही काफी नहीं, बल्कि समय पर उसकी खुराक देना भी जरूरी है। दरअसल, पौधों की वृद्धि, पत्तियों की चमक और फूलों की संख्या सीधे तौर पर खाद के प्रकार और समय पर निर्भर करती है।

गार्डनिंग एक्सपर्ट्स बताते हैं कि पत्तेदार पौधों, फूलों वाले पौधों और फलों वाले पौधों में अलग-अलग समय और प्रकार की खाद डालना सबसे प्रभावी तरीका है। इस खबर में हम आपको बताएंगे कि कौन-सी खाद किस पौधे में और कब डालनी चाहिए ताकि गर्मी में भी आपके पौधे स्वस्थ और हरे-भरे बने रहें।

पत्तेदार पौधे में कैसी खाद डालें?

पत्तेदार पौधों जैसे तुलसी, मनीप्लांट और पालक के लिए नाइट्रोजन-बेस्ड खाद सबसे उपयुक्त होती है।

नाइट्रोजन पौधों की पत्तियों को हरा और चमकदार बनाने में मदद करता है और उनकी वृद्धि को तेज करता है।

इन पौधों में इस खाद को महीने में एक बार डालना पर्याप्त रहता है।

गर्मियों में इसे सुबह के समय या शाम को डालना चाहिए ताकि तेज धूप में पत्तियां जलें नहीं और खाद का असर बेहतर हो।

फूल वाले पौधे में कैसी खाद डालें?

फूल वाले पौधों जैसे गुलाब, मोगरा और गेंदे के लिए फॉस्फोरस युक्त खाद सबसे असरदार होती है।

फॉस्फोरस पौधों में फूलों की संख्या बढ़ाने और फूलों को मजबूत तथा रंगीन बनाने में मदद करता है।

इस प्रकार की खाद हर 6-8 हफ्ते में डालना चाहिए ताकि पौधे स्वस्थ और सुंदर फूल दें।

फलों वाले पौधे में कैसी खाद डालें?

फलों वाले पौधों जैसे टमाटर, नींबू और बेल के लिए पोटेशियम युक्त खाद फायदेमंद रहती है।

पोटेशियम पौधों की रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाता है और फलों को मजबूत बनाता है।

इन पौधों में इसे हर महीने डालना पर्याप्त होता है, जिससे पौधे स्वस्थ रहते हैं और फल अच्छे आकार के और स्वादिष्ट बनते हैं।

ऑर्गेनिक खाद किस काम की है?

ऑर्गेनिक खाद जैसे गोबर की खाद या कम्पोस्ट सभी प्रकार के पौधों के लिए सुरक्षित और प्राकृतिक विकल्प हैं।

यह मिट्टी की उर्वरता बढ़ाने के साथ-साथ पौधों को पोषण भी प्रदान करती है।

गर्मियों में इसे दो महीने में एक बार डालना पौधों के लिए फायदेमंद रहता है।

पाउडर से भी बेहतर ये अनाज, जिम वालों की बंद हो जाएगी दुकान अगर जान लिए इसके फायदे

मध्य प्रदेश के सीधी जिले में समा चावल (जिसे भगर, संकी, कुटकी या वरई भी कहा जाता है) इन दिनों किसानों और महिलाओं के लिए फायदे का सौदा बनता जा रहा है। कम लागत और 150

प्रति किलो तक की कीमत के कारण इसकी मांग तेजी से बढ़ रही है। यह न सिर्फ किसानों की आमदनी बढ़ा रहा है बल्कि महिलाओं को रोजगार देने में भी मदद कर रहा है।

समा चावल क्या है?

समा चावल असल में एक तरह का जंगली बीज है। विंध्य क्षेत्र में यह पारंपरिक खाने का हिस्सा रहा है। अब शहरों में इसकी डिमांड बढ़ गई है। इसका स्वाद हल्का और पचाने में आसान है, जिससे यह हर उम्र के लोगों के लिए फायदेमंद माना जाता है।

किसानों और महिलाओं के लिए कमाई का जरिया

सामा चावल की खेती किसानों के लिए फायदे का सौदा बन रही है। इसकी खेती कम लागत में होती है और बाजार में इसे 150 प्रति किलो तक बेचा जा रहा है। तिलवानी गांव की स्व-सहायता समूह की महिलाएं इसे इकट्ठा कर बाजार में बेच रही हैं। इससे महिलाओं को घर बैठे रोजगार और आत्मनिर्भर बनने का मौका मिल रहा है। किसानों की आमदनी भी बढ़ रही है और पारंपरिक फसलों के मुकाबले यह ज्यादा लाभकारी साबित हो रही है।

सेहत के लिए सुपरफूड

आयुर्वेद विशेषज्ञों के अनुसार, समा चावल में कई स्वास्थ्यवर्धक गुण पाए जाते हैं ग्लूटेन-फ्री होने के कारण यह पाचन के लिए आसान है। फाइबर से भरपूर होने के कारण पेट की समस्या में राहत देता है। कम ग्लाइसेमिक इंडेक्स के कारण डायबिटीज के मरीजों के लिए भी सुरक्षित। इसमें प्रोटीन, आयरन, कैल्शियम और फास्फोरस जैसे जरूरी पोषक तत्व मौजूद हैं। एंटीऑक्सिडेंट गुण शरीर की रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाते हैं और वजन कम करने में मदद करते हैं।

खाने में कैसे इस्तेमाल करें

सामा चावल को कई तरह से खाया जा सकता है खिचड़ी, पुलाव सलाद व्रत के खाने में इसका हल्का स्वाद और पोषक तत्व इसे रोजमर्रा के खाने में शामिल करना आसान बनाते हैं।

किसानों और लोगों दोनों के लिए फायदे

सामा चावल की बढ़ती मांग ने किसानों की आमदनी बढ़ा दी है और लोगों को एक हेल्दी विकल्प भी दिया है। यही कारण है कि यह फसल तेजी से लोकप्रिय हो रही है। किसान इसे उगाकर मुनाफा कमा रहे हैं। महिलाएं इसे इकट्ठा करके घर बैठे रोजगार पा रही हैं। स्वास्थ्य के लिहाज से यह जिम जाने वालों और हेल्दी डाइट चाहने वालों के लिए सुपरफूड साबित हो रहा है। सामा चावल एक ऐसा अनाज है, जो न सिर्फ सेहत के लिए लाभकारी है, बल्कि किसानों और महिलाओं की आमदनी बढ़ाने में भी मदद करता है। प्रोटीन पाउडर का विकल्प खोज रहे लोग इसे अपनी डाइट में शामिल करके हेल्दी और स्वादिष्ट दोनों फायदे पा सकते हैं।

किचन की ये छोटी सी चीज, ट्यूमर-कैंसर से लड़ने में कारगर! फायदे जान रह जाएंगे हैरान

पीपली एक औषधीय मसाला है, जिसे आमतौर पर ह्ललंबी काली मिर्चह्व भी कहा जाता है। यह आकार में छोटी, पतली और लगभग 2 इंच लंबी होती है। आयुर्वेद में इसे बहुत महत्वपूर्ण औषधि माना गया है, क्योंकि यह शरीर के कई रोगों को संतुलित करने में मदद करती है। खासकर कफ दोष को नियंत्रित करने में इसका उपयोग प्राचीन समय से किया जाता रहा है।

पीपली में पाए जाने वाले पोषक तत्व और गुण

पीपली में कई ऐसे सक्रिय तत्व पाए जाते हैं, जो इसे औषधीय बनाते हैं। इसमें पाइपरलॉन्गुमाइन नामक कंपाउंड होता है, जिस पर वैज्ञानिक शोध भी हुए हैं और यह कैंसर कोशिकाओं पर असर डालने में सहायक

माना जाता है। इसके अलावा इसमें पाइपरीन होता है, जो शरीर में अन्य दवाइयों और पोषक तत्वों के अवशोषण को बढ़ाता है। साथ ही इसमें एंटीऑक्सिडेंट, एंटी-बैक्टीरियल और सूजन कम करने वाले गुण भी मौजूद होते हैं, जो शरीर को कई तरह से लाभ पहुंचाते हैं।

सर्दी, खांसी और जुकाम में लाभ

जो लोग बार-बार सर्दी, खांसी और जुकाम की समस्या से परेशान रहते हैं, उनके लिए पीपली बहुत फायदेमंद मानी जाती है। यह कफ को कम करती है और गले व छाती में जमी बलगम को बाहर निकालने में मदद करती है। यदि आधा चम्मच पीपली पाउडर गुनगुने पानी के साथ लिया जाए, तो यह सर्दी-जुकाम के लक्षणों को कम करने में सहायक हो सकता है और शरीर को अंदर से गर्म रखता है।

इम्यूनिटी बढ़ाने में मददगार

पीपली शरीर की रोग प्रतिरोधक क्षमता को मजबूत करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। इसमें मौजूद पाइपरीन शरीर में पोषक तत्वों और औषधियों के असर को बढ़ा देता है, जिससे शरीर जल्दी स्वस्थ होता है और बीमारियों से लड़ने की ताकत बढ़ती है। जो लोग बार-बार बीमार पड़ते हैं, उनके लिए इसका नियमित और सीमित मात्रा में सेवन लाभकारी हो सकता है।

सांस और फेफड़ों की समस्याओं में उपयोगी

पीपली श्वसन तंत्र के लिए बहुत फायदेमंद मानी जाती है। यह फेफड़ों में जमा कफ को साफ करने में मदद करती है और सांस लेने में आसानी पैदा करती है। चेस्ट इन्फेक्शन, फेफड़ों के संक्रमण और टीबी जैसी समस्याओं में इसे आयुर्वेदिक उपचार के रूप में सहायक माना जाता है। यह फेफड़ों को मजबूत बनाकर श्वसन प्रणाली को बेहतर करती है।

दादरी रैली: 140 सीटों को साधने की कोशिश

लखनऊ (संवाददाता)। उत्तर प्रदेश में विधानसभा चुनाव में करीब एक साल बाकी हैं, लेकिन सियासी बिसात बिछनी शुरू हो गई है। नोएडा को राजनीतिक गलियारे में शापित माना जाता था, आज नोएडा में बैक टू बैक रैलियां हो रही हैं बीजेपी की तरफ से जेवर इंटरनेशनल एयरपोर्ट के उद्घाटन कार्यक्रम में जनसभा को संबोधित किया गया, जहां पीएम मोदी से लेकर सीएम योगी ने अखिलेश यादव के नोएडा न आने पर जमकर निशाना साधा था। 29 मार्च को सपा मुखिया अखिलेश यादव ने दादरी में समानता भाईचारा रैली को संबोधित किया। सपा के कार्यक्रम को योगी सरकार के मंत्रियों ने फ्लाप बताया है लेकिन सपा ने कई संदेश देने की कोशिश की है समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय प्रवक्ता और रैली संयोजक राजकुमार भाटी ने चुनाव न लड़ने का ऐलान करते हुए कहा कि वह तीन संदेश देना चाहते हैं। पहला तो जब 2011 में पश्चिमी यूपी से ही उन्होंने प्रचार की शुरूआत की थी, तो हमारी सरकार बनी थी । 2012 में वेस्ट यूपी में हमें कमजोर माना जाता है। जन विरोधी नीतियों से जनता परेशान है, जल्द छुटकारा चाहती है। पीडीए से जनता जुड़ रही है वर्तमान व्यवस्था में जितनी कानून व्यवस्था खराब है, इतनी कभी नहीं रही।

रोहित ने लगाया अर्धशतकों का पचासा, कोहली को पछाड़ा रहाणे ने गंभीर का 10 साल पुराना रिकॉर्ड तोड़ा

मुंबई। मुंबई इंडियंस ने केकेआर को हराकर 14 साल बाद ओपनिंग मैच जीता, जिसमें रोहित शर्मा और रेयान रिकेल्टन की रिकॉर्ड साझेदारी और शानदार पारियों ने अहम भूमिका निभाई। इस मैच में रोहित ने अपना 50वां अर्धशतक पूरा कर कई रिकॉर्ड तोड़े, जबकि अजिंक्य रहाणे ने केकेआर के कप्तान के रूप में गौतम गंभीर का पुराना रिकॉर्ड तोड़ दिया। मुंबई इंडियंस के पूर्व कप्तान रोहित शर्मा ने रविवार को कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) के खिलाफ आईपीएल 2026 के मुकाबले में ताबड़तोड़ प्रदर्शन किया। उन्होंने शानदार अर्धशतकीय पारी खेलकर रिकॉर्ड्स की झड़ी लगा दी। वहीं, केकेआर के कप्तान अजिंक्य रहाणे ने भी पूर्व खिलाड़ी गौतम गंभीर का 10 साल पुराना रिकॉर्ड ध्वस्त कर दिया। आइये जानते हैं रोहित-रिकेल्टन के बीच रिकॉर्ड साझेदारी आईपीएल के 19वें संस्करण का दूसरा मुकाबला वानखेड़े स्टेडियम में मुंबई इंडियंस और केकेआर के बीच खेला गया। इस मैच में मुंबई के पूर्व कप्तान रोहित शर्मा ने रेयान रिकेल्टन के साथ पहले विकेट के लिए 72 गेंदों में 148 रनों की रिकॉर्ड साझेदारी की। रोहित और

रिकेल्टन के बीच हुई शतकीय साझेदारी मुंबई इंडियंस के लिए आईपीएल में तीसरी सबसे बड़ी साझेदारी है। दोनों ने पहले विकेट के लिए 148 रन जोड़े। इससे पहले दूसरे विकेट के लिए 2012 में रोहित शर्मा और हर्षल गिब्स के बीच 167 रनों की नाबाद साझेदारी हुई थी। वहीं, दूसरे स्थान पर ड्वेन स्मिथ और सचिन तेंदुलकर हैं, जिनके बीच 2012 में पहले विकेट के लिए 163 रनों की नाबाद साझेदारी हुई थी। अर्धशतकों का 'अर्धशतक' इस दौरान हिटमैन ने 38 गेंदों का सामना किया और छह चौके व इतने ही छक्के की मदद से 78 रनों की दमदार पारी खेली। उन्होंने 23 गेंदों पर अपना अर्धशतक पूरा किया। आईपीएल में उनका यह सबसे तेज अर्धशतक है। रोहित का आईपीएल का यह 50वां अर्धशतक भी है। इससे पहले रोहित साल 2015 में चेन्नई सुपर किंग्स के खिलाफ 25 गेंदों पर अर्धशतक लगा चुके हैं। रोहित शर्मा आईपीएल इतिहास में सर्वाधिक अर्धशतक लगाने वाले खिलाड़ियों की सूची में चौथे स्थान पर हैं। इस लिस्ट में विराट कोहली 72 अर्धशतकों के साथ शीर्ष पर हैं, जबकि डेविड वॉर्नर (66) इस लिस्ट में दूसरे स्थान पर हैं। शिखर धवन (53) तीसरे और केएल राहुल (45) पांचवें स्थान पर मौजूद हैं। आईपीएल में सर्वाधिक 50+ स्कोर बनाने वाले खिलाड़ी किसी एक टीम के खिलाफ सर्वाधिक रन बनाने वाले शीर्ष बल्लेबाज इस मुकाबले में दाएं हाथ के बल्लेबाज ने एक और उपलब्धि अपने नाम कर ली। वह आईपीएल में किसी एक टीम के खिलाफ सर्वाधिक रन बनाने के मामले में शीर्ष पर पहुंच गए। उनके नाम कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) के खिलाफ 1161 रन दर्ज हो गए। इस मामले में उन्होंने रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) के पूर्व कप्तान विराट कोहली को पीछे छोड़ दिया। उनके नाम पंजाब किंग्स के खिलाफ 1159 दर्ज हैं। वहीं, हिटमैन केकेआर के खिलाफ सबसे ज्यादा रन बनाने वाले बल्लेबाज भी बन गए। इस मामले में उन्होंने डेविड वॉर्नर को पीछे छोड़ा, जिन्होंने इस टीम के खिलाफ 1093 रन बनाए। रहाणे ने गंभीर का 10 साल पुराना रिकॉर्ड तोड़ा इस मैच में केकेआर के कप्तान अजिंक्य रहाणे का बल्ला भी जमकर गरजा। उन्होंने शानदार अर्धशतकीय पारी के साथ पूर्व कप्तान गौतम गंभीर का 10 साल पुराना रिकॉर्ड तोड़ दिया। केकेआर के लिए पारी की शुरूआत करने उतरे रहाणे ने 40 गेंदों पर तीन चौकों और पांच छक्कों की मदद से 67 रनों की विस्फोटक पारी खेली। केकेआर के किसी भी कप्तान की मुंबई इंडियंस के खिलाफ यह सबसे बड़ी पारी है। इस पारी के आधार पर रहाणे ने गौतम गंभीर का 10 साल पुराना रिकॉर्ड तोड़ दिया। गौतम गंभीर ने आईपीएल 2016 में कोलकाता में मुंबई इंडियंस के खिलाफ 52 गेंदों पर 64 रनों की पारी खेली थी। तीसरी बड़ी पारी गंभीर के नाम ही है। 2016 में ही गंभीर ने एमआई के खिलाफ वानखेड़े में 45 गेंदों पर 59 रन बनाए थे। मुंबई इंडियंस के खिलाफ केकेआर के कप्तान के रूप में चौथी सबसे बड़ी पारी भी गंभीर के नाम ही है। गंभीर ने 2015 में कोलकाता में एमआई के खिलाफ 57 रन बनाए थे। मुंबई ने तोड़ा हार का सिलसिला रोहित शर्मा (78) और रेयान रिकेल्टन (81) की अर्धशतकीय पारियों की मदद से मुंबई इंडियंस ने कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) को छह विकेट से हरा दिया। इस जीत के साथ मुंबई ने 14 साल से चले आ रहे हार के सिलसिले को भी तोड़ दिया। दरअसल, मुंबई ने पिछली बार 2012 में सत्र का ओपनिंग मुकाबला जीता था। इसके बाद से वह लगातार 14 साल तक ओपनिंग मैच नहीं जीत पाई थी। अब टीम ने केकेआर को हराकर इस अनचाहे रिकॉर्ड से पीछा छुड़ा लिया है। रविवार को वानखेड़े स्टेडियम में खेले गए मुकाबले में टॉस हारकर पहले बल्लेबाजी करने उतरी केकेआर ने अजिंक्य रहाणे (67) और अंगकृष रघुवंशी (51) की अर्धशतकीय पारियों की मदद से 20 ओवर में चार विकेट पर 220 रन बनाए। जवाब में मुंबई ने रोहित शर्मा और रेयान रिकेल्टन की शतकीय साझेदारी की सहायता से 19.1 ओवर में चार विकेट पर 224 रन बनाए और मुकाबला अपने नाम कर लिया।

रात में चार मेहमानों को अपने होटल रूम तक क्यों ले गए शाहीन-रजा

कराची। पीएसएल 2026 में शाहीन अफरीदी और सिकंदर रजा पर होटल में बिना अनुमति मेहमानों को लाने का आरोप लगा है। पुलिस ने इसे सुरक्षा उल्लंघन बताया है। टीम ने मामले की पुष्टि की है और जांच जारी है, जिससे टूनामेंट एक और विवाद में घिर गया है। पाकिस्तान सुपर लीग 2026 के बीच एक और विवाद ने सुर्खियां बटोर ली हैं। लाहौर कलंदर्स के कप्तान शाहीन अफरीदी और ऑलराउंडर सिकंदर रजा पर सुरक्षा नियमों के उल्लंघन का गंभीर आरोप लगा है। रिपोर्ट के मुताबिक, दोनों खिलाड़ियों ने शनिवार रात चार लोगों को जबरन होटल के कमरे तक पहुंचाया, जबकि इसके लिए पहले ही अनुमति नहीं दी गई थी। पुलिस की चिट्ठी में क्या खुलासा? स्थानीय पुलिस अधिकारी द्वारा पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (ढउइ) और पीएसएल अधिकारियों को भेजी गई चिट्ठी में बताया गया कि इन चार मेहमानों को होटल में प्रवेश देने की अनुमति पहले ही खारिज कर दी गई थी। यह भी आरोप लगाया गया कि टीम मैनेजमेंट की ओर से कई बार अनुमति मांगी गई, लेकिन सुरक्षा कारणों से हर बार इनकार कर दिया गया। इसके बावजूद शाहीन और रजा ने ड्यूटी पर मौजूद सुरक्षा कर्मियों के निदेर्शों को नजरअंदाज करते हुए मेहमानों को अंदर ले गए। टीम की सफाई इस पूरे मामले पर लाहौर कलंदर्स के मीडिया हेड उमर फारूक ने प्रतिक्रिया दी। उन्होंने कहा, 'हमें इस घटना की जानकारी है और हम इस मामले में पीएसएल अधिकारियों के संपर्क में हैं।' हालांकि, अभी तक दोनों खिलाड़ियों की ओर से कोई विस्तृत बयान सामने नहीं आया है। सुरक्षा व्यवस्था पर उठे सवाल इस घटना ने टूनामेंट की सुरक्षा व्यवस्था पर भी सवाल खड़े कर दिए हैं। खासतौर पर तब, जब मौजूदा हालात को देखते हुए पीएसएल मैच बंद दरवाजों के पीछे खेले जा रहे हैं। मध्य-पूर्व में चल रहे क्षेत्रीय संकट और ईंधन की कमी के कारण सुरक्षा पहले से ही कड़ी है, ऐसे में इस तरह की घटना को गंभीर चूक माना जा रहा है। मैदान पर भी झटका विवाद के बीच लाहौर कलंदर्स को मैदान पर भी नुकसान उठाना पड़ा। टीम को कराची किंग्स के खिलाफ गद्दाफी स्टेडियम में चार विकेट से हार का सामना करना पड़ा। यह पीएसएल 2026 में उनकी पहली हार थी। इस मैच में बॉल टेम्परिंग को लेकर भी विवाद सामने आया है। पूरा विवाद पढ़ने के लिए नीचे दी गई लिंक पर क्लिक करें... पाकिस्तान फिर शर्मसारः ढरछ में बॉल टेम्परिंग विवाद!

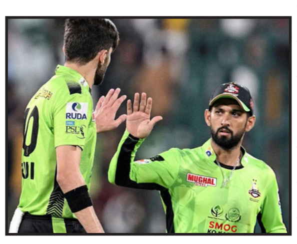

2012 के बाद मुंबई ने पहला ओपनिंग मैच जीता, रोहित-रिकेल्टन के बीच हुई तीसरी बड़ी साझेदारी

मुंबई। रोहित शर्मा और रेयान रिकेल्टन की शतकीय साझेदारी की मदद से मुंबई इंडियंस ने कोलकाता नाइट राइडर्स को आईपीएल 2026 के दूसरे मुकाबले में छह विकेट से हरा दिया। यह मुंबई की 2012 के बाद पहली ओपनिंग मुकाबले में जीत है। रोहित शर्मा (78) और रेयान रिकेल्टन

(81) की अर्धशतकीय पारियों की मदद से मुंबई इंडियंस ने कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) को छह विकेट से हरा दिया। इस जीत के साथ मुंबई ने 14 साल से चले आ रहे हार के सिलसिले को भी तोड़ दिया। दरअसल, मुंबई ने पिछली बार 2012 में सत्र का ओपनिंग मुकाबला जीता था। इसके बाद से वह लगातार 14 साल तक ओपनिंग मैच नहीं जीत पाई थी। अब टीम ने केकेआर को हराकर इस अनचाहे रिकॉर्ड से पीछा छुड़ा लिया है। रविवार को वानखेड़े स्टेडियम में खेले गए मुकाबले में टॉस हारकर पहले बल्लेबाजी करने उतरी केकेआर ने अजिंक्य रहाणे (67) और अंगकृष रघुवंशी (51) की अर्धशतकीय पारियों की मदद से 20 ओवर में चार विकेट पर 220 रन बनाए। जवाब में मुंबई ने रोहित शर्मा और रेयान रिकेल्टन की शतकीय साझेदारी की सहायता से 19.1 ओवर में चार विकेट पर 224 रन बनाए और मुकाबला अपने नाम कर लिया। रोहित-रिकेल्टन ने रखी नींव 221 रन के लक्ष्य का पीछा करने उतरी एमआई को रोहित शर्मा और रेयान रिकेल्टन ने धमाकेदार शुरूआत दी। दोनों बल्लेबाजों ने पहले विकेट के लिए 11.5 ओवर में 148 रन की साझेदारी की। रोहित पहले विकेट के रूप में 78 रन बनाकर आउट हुए। 38 गेंदों की अपनी पारी में रोहित ने छह चौके और इतने ही छक्के लगाए। रोहित ने 23 गेंदों पर अपना अर्धशतक पूरा किया। आईपीएल में उनका यह सबसे तेज अर्धशतक है। रोहित का आईपीएल का यह 50वां अर्धशतक भी था। रिकेल्टन ने भी 43 गेंदों पर आठ छक्कों और चार चौकों की मदद से 81 रन की पारी खेली। सूर्यकुमार यादव आठ गेंदों पर 16 रन बनाकर आउट हुए। तिलक वर्मा ने 14 गेंदों में 20 रन की पारी खेली। हार्दिक 11 गेंदों पर 18 और नमन धीर दो गेंदों पर पांच रन बनाकर नाबाद रहे। केकेआर के लिए वैभव अरोड़ा, कार्तिक त्यागी और सुनील नरेन ने 1-1 विकेट लिए। रोहित-रिकेल्टन के बीच रिकॉर्ड साझेदारी रोहित और रिकेल्टन के बीच हुई शतकीय साझेदारी मुंबई इंडियंस के लिए आईपीएल में तीसरी सबसे बड़ी साझेदारी है। दोनों ने पहले विकेट के लिए 148 रन जोड़े। इससे पहले दूसरे विकेट के लिए 2012 में रोहित शर्मा और हर्षल गिब्स के बीच 167 रनों की नाबाद साझेदारी हुई थी। वहीं, दूसरे स्थान पर ड्वेन स्मिथ और सचिन तेंदुलकर हैं, जिनके बीच 2012 में पहले विकेट के लिए 163 रनों की नाबाद साझेदारी हुई थी। रहाणे और एलन ने दिलाई केकेआर को अच्छी शुरूआत इससे पहले पहले बल्लेबाजी करने उतरी केकेआर को फिन एलन और अजिंक्य रहाणे ने ताबड़तोड़ शुरूआत दी थी। दोनों ने पहले विकेट के लिए 5.2 ओवर में 69 रन जोड़े। एलन पहले विकेट के रूप में 17 गेंदों पर छह चौकों और दो छक्कों की मदद से 37 रन की पारी खेलकर आउट हुए। इसके बाद रहाणे और ग्रीन के बीच दूसरे विकेट के लिए 21 गेंदों पर 40 रन की साझेदारी हुई। टीम का स्कोर जब 109 था, उस समय ग्रीन 10 गेंदों पर 18 रन बनाकर आउट हुए। इसके बाद रहाणे ने तीसरे विकेट के लिए अंगकृष रघुवंशी के साथ 36 रन की साझेदारी कर टीम का स्कोर 145 तक पहुंचा दिया। रहाणे तीसरे विकेट के रूप में 40 गेंदों पर पांच छक्कों और तीन चौकों की मदद से 67 रन की शानदार पारी खेलकर आउट हुए। रघुवंशी का अर्धशतक रहाणे का विकेट गिरने के बाद रघुवंशी और रिंकू सिंह ने पारी को संभाला और चौथे विकेट के लिए 30 गेंदों पर 60 रन की साझेदारी कर टीम का स्कोर 205 तक पहुंचा दिया। इसी स्कोर पर चौथे विकेट के रूप में रघुवंशी 29 गेंदों पर दो छक्कों और छह चौकों की मदद से 51 रन की पारी खेलकर आउट हुए। रिंकू सिंह 21 गेंदों पर चार चौकों की मदद से 33 और रमनदीप सिंहचार रन बनाकर नाबाद रहे। एमआई के लिए शार्दुल ठाकुर ने तीन विकेट लिए जबकि हार्दिक पांड्या को एक सफलता मिली।

आईपीएल में मंगलवार को गुजरात टाइटंस से होगी पंजाब किंग्स की भिड़ंत

मुल्लांपुर। आईपीएल 2026 में गुजरात टाइटंस का सामना मंगलवार को पंजाब किंग्स से होगा। दोनों टीमें मजबूत हैं और ये मुकाबला काफी रोचक होने की उम्मीद है। आइए जानते हैं कि गुजरात और पंजाब के बीच हेड टू हेड रिकॉर्ड कैसा है... आईपीएल 2026 के चौथे मुकाबले में मंगलवार को पंजाब किंग्स की भिड़ंत गुजरात टाइटंस से होगी। दोनों टीमों के बीच यह मुकाबला मुल्लांपुर के महाराजा यादवेंद्र सिंह इंटरनेशनल क्रिकेट स्टेडियम में खेला जाएगा। पंजाब और गुजरात के बीच इस लीग में कांटे की टक्कर देखने को मिली है।

आईपीएल में पंजाब किंग्स और गुजरात टाइटंस के बीच अब तक कुल छ,ह मुकाबले खेले गए हैं। इनमें से पंजाब किंग्स ने तीन मैच जीते हैं जबकि तीन मुकाबलों में ही गुजरात को जीत नसीब हुई है। पंजाब को शीर्ष क्रम से होगी आस आईपीएल 2025 में इन दोनों टीमों की भिड़ंत एक बार हुई थी, जहां पंजाब ने बेहतरीन प्रदर्शन करते हुए गुजरात को 11 रनों से हराया था। श्रेयस अय्यर की कप्तानी में पंजाब ने पिछले सीजन फाइनल तक का सफर तय किया था। हालांकि, खिताबी मुकाबले में टीम को रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) के खिलाफ हार झेलनी पड़ी थी। पंजाब की टीम इस सीजन भी काफी मजबूत दिखाई दे रही है। शीर्ष क्रम में प्रियांश आर्या और प्रभसिमरन सिंह की सलामी जोड़ी से एक बार फिर पंजाब को दमदार प्रदर्शन की उम्मीद होगी। नंबर तीन पर कप्तान श्रेयर अय्यर जिम्मेदारी संभालते हुए नजर आएंगे। अय्यर ने पिछले सीजन बेहतरीन बल्लेबाजी करते हुए 17 मुकाबलों में 175 के स्ट्राइक रेट से 604 रन बनाए थे। पंजाब के कप्तान ने पूरे सीजन में छह अर्धशतक लगाए थे। नेहल वढेरा और शशांक सिंह से भी पंजाब किंग्स को दमदार प्रदर्शन की उम्मीद होगी। नेहल आईपीएल 2025 में अच्छी लय में दिखाई दिए थे और उन्होंने 16 मुकाबलों में 145 के स्ट्राइक रेट से खेलते हुए 369 रन बनाए थे। मार्कस स्टोइनिस, मार्को यानसेन और उमरजई बल्ले और गेंद दोनों से अहम योगदान देंगे। वहीं, मिचेल ओवेन और कूपर कोनोली आईपीएल 2026 में शानदार प्रदर्शन से छाप छोड़ना चाहेंगे। गुजरात के लिए सुदर्शन-गिल पर होगी जिम्मेदारी दूसरी ओर, गुजरात टाइटंस को इस सीजन भी साई सुदर्शन और कप्तान शुभमन गिल से बल्ले से बेहतरीन प्रदर्शन की उम्मीद होगी। सुदर्शन पिछले सीजन सर्वाधिक रन बनाने वाले बल्लेबाज रहे थे और उन्होंने 15 मुकाबलों में 759, जबकि गिल ने 650 रन बनाए थे। हालांकि, जोस बटलर की हालिया फॉर्म टीम के लिए चिंता का विषय जरूर होगी। ग्लेन फिलिप्स के प्रदर्शन पर भी हर किसी की निगाहें रहेंगी। वॉशिंगटन सुंदर, जेसन होल्डर और राहुल तेवतिया बल्ले और गेंद से टीम की नैया को पार लगाने का प्रयास करेंगे। कगिसो रबादा, मोहम्मद सिराज, प्रसिद्ध कृष्णा, ईशांत शर्मा और लुक वुड की मौजूदगी में टीम का पेस अटैक दमदार दिख रहा है। वहीं, स्पिन विभाग की कमान राशिद खान के हाथों में होगी, जिनका साथ साई किशोर और सुंदर देंगे।

नियमों उल्लंघन के आरोपों पर क्या बोले सिकंदर रजा? शाहीन पर मढ़ी जिम्मेदारी

नई दिल्ली। लाहौर कलंदर के कप्तान शाहीन अफरीदी और सिकंदर रजा पर होटल सुरक्षा नियम तोड़ने का आरोप लगा, लेकिन रजा ने कहा कि वह सिर्फ अपने परिवार से मिल रहे थे। उन्होंने दावा किया कि अनुमति मांगी गई थी और मामले को बेवजह बढ़ा-चढ़ाकर पेश किया जा रहा है। पाकिस्तान सुपर लीग (पीएसएल) की टीम लाहौर कलंदर एक नए विवाद में घिर गई है। टीम के कप्तान शाहीन शाह अफरीदी और विदेशी खिलाड़ी सिकंदर रजा पर होटल के सुरक्षा नियमों के उल्लंघन का आरोप लगा है। रिपोर्ट्स के मुताबिक, दोनों खिलाड़ियों पर आरोप है कि उन्होंने देर रात सुरक्षा मंजूरी न मिलने के बावजूद चार लोगों को जबरन होटल के कमरे तक पहुंचाया। इस मामले को गंभीर मानते हुए लाहौर के डीआईजी (ऑपरेशन्स) ने पीएसएल के सीईओ को सुरक्षा उल्लंघन की सूचना दी। सिकंदर रजा ने दी सफाई पुलिस का दावा है कि पहले ही मना किए जाने के बावजूद शाहीन और रजा चार मेहमानों को रात करीब 11 बजे रजा के कमरे में ले गए, जहां वे रात 1:25 बजे तक रुके रहे। हालांकि, इस पूरे मामले पर सिकंदर रजा ने सफाई दी है। उन्होंने कहा कि वे लोग कोई अजनबी नहीं, बल्कि उनके परिवार के सदस्य थे। रजा ने मीडिया से बातचीत में कहा, 'शाहीन ने कुछ भी गलत नहीं किया। जो लोग मुझसे मिलने आए थे, वे मेरा परिवार हैं। जब आप महीनों घर से दूर रहते हैं और परिवार आपसे मिलने आता है, तो उनसे मिलना स्वाभाविक है।' पुलिस का बयान रजा ने यह भी बताया कि उन्होंने मेहमानों को लाने के लिए अनुमति मांगी थी। टीम के लायजन अधिकारी और मालिक समीन राणा ने भी उच्च अधिकारियों से बात की थी, लेकिन सुरक्षा कारणों से अनुमति नहीं मिली। रजा ने आगे कहा, 'हमने कुछ छुपाने की कोशिश नहीं की। हमने सही प्रक्रिया अपनाई, लेकिन अपने परिवार से कुछ समय मिलने की अनुमति न मिलना निराशाजनक था।' वहीं पुलिस के अनुसार, सुरक्षा और एंटी-करप्शन यूनिट ने इस अनुरोध को नियमों के तहत खारिज कर दिया था। इसके बावजूद खिलाड़ियों ने नियमों को नजरअंदाज किया। रजा ने अपने कप्तान का बचाव करते हुए कहा, 'शाहीन ने एक कप्तान और भाई की तरह मेरा साथ दिया।

धुरंधर की एक्ट्रेस सारा अर्जुन पर चढ़ा मुंबई इंडियंस का फीवर, वानखेड़े पहुंचकर बढ़ाया टीम का हौसला

मुंबइ। धुरंधर की चर्चित अभिनेत्री सारा अर्जुन रविवार को वानखेड़े पहुंचीं। इस दौरान वह मुंबई इंडियंस की जर्सी पहने नजर आईं, जिसने प्रशंसकों का दिल जीत लिया। सोशल मीडिया पर उनका वीडियो वायरल हो रहा है। आइये देखते हैं सारा पर छाया टकका खुमार मुंबई इंडियंस की जर्सी पहने सारा अर्जुन स्टेडियम के बाहर में टीम को जोरदार सपोर्ट करती नजर आईं। उनकी मौजूदगी ने फैंस के बीच अलग ही जोश भर दिया। जैसे ही कैमरा उन पर

गया, प्रशंसक गदगद हो गए। सोशल मीडिया पर उनकी तस्वीरें काफी तेजी से वायरल हो रही हैं। रोहित शर्मा ने रचा इतिहास, वॉर्नर को पीछे छोड़ा मुंबई इंडियंस के पूर्व कप्तान रोहित शर्मा ने केकेआर के खिलाफ बड़ी उपलब्धि हासिल कर ली है। मैच से पहले वह इस टीम के खिलाफ सबसे ज्यादा रन बनाने के मामले में दूसरे स्थान पर थे और डेविड वॉर्नर से आगे निकलने के लिए उन्हें 11 रनों की जरूरत थी। वानखेड़े में ओपनिंग करते हुए रोहित ने यह आंकड़ा पार कर लिया और अब वह आईपीएल में केकेआर के खिलाफ सबसे ज्यादा रन बनाने वाले बल्लेबाज बन गए हैं। वॉर्नर ने 28 पारियों में कोलकाता के गेंदबाजी अटैक के सामने 1093 रन बनाए। अब रोहित के नाम 36 पारियों में 1094* रन हो गए। मुंबई ने तोड़ा हार का सिलसिला रोहित शर्मा (78) और रेयान रिकेल्टन (81) की अर्धशतकीय पारियों की मदद से मुंबई इंडियंस ने कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) को छह विकेट से हरा दिया। इस जीत के साथ मुंबई ने 14 साल से चले आ रहे हार के सिलसिले को भी तोड़ दिया। दरअसल, मुंबई ने पिछली बार 2012 में सत्र का ओपनिंग मुकाबला जीता था। इसके बाद से वह लगातार 14 साल तक ओपनिंग मैच नहीं जीत पाई थी। अब टीम ने केकेआर को हराकर इस अनचाहे रिकॉर्ड से पीछा छुड़ा लिया है। रविवार को वानखेड़े स्टेडियम में खेले गए मुकाबले में टॉस हारकर पहले बल्लेबाजी करने उतरी केकेआर ने अजिंक्य रहाणे (67) और अंगकृष रघुवंशी (51) की अर्धशतकीय पारियों की मदद से 20 ओवर में चार विकेट पर 220 रन बनाए। जवाब में मुंबई ने रोहित शर्मा और रेयान रिकेल्टन की शतकीय साझेदारी की सहायता से 19.1 ओवर में चार विकेट पर 224 रन बनाए और मुकाबला अपने नाम कर लिया।

हार्दिक का दिल जीतने वाला वादा! लॉर्ड शार्दुल से क्यों कहा- करियर खत्म होने तक एमआई पलटन में रहो?

मुंबइ। आईपीएल 2026 में शार्दुल ठाकुर ने मुंबई इंडियंस के लिए शानदार डेब्यू करते हुए मैच जिताऊ प्रदर्शन किया। हार्दिक पांड्या ने उन्हें लंबे समय तक टीम में बने रहने का भरोसा दिया। वहीं रिकेल्टन की शानदार बल्लेबाजी ने जीत की नींव रखी। आईपीएल 2026 में मुंबई इंडियंस के लिए शार्दुल ठाकुर का डेब्यू किसी सपने के सच होने जैसा रहा। 2011 से 2013 तक टीम के नेट बॉलर रहने के बाद आखिरकार उन्हें इस सीजन खेलने का मौका मिला। कोलकाता नाइट राइडर्स के खिलाफ मैच में शार्दुल ने 3/39 का शानदार प्रदर्शन कर ह्यप्लेयर ऑफ द मैचह्न का खिताब जीता और टीम को जीत दिलाई। वानखेड़े की बल्लेबाजी के अनुकूल पिच पर 444 रन बने, लेकिन शार्दुल की गेंदबाजी ने फर्क पैदा किया। हार्दिक पांड्या का बड़ा बयान मैच के बाद हार्दिक पांडया ने शार्दुल को लेकर दिल छू लेने वाला बयान दिया। उन्होंने कहा, 'मैंने शार्दुल

से इस सीजन कहा है कि अब काफी फ्रेंचाइजी बदल लीं, मैं चाहता हूं कि आप अपने करियर के अंत तक यहीं रहो।' हार्दिक ने उनकी तारीफ करते हुए आगे कहा, 'वो एक शानदार इंसान हैं, उनका दिल बहुत बड़ा है। जिस तरह वो बल्लेबाज को चकमा देने की कोशिश करते हैं, वो कमाल है। उनके लिए मैं बहुत खुश हूं।' चुनौती से निखरते हैं शार्दुल जब केकेआर छह ओवर में बिना विकेट के 68 रन बना चुका था, तब शार्दुल को गेंद थमाई गई। उन्होंने तुरंत असर दिखाते हुए खतरनाक फिन एलेन को आउट किया। शार्दुल ने मैच के बाद कहा, 'मैं पहले भी कह चुका हूं कि मुझे चुनौतियां पसंद हैं। छठे ओवर में गेंदबाजी करना आसान नहीं था, लेकिन ऐसे ही मौके मुझे बेहतर बनाते हैं। आज का प्रदर्शन भी वैसा ही था।' वानखेड़े से जुड़ी भावनाएं वानखेड़े शार्दुल के लिए खास जगह है। उन्होंने अपने शुरूआती दिनों को याद करते हुए कहा, 'यहां मेरी यादें मिली-जुली रही हैं। मैं एक युवा खिलाड़ी के तौर पर यहां नेट बॉलर था और चुपचाप मेहनत करता था। अब अपनी होम टीम के लिए खेलना खास एहसास है।' उन्होंने यह भी बताया कि मुंबई के लिए खेलना हमेशा उनका सपना था, जो अब पूरा हुआ। एमआई का भरोसा और शार्दुल की प्रतिक्रिया शार्दुल ने फ्रेंचाइजी के भरोसे के लिए आभार जताया। उन्होंने कहा, 'अगर मैं यहां लंबे समय तक रहूं तो मुझे बहुत खुशी होगी। यह मेरा घर है। जिस तरह से टीम ने मुझे सपोर्ट किया, वह शानदार है।' 'लॉर्ड शार्दुल' नाम पर क्या बोले? सोशल मीडिया पर 'लॉर्ड शार्दुल' के नाम से मशहूर शार्दुल इस निकनेम को लेकर भी खुश नजर आए। उन्होंने कहा, 'मुझे यह नाम पसंद है। यह लोगों का प्यार दिखाने का तरीका है, कोई मजाक नहीं बल्कि सकारात्मक चीज है।' रिकेल्टन ने भी दिखाई दमदार बल्लेबाजी दूसरी ओर, रेयान रिकेल्टन ने 43 गेंदों में 81 रन बनाकर टीम को मजबूत शुरूआत दी। उनकी रोहित शर्मा के साथ 148 रन की साझेदारी ने 221 रन के बड़े लक्ष्य का पीछा आसान बना दिया। रिकेल्टन ने कहा, 'मुझे दबाव महसूस हुआ, क्योंकि क्विंटन डिकॉक जैसे खिलाड़ी टीम में हैं। लेकिन मुझे खुद को साबित करना था।' रिकेल्टन ने आगे कहा, 'डिकॉक जैसे अनुभवी खिलाड़ी का साथ मिलना फायदेमंद है। वो मेरी मदद करते हैं और मैं उनके साथ खेलकर बेहतर हो रहा हूं।'

शुरू हुई 6500 केंद्रों पर गेहूं की सरकारी खरीद

लखनऊ (संवाददाता)। उत्तर प्रदेश सरकार ने आज से प्रदेशव्यापी गेहूं खरीद अभियान 2026 की औपचारिक शुरूआत कर दी ।इस वर्ष सरकार ने किसानों के हित में खरीद लक्ष्य 30 लाख मीट्रिक टन से बढ़ाकर सीधे 50 लाख मीट्रिक टन कर दिया है। अभियान 15 जून तक निरंतर जारी रहेगा।इस प्रक्रिया को सुचारू रूप से चलाने के लिए प्रदेश भर में कुल 6500 क्रय केंद्र स्थापित करने की योजना है, जिनमें से 3574 केंद्र पूरी तरह तैयार हैं। राज्य का कोई किसान फसल बेचने से वंचित न रहे। अब तक 2.24 लाख से अधिक किसान पंजीकरण करा चुके हैं, जो इस अभियान के प्रति किसानों के उत्साह को दशार्ता है।न्यूनतम समर्थन मूल्य में भारी बढ़ोतरी और भुगतान की व्यवस्था इस वर्ष किसानों को उनकी मेहनत का बेहतर फल देने के लिए सरकार ने गेहूं के न्यूनतम समर्थन मूल्य में वृद्धि की है। वर्तमान सत्र के लिए गेहूं का भाव 2585 रुपये प्रति क्विंटल निर्धारित किया गया है, जो कि पिछले वर्ष की तुलना में 160 रुपये अधिक है।मुख्यमंत्री निर्देश दिए हैं कि किसानों को उनकी उपज का दाम मिलने मे देरी नहीं होनी चाहिए। डिजिटल इंडिया को बढ़ावा देते हुए भुगतान की प्रक्रिया को बेहद पारदर्शी बनाया गया है।

जब हम अपने वर्ल्ड टूर पर थे..अमीषा पटेल ने सलमान संग शेयर की थ्रोबैक तस्वीरें

शेयर किया दिलचस्प किस्सा

फिल्म कहो ना प्यार है से बॉलीवुड में डेब्यू करने वाली एक्ट्रेस अमीषा पटेल आज किसी पहचान की मोहताज नहीं हैं। भले ही अब वो फिल्मों में नजर नहीं आती, लेकिन सोशल मीडिया पोस्ट्स से फैंस का ध्यान खींचती रहती हैं। अब हाल ही में उन्होंने फैंस के साथ कुछ खास थ्रोबैक तस्वीरें शेयर कीं, जिनमें वह सुपरस्टार सलमान खान के साथ नजर आ रही हैं। अमीषा ने अपने आधिकारिक इंस्टाग्राम अकाउंट पर ये पुरानी तस्वीरें शेयर कीं, जिनमें वह सलमान खान और अपने कुछ करीबी दोस्तों के साथ दिखाई दे रही हैं। इन तस्वीरों में दोनों सितारों की बॉन्डिंग साफ झलक रही है और फैंस को उनका ये अंदाज काफी पसंद आ रहा है। इन तस्वीरों के साथ अमीषा ने एक दिलचस्प किस्सा भी साझा किया। उन्होंने कैप्शन में लिखा-लॉस एंजिल्स, यूएसए में मेरे जन्मदिन के जश्न की एक पुरानी याद-जब हम अपने वर्ल्ड टूर पर थे!! सलमान खान के साथ जन्मदिन का सबसे प्यारा केक काटा, और वह हमेशा की तरह बेहद प्यारे लग रहे थे। जैसे ही अमीषा ने ये तस्वीरें शेयर कीं, फैंस ने उन्हें हाथों-हाथ लिया। पोस्ट पर लगातार लाइक्स और कमेंट्स की बाढ़ आ गई है। कई लोग उनकी और सलमान की दोस्ती की तारीफ कर रहे हैं, तो कुछ पुराने दौर को याद करते नजर आ रहे हैं। अमीषा पटेल और सलमान खान बड़े पर्दे पर भी साथ नजर आ चुके हैं। दोनों ने साल 2002 में रिलीज हुई फिल्म ये है जलवा में साथ काम किया था। हालांकि फिल्म बॉक्स ऑफिस पर खास कमाल नहीं दिखा पाई, लेकिन दोनों की ऑनस्क्रीन केमिस्ट्री को दर्शकों ने पसंद किया था।

दूसरी बार नाना बने अनिल कपूर ने जाहिर की अपनी खुशी

कहा-मेरा दिल और भी बड़ा हो गया

बॉलीवुड के दिग्गज एक्टर अनिल कपूर की खुशी इन दिनों सातवें आसमान पर है। हो भी क्यों न भाई..एक्टर दूसरी बार नाना जो बन गए हैं। हाल ही में उनकी बेटी व एक्ट्रेस सोनम

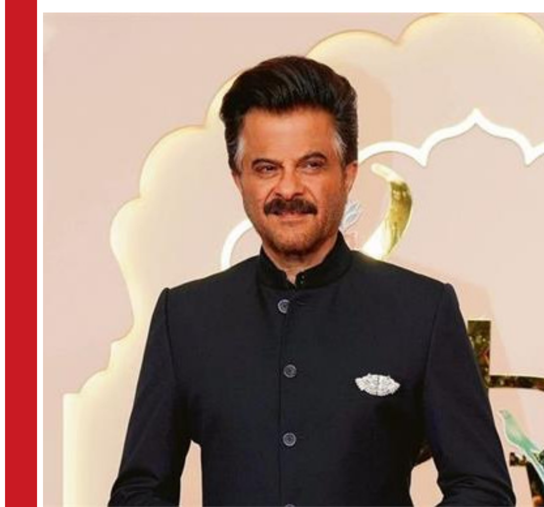

कपूर ने दूसरे बेटे को जन्म दिया है। ऐसे में अनिल कपूर दूसरी नाना बनने से खुशी से झूम उठे हैं। उन्होंने सोशल मीडिया पर पोस्ट शेयर कर खुशी जाहिर की है और बेटी-दामाद को बधाई दी है। सोनम कपूर और आनंद आहूजा के घर 29 मार्च 2026 को दूसरे बेटे की किलकारी गूंजी है। उन्होंने सोशल मीडिया पर जॉइंट पोस्ट शेयर कर यह खुशखबरी दी थी। वहीं, अब बेटी-दामाद के बाद अनिल कपूर ने भी पोस्ट शेयर कर अपनी खुशी बयां की है। अनिल कपूर ने अपने इंस्टाग्राम पर एक पोस्ट शेयर कर लिखा-और बस यूं ही... मेरा दिल और भी बड़ा हो गया है। इस दुनिया में तुम्हारा स्वागत है, मेरे नन्हे-मुन्नेय तुम्हें अभी से ही बहुत-बहुत प्यार मिल रहा है। अनिल कपूर ने अपने बड़े नाती वायु के लिए भी खास मैसेज लिखा। उन्होंने कहा-वायु, अब तुम बड़े भाई बन गए हो... और मुझे पता है कि तुम एक बेहतरीन भाई बनोगे। धन्यवाद, सोनम और आनंद... नाना का दिल खुशी से भर गया है। इस दीवानगी भरी दुनिया में तुम्हारा स्वागत है। मेरे बच्चे-प्यार से भरी एक पूरी जिंदगी में तुम्हारा स्वागत है। बता दें, सोनम कपूर और आनंद आहूजा ने साल 2018 में शादी की थी। उन्होंने अपने पहले बेटे वायु का 2022 में स्वागत किया था। नवंबर 2025 में सोनम ने अपनी दूसरी प्रेग्नेंसी की घोषणा की थी और फरवरी 2026 में उनका बेबी शॉवर भी हुआ था। अब दूसरे बेटे के आगमन के साथ कपूर परिवार में खुशियों का माहौल है और फैंस भी इस खबर से काफी उत्साहित हैं।

अगर मैं मर जाऊं तो मेरी राख..इस वजह हुआ था जरीन खान हिंदू रीति-रिवाज से अंतिम संस्कार

बेटे जायद खान ने किया खुलासा

पिछले साल फेमस इंटीरियर डिजाइनर सुजैन खान की मां और पूर्व एक्ट्रेस जरीन खान का निधन हो गया था। जरीन खान को खोने से उनकी फैमिली को बड़ा धक्का लगा था। वहीं, जरीनकान के बेटे जायद खान ने हिंदू रीति-रिवाजों से अपनी मां का अंतिम संस्कार किया था। हालांकि, कई लोगों ने उनके मुस्लिम होकर हिंदू रिवाज से जरीन खान की अंतिम रस्में करने

पर सवाल उठाए थे। वहीं, अब हाल ही में आलोचना झेलने के बाद जायद खान ने अपनी मां का हिंदू रीति-रिवाज से अंतिम संस्कार करने की वजह का खुलासा किया। हाल ही में एक इंटरव्यू में जायद खान अपनी मां जरीन खान के हिंदू रीति रिवाज से किए अंतिम संस्कार को लेकर उठे सवालों पर जवाब दिया। जायद ने बताया कि उनके घर में इंसानियत सर्वोपरि है। उनके कर्मचारी कई तरह के बैकग्राउंड से आते हैं और उनके रहने, खाने और अन्य खर्चों का ख्याल रखने के अलावा, उनका परिवार यह भी देखता है कि उनके बच्चों को सभी मौके मिलें। उन्होंने कहा हमारा परिवार धर्म को एक बहुत ही निजी मामला मानता है, और इसे देखने का तरीका अलग-अलग होता है, न कि यह कि कौन सा बेहतर है और कौन सा बुरा। ये ऐसी बातें नहीं हैं जिन पर बहस करना उचित है। हम खुद को एक धर्मनिरपेक्ष परिवार मानते हैं और हमें यह बताने की जरूरत नहीं है कि क्यों। आगे जायद ने अपनी मां की अंतिम इच्छा का खुलासा करते हुए उस दिन को याद किया जब वह एक सुंदर नदी के किनारे बैठी थीं और उनके मन में अचानक यह विचार आया कि अगर मैं कभी मर जाऊं, तो मैं चाहती हूं कि मेरी राख इस नदी में बह जाए। मैं मुक्त होना चाहती हूं। आपकी मां की जो भी अंतिम इच्छा होगी, वही पूरी होगी। दूसरे लोग कुछ भी कहें, कोई फर्क नहीं पड़ता। वे कितने भी नफरत भरे क्यों न हों, कोई फर्क नहीं पड़ता। मैं उन्हें दोष नहीं देता, हालात ऐसे हैं, दुर्भाग्य से। उन हालातों को बदलने में वक्त लगेगा। बता दें, जायद खान और सुजैन खान की मां और एक्ट्रेस जरीन खान का पिछले साल 7 नवंबर को मुंबई में निधन हो गया था। वह 81 वर्ष की आयु में इस दुनिया को अलविदा कह गई थीं। उम्र संबंधी बीमारियों के कारण उनका निधन हो गया था।

चौथे बच्चे के पिता बने एक्टर विवियन डीसेना

तीन बेटियों के बाद घर आया नन्हा शहजादा

मनोरंजन जगत से इस वक्त एक के बाद एक गुड न्यूज सामने आ रही है। जहां बीते रविवार एक्ट्रेस सोनम कपूर ने अपने दूसरे बेटे को जन्म दिया। वहीं, टीवी के जाने-माने एक्टर विवियन डीसेना भी एक बार फिर से पिता बन गए हैं। हाल ही में उन्होंने बीवी नूरान संग चौथे बच्चे का स्वागत किया

है। इस बात की खुशखबरी एक्टर ने खुद सोशल मीडिया पर पोस्ट के जरिए दी है। टीवी रियलिटी शो बिग बॉस 18 में नजर आ चुके विवियन डीसेना की पहले से ही तीन बेटियां है, जिनमें दो सौतेली बेटियां हैं। अब उन्होंने चौथे बच्चे के तौर पर एक बेटे का स्वागत किया है। विवियन ने अपने इंस्टाग्राम हैंडल पर बेटे के जन्म की पुष्टि की। उन्होंने लिखा- श्कुछ समय के लिए लाइमलाइट से दूर रहा३ लेकिन इसका एक कारण था। कुछ कहानियां घोषित नहीं की जातीं, उन्हें पहले जिया जाता है। चुप्पी ने ही सब कुछ कह दिया हमारा परिवार अब और बड़ा हो गया है और इस बार, एक राजकुमार आया है। निजी जिंदगी की बात करें तो विवियन ने मिस्त्र की पत्रकार नूरान अली से साल 2022 में शादी की थी। नूरान की पहले भी एक शादी हो चुकी है, जिससे उनको दो बेटियां थी। ऐसे में शादी के बाद अब विवियन कुल 4 बच्चों के पिता बन गए हैं।

कांतारा फेम एक्ट्रेस सप्तमी गौड़ा इस पीरियड एक्शन ड्रामा में आएंगी नजर

बड़े लेवल पर हो रही फिल्म की तैयारी

एक्ट्रेस सप्तमी गौड़ा को लेकर खबर आ रही है कि वह जल्द ही एक्टर श्रीमुरली के साथ आने वाली पीरियड एक्शन ड्रामा फिल्म में नजर आ सकती हैं। सप्तमी गौड़ा ने अपने करियर की शुरूआत डायरेक्टर सूरी की फिल्म पॉपकॉर्न मंकी टाइगर से की थी। इसके बाद उन्हें ऋषभ शेट्टी की फिल्म कांतारा से बड़ी पहचान मिली। इस फिल्म के बाद उन्होंने हिंदी और तेलुगु फिल्मों में भी काम करना शुरू कर दिया है। अब उनकी अगली फिल्म को लेकर बड़ी अपडेट सामने आ रही है। 500 साल पहले की कहानी पर होगी फिल्म एक्ट्रेस सप्तमी गौड़ा जल्द ही एक्टर श्रीमुरली के साथ आने वाली पीरियड एक्शन ड्रामा फिल्म उग्रयुद्धम में नजर आ सकती हैं। फिलहाल इसकी आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है, लेकिन इंडस्ट्री सूत्रों के मुताबिक सप्तमी को इस फिल्म में फीमेल लीड के तौर पर कास्ट किया गया है।इस फिल्म को डेब्यू डायरेक्टर पुनीत रुद्रनाग डायरेक्ट कर रहे हैं, वहीं इसे जयाराम देवसमुद्रा सुरम मूवीज के बैनर तले प्रोड्यूस कर रहे हैं। फिल्म बड़े स्तर पर बनाई जा रही है और इसमें इतिहास और फिक्शन देखने को मिलेगा। कहानी लगभग 500 साल पहले के समय पर आधारित बताई जा रही है। श्रीमुरली ने उग्रयुद्धम को बताया ड्रीम प्रोजेक्ट यह पहली बार होगा जब सप्तमी गौड़ा और श्रीमुरली एक साथ स्क्रीन शेयर करेंगे। श्रीमुरली ने उग्रयुद्धम को अपना ड्रीम प्रोजेक्ट बताया है और अपने किरदार के लिए वह खास तैयारी भी कर रहे हैं। खबर है कि वह इस फिल्म में एक नए लुक में नजर आएंगे, जो फिल्म के ऐतिहासिक माहौल के मुताबिक होगा। फिलहाल सप्तमी के रोल को लेकर ज्यादा जानकारी अभी सामने नहीं आई है। हाल ही में द राइज ऑफ अशोका में नजर आने के बाद उग्रयुद्धम उनकी फिल्मों की लिस्ट में एक बड़ा प्रोजेक्ट मानी जा रही है। फिल्म की टेक्निकल टीम में सिनेमैटोग्राफर संकेथ (मैसूर), आर्ट डायरेक्टर अमर और वीएफएक्स का काम निर्मल कुमार संभाल रहे हैं, जो सलार में अपने काम के लिए जाने जाते हैं। हलागली में भी नजर आएंगी सप्तमी उग्रयुद्धम के अलावा सप्तमी गौड़ा एक और पीरियड फिल्म हलागली में भी नजर आएंगी, जिसे सुकेश नायक डायरेक्ट कर रहे हैं और इसमें धनंजय भी उनके साथ हैं। इस फिल्म की शूटिंग फिलहाल जारी है।

अल्लू अर्जुन की 25वीं फिल्म का ऐलान! पहली बार मलयालम फिल्ममेकर के साथ करेंगे काम, ये होगा मूवी का नाम

एक्टर अल्लू अर्जुन इन दिनों तमिल डायरेक्टर्स एटली और लोकेश कनगराज के साथ काम कर रहे हैं, लेकिन इसी बीच उनकी 25वीं फिल्म को लेकर बड़ी अपडेट सामने आ रही है। इस समय अल्लू अर्जुन अपनी बड़ी फिल्म अअ22 में बिजी हैं, जिसे एटली डायरेक्ट कर रहे हैं और इसमें दीपिका पादुकोण भी नजर आएंगी। इसके बाद उनकी फिल्म लोकेश कनगराज के साथ इस साल शुरू होने वाली है। इसी बीच उनकी 25वीं फिल्म को लेकर बड़ी खबर सामने आई है। बेसिल जोसेफ के साथ करेंगे काम खबर आ रही है कि अल्लू अर्जुन अपनी 25वीं फिल्म के लिए मलयालम फिल्ममेकर और एक्टर बेसिल जोसेफ के साथ काम करने वाले हैं। इस फिल्म का टेंटेटिव नाम अअ25 बताया जा रहा है। हालांकि अभी तक इसका आधिकारिक ऐलान नहीं हुआ है, लेकिन रिपोर्ट्स के मुताबिक यह प्रोजेक्ट अब लगभग पक्का हो चुका है। इस फिल्म को लेकर चर्चा तब और तेज हो गई जब बेसिल जोसेफ को अल्लू अर्जुन, एटली और लोकेश कनगराज के साथ एक इवेंट में देखा गया। यह इवेंट अल्लू अर्जुन के भाई अल्लू सिरीश की शादी के दौरान हुआ था। इसके बाद से ही ये खबरें आने लगीं कि बेसिल, अल्लू अर्जुन को डायरेक्ट करने वाले हैं, और अब कहा जा रहा है कि यह डील फाइनल हो चुकी है। अल्लू अर्जुन और बेसिल जोसेफ के बारे में अगर ऐसा होता है तो यह पहली बार होगा जब अल्लू अर्जुन किसी मलयालम डायरेक्टर के साथ काम करेंगे। केरल में उनकी फैन फॉलोइंग पिछले 20 वर्षों से काफी मजबूत रही है। उनकी फिल्में जैसे आर्या, हैप्पी और हाल ही में पुष्पा ने उन्हें अलग-अलग जगहों पर और भी ज्यादा पॉपुलर बना दिया है। बेसिल जोसेफ अपनी फिल्म मिन्नल मुरली के लिए जाने जाते हैं। इस फिल्म को लोकल स्टोरी के साथ नए आइडियाज की वजह से काफी सराहा गया था। इसे देश और विदेश दोनों जगह अच्छा रिस्पॉन्स मिला था। आधिकारिक घोषणा का इंतजार रिपोर्ट्स के मुताबिक यह नई फिल्म अगले साल शुरू हो सकती है और इसे गीता आर्ट्स प्रोड्यूस करेगा, जिसे अल्लू अरविंद चलाते हैं। फिलहाल फिल्म की बाकी कास्ट और टीम के बारे में कोई जानकारी सामने नहीं आई है। वहीं यह भी चर्चा है कि अपनी 23वीं फिल्म लोकेश कनगराज के साथ पूरी करने के बाद अल्लू अर्जुन डायरेक्टर संदीप रेड्डी वांगा के साथ भी काम कर सकते हैं।

शराब पीकर गाली देने पर बड़े ने की छोटे भाई की हत्या

लखनऊ (संवाददाता)। राजधानी में बड़े भाई ने सो रहे छोटे भाई के सिर-चेहरे पर रॉड से हमला कर उसकी हत्या कर दी। दोनों ने रात में शराब पी थी। उसके बाद झगड़ा किया। झगड़े में बड़े भाई ने मां की गाली दी। इस पर छोटे ने धमकी दी कि अगर तुम बड़े न होते तो तुमको आज मार डालता। इस पर मां ने बीचबचाव कर दोनों को शांत करा दिया। छोटा भाई जब सो गया तो बड़ा भाई छत से उतरकर उसके कमरे में रॉड लेकर पहुंचा। उसने सो रहे छोटे भाई के सिर और चेहर पर लोहे के रॉड से ताबड़तोड़ वार किए, जिससे उसकी मौत हो गई। मामला बंथरा थाना क्षेत्र के खांडेदेव गांव का है। वारदात रविवार रात करीब 11 बजे की है। इसकी जानकारी सोमवार तड़के मां को तब हुई जब वह छोटे बेटे को जगाने गई। उसके चेहरे से चादर हटाई तो सिर और चेहरा खून से सना हुआ था। यह देखते ही मां बिलख पड़ी। इससे पड़ोसी भी जागकर वहां आ गए। पुलिस को सूचना दी गई। पुलिस ने सुबह बड़े बेटे को गिरफ्तार कर लिया। मृतक की पहचान आलोक उर्फ गोलू (24) के रूप में हुई। बड़े भाई श्रवण गौतम (30) ने उसके सिर पर रॉड से मारा। आरोपी 3 भाई हैं। मझला भाई वीरेंद्र उर्फ अटल मानसिक रूप से कमजोर है। पिता पुत्तीलाल की 8 साल पहले मौत हो गई थी। बंथरा थाना प्रभारी राणा राजेश सिंह ने बताया सोमवार सुबह सूचना मिली कि किसी ने युवक की चाकू मारकर हत्या कर दी। जब मौके पर खांडेदेव गांव पहुंचे तो पता चला कि आलोक के सिर पर उसके सगे बड़े भाई श्रवण ने रॉड मारकर हत्या की है। दोनों में किसी बात को लेकर रात करीब 9.30 बजे झगड़ा हो गया था। उसके बाद दोनों सोने चले गए।

ईरान ने कुवैत के पावर प्लांट पर किया हमला

एक भारतीय की मौत; पश्चिम एशिया में बढ़ रहा तनाव

कुवैत सिटी (एजेंसी)। ईरान की तरफ से कुवैत पर हमला किया गया है, जिसमें एक भारतीय मजदूर की मौत हो गई है। पश्चिम एशिया में हालात तेजी से तनावपूर्ण होते जा रहे हैं। कुवैत, लेबनान और इस्राइल के बीच बढ़ती घटनाएं इस बात का संकेत हैं कि क्षेत्र में संघर्ष और बढ़ सकता है, जिससे आम लोगों और खासकर विदेशी कामगारों की सुरक्षा को लेकर चिंता बढ़ गई है। कुवैत में ईरान की ओर से हुए हमले में एक भारतीय नागरिक की मौत हो गई है। कुवैत के बिजली, पानी और नवीकरणीय ऊर्जा मंत्रालय ने सोमवार को बताया कि रविवार शाम को हुए इस हमले में एक बड़े पावर और पानी के डीसैलिनेशन (समुद्री पानी को पीने योग्य बनाने वाला) प्लांट के सर्विस बिल्डिंग को निशाना बनाया गया। इस हमले में वहां काम कर रहे एक भारतीय कर्मचारी की जान चली गई और इमारत को भारी नुकसान पहुंचा। पश्चिम एशिया में चल रहे संघर्ष के एक महीने के दौरान भारतीय नागरिकों की मौतों की संख्या आठ हो गई है। हमले के बाद तकनीकी और इमरजेंसी टीम तैनात मंत्रालय के प्रवक्ता के मुताबिक, यह हमला कुवैत के खिलाफ ईरानी आक्रामक कार्रवाई का हिस्सा था। हमले के तुरंत बाद तकनीकी और इमरजेंसी टीमों को मौके पर भेजा गया, जिन्होंने हालात को संभालने और प्लांट को चालू रखने के लिए काम शुरू कर दिया। यह पूरा काम सुरक्षा एजेंसियों और अन्य संबंधित विभागों के साथ मिलकर किया जा रहा है ताकि प्रभावित इलाके को सुरक्षित किया जा सके और जरूरी सेवाएं जारी रह सकें। सरकार ने लोगों से शांति बनाए रखने और अफवाहों से बचने की अपील की है। साथ ही भरोसा दिलाया है कि बिजली और पानी की सप्लाई को किसी भी हालत में बाधित नहीं होने दिया जाएगा। इसके लिए टीमें लगातार काम कर रही हैं और हर स्थिति के लिए तैयार हैं। भारतीय दूतावास, कुवैत ने मृतक भारतीय नागरिक की मौत की पुष्टि की और इसे दुर्भाग्यपूर्ण निधन बताया। दूतावास ने सोशल मीडिया पोस्ट में कहा 'दूतावास कुवैती अधिकारियों के साथ मिलकर सभी संभव सहायता प्रदान करने के लिए निकटता से काम कर रहा है।' कुवैती अधिकारियों ने इस हमले को सामूहिक और क्रूर बताया, हालांकि उन्होंने हमले के प्लांट की पहचान नहीं कराई। लेबनान में भी बढ़ रहा तनाव इधर, लेबनान में भी तनाव बढ़ता दिख रहा है। दक्षिणी लेबनान के अडचित अल-कुसैर इलाके में संयुक्त राष्ट्र शांति मिशन (यूएनआईएफआईएल) के ठिकाने पर एक प्रोजेक्टाइल गिरने से एक शांति सैनिक की मौत हो गई, जबकि एक अन्य गंभीर रूप से घायल हो गया। यूएन आईएफआईएल ने कहा कि यह प्रोजेक्टाइल कहां से आया, इसकी जांच शुरू कर दी गई है। संगठन ने इस घटना को बेहद दुखद बताते हुए कहा कि शांति बनाए रखने के लिए काम कर रहे लोगों की जान जाना बहुत गंभीर बात है।

चीन-उत्तर कोरिया के बीच सीधी उड़ान सेवा फिर शुरू, कोरोना महामारी की शुरूआत से थी बंद

बीजिंग (एजेंसी)। चीन और उत्तर कोरिया के बीच छह साल बाद सीधी उड़ान सेवा फिर से शुरू हो गई है। यह प्योंगयांग के बीच सीधी उड़ान सेवा फिर से शुरू कर दी। यह कदम दोनों देशों के बीच यात्री ट्रेन सेवाओं की बहाली के कुछ ही समय बाद उठाया गया है। चीन के सरकारी मीडिया के अनुसार, एयर चाइना की इस उड़ान का स्वागत उत्तर कोरिया में चीन के राजदूत वांग याजुन और अन्य राजनयिकों ने किया। इससे पहले, 12 मार्च को चीन और उत्तर कोरिया के बीच यात्री ट्रेन सेवा भी दोबारा शुरू की गई थी। कोरोना महामारी की शुरूआत से बंद थी ट्रेन और हवाई सेवाएं कोविड-19 महामारी की शुरूआत के बाद से चीन ने उत्तर कोरिया के लिए उड़ान और ट्रेन सेवाएं पूरी तरह से बंद कर दीं थी। हालांकि, उत्तर कोरिया की एयरलाइन एयर कोरियो ने 2023 में ही दोनों देशों की राजधानियों के बीच उड़ान सेवा बहाल कर दी थी। महामारी के दौरान उत्तर कोरिया ने सभी विदेशी पर्यटकों के प्रवेश पर प्रतिबंध लगा दिया था, लेकिन अब वह धीरे-धीरे इन पाबंदियों में ढील दे रहा है। 2024 में रूस के पर्यटक समूहों ने उत्तर कोरिया का दौरा शुरू कर दिया था। उत्तर कोरिया जाने वाले पर्यटकों में 90 फीसदी चीनी पर्यटक की संख्या थी प्रतिबंध से पहले उत्तर कोरिया आने वाले कुल पर्यटकों में लगभग 90 प्रतिशत हिस्सेदारी चीनी पर्यटकों की थी। ऐसे में चीनी पर्यटकों की वापसी में हो रही देरी ने विशेषज्ञों को चौंकाया था। अब ट्रेन और हवाई सेवाओं की बहाली से चीनी पर्यटकों की उत्तर कोरिया में आमद बढ़ने की उम्मीद जताई जा रही है।

उड़ान सेवा बीते छह वर्षों से बंद थी और इसके चलते उत्तर कोरिया जाने वाले चीनी पर्यटकों की संख्या में गिरावट दर्ज की गई। इससे पहले चीन और उत्तर कोरिया के बीच ट्रेन सेवा भी बहाल हो चुकी है। चीन की राष्ट्रीय विमानन कंपनी एयर चाइना ने सोमवार को राजधानी बीजिंग और उत्तर कोरिया की राजधानी

होर्मुज के चलते रोजाना 8-10 मिलियन बैरल तेल आपूर्ति ठप

कीमतों में लंबी उछाल तय

नई दिल्ली (एजेंसी)। पश्चिम एशिया का युद्ध अब वैश्विक तेल और गैस बाजार को झकझोर रहा है। होर्मुज के प्रभावित होने से रोजाना लाखों बैरल तेल और बड़ी मात्रा में एलएनजी सप्लाई रुक गई है। विशेषज्ञों के मुताबिक इससे पेट्रोल, डीजल और जेट फ्यूल की भारी कमी और कीमतों में लंबी तेजी तय है। हालात 1973 जैसे बड़े ऊर्जा संकट की याद दिला रहे हैं, जहां दुनिया को जल्द राहत मिलती नहीं दिख रही। ईरान युद्ध के बीच वैश्विक ऊर्जा बाजार गहरे संकट में प्रवेश कर चुका है। एस एंड पी ग्लोबल के सीईआरए वीक सम्मेलन में दुनिया की सबसे बड़ी तेल और गैस कंपनियों के सीईओ ने चेतावनी दी कि हॉर्मुज जलडमरूमध्य के बंद होने से रोजाना 8झ10 मिलियन (80-100 करोड़) बैरल तेल और वैश्विक एलएनजी आपूर्ति का करीब 20% बाजार से बाहर हो गया है। इससे जेट फ्यूल, डीजल और पेट्रोल की आपूर्ति में भी अभूतपूर्व संकट पैदा हो गया है, जिसकी लहर एशिया से यूरोप तक तेजी से फैल रही है और कीमतों में दीर्घकालिक उछाल अब लगभग तय माना जा रहा है। कॉनोकोफिलिप्स के सीईओ रयान लांस ने स्पष्ट कहा कि इतनी बड़ी मात्रा में तेल और गैस को वैश्विक बाजार से हटाने के गंभीर परिणाम अपरिहार्य हैं। कुवैत पेट्रोलियम कॉरपोरेशन के सीईओ शेख नवाफ अल-सबाह ने इसे खाड़ी तेल उत्पादकों के खिलाफ आर्थिक नाकेबंदी करार देते हुए कहा कि ईरान ने हॉर्मुज को बंद कर वैश्विक अर्थव्यवस्था को बंधक बना दिया है। स्वतंत्र विश्लेषक पॉल सैंकी ने स्थिति को 1973 के अरब ऑयल एम्बार्गो के बाद सबसे गंभीर बताते हुए कहा कि हम एक ऐसी स्थिति में हैं जहां ईरान का हॉर्मुज पर डि-फैक्टो नियंत्रण है और यह संकट अभूतपूर्व है। एलएनजी सप्लाई पर दबाव, तत्काल राहत नहीं चेनीयर के सीईओ जैक फुस्को ने कहा कि कंपनी पूरी क्षमता पर उत्पादन कर रही है, लेकिन अमेरिका से एशिया तक एलएनजी पहुंचाने में 28 दिन लगते हैं। ऐसे में कतर पर निर्भर एशियाई देशों को तुरंत राहत मिलना मुश्किल है। जॉन्स हॉपकिन्स यूनिवर्सिटी के विशेषज्ञ वली नसर के अनुसार ईरान युद्धविराम नहीं बल्कि व्यापक समझौता चाहता है, जिसमें हॉर्मुज पर नियंत्रण, आर्थिक मुआवजा और सुरक्षा गारंटी शामिल हैं। पूर्व अमेरिकी रक्षा मंत्री जनरल जिम मैटिस ने कहा कि यह संघर्ष फिलहाल गतिरोध में है, लेकिन आगे और बढ़ सकता है। उन्होंने चेतावनी दी कि अमेरिकी नौसेना के लिए हॉर्मुज से ओमान की खाड़ी तक समुद्री मार्गों की सुरक्षा करना बेहद चुनौतीपूर्ण होगा। तीन साल के उच्चतम स्तर पर तेल की कीमतें सीएनबीसी के अनुसार युद्ध के दौरान जब वार्ता की उम्मीद बढ़ी तो कीमतें गिरीं और तनाव बढ़ते ही फिर उछलीं। सप्ताह के दौरान राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने ईरान के पावर प्लांट पर हमले की धमकी से पीछे हटते हुए कहा कि तेहरान समझौता चाहता है, लेकिन निवेशकों की चिंता बनी रही। 28 फरवरी को अमेरिकी कच्चा तेल 49% बढ़कर 99.64 डॉलर प्रति बैरल और ब्रेंट 55% उछलकर 112.57 डॉलर प्रति बैरल पर पहुंच गया जो तीन साल का उच्चतम स्तर है। सरकारें सुरक्षित कर रहीं अपना तेल भंडार, बिगड़ेगी स्थिति टोटलएनर्जी के सीईओ पैट्रिक पुइयाने के मुताबिक, जेट फ्यूल की कीमत 200 डॉलर प्रति बैरल और डीजल 160 डॉलर प्रति बैरल तक पहुंच चुकी है जो असामान्य उछाल है। रूस और चीन ने पेट्रोलियम उत्पादों के निर्यात पर रोक लगा दी है, जबकि थाईलैंड में पेट्रोल की राशनिंग शुरू हो गई है।

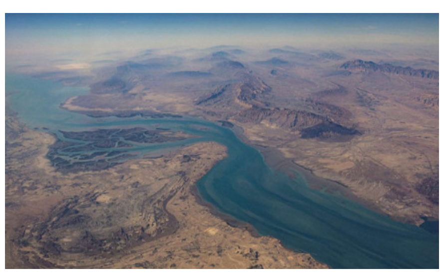

रूस ने ब्रिटिश राजनयिक को किया निष्कासित, जासूसी का लगाया आरोप; दो हफ्ते के भीतर देश छोड़ने का आदेश

मॉस्को (एजेंसी)। रूस ने जासूसी और गलत जानकारी देने के आरोप में एक ब्रिटिश राजनयिक की मान्यता रद्द कर उसे दो हफ्तों में देश छोड़ने का आदेश दिया। इसके अलावा, रूसी विदेश मंत्रालय ने ब्रिटेन की कार्यवाहक उच्चायुक्त कोतलब किया है। रूस ने सोमवार को जासूसी के आरोप में एक ब्रिटिश राजनयिक को देश से निष्कासित किया और उसे दो हफ्तों के भीतर मॉस्को को छोड़ने का आदेश दिया। रूस की संघीय सुरक्षा सेवा (एफएसबी) ने यह जानकारी दी।

एफएसबी सोवियत काल की केजीबी की प्रमुख उत्तराधिकारी संस्था है। इसने एक बयान में कहा, जानसे वैन रेंसबर्ग की मान्यता रद्द करने का फैसला लिया गया है। उन्हें दो सप्ताह के भीतर रूस छोड़ने का आदेश दिया गया है। इससे पहले सोमवार को रूस के विदेश मंत्रालय ने ब्रिटेन की कार्यवाहक उच्चायुक्त डैने डोलाकिया को तलब किया और कड़ा विरोध दर्ज कराया। रूसी विदेश मंत्रालय ने कहा, यह कदम इस खुलासे के बाद उठाया गया कि ब्रिटिश दूतावास के एक कर्मचारी ने देश में प्रवेश पाने के लिए अपने बारे में 'जानबूझकर गलत जानकारी'दी थी। मंत्रालय ने कहा, एफएसपी ने अपनी खुफिया विरोधी गतिविधियों के दौरान पाया कि मॉस्को में ब्रिटिश दूतावास के नाम पर ब्रिटेन की खुफिया मौजूदगी छिपाई जा रही थी। इसने आगे कहा, रूसी कानूनों के उल्लंघन और 1961 के वियना सम्मेलन (कन्वेंशन) के अनुच्छेद 9 के अनुसार इस व्यक्ति की मान्यता रद्द किए जाने की जानकारी ब्रिटिश पक्ष को दी गई।

राष्ट्रपति ट्रंप के विमान एयर फोर्स वन की सुरक्षा में बड़ी चूक, तुरंत भेजे गए एफ-16 लड़ाकू विमान

वॉशिंगटन (एजेंसी)। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की सुरक्षा में रविवार को बड़ी चूक हुई। दरअसल एक नागरिक विमान ने फ्लोरिडा के पाम बीच अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर राष्ट्रपति के आधिकारिक विमान एयर फोर्स वन के उड़ान प्रतिबंध का उल्लंघन कर दिया। जिसके चलते तुरंत लड़ाकू विमानों को रवाना करना पड़ा। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की सुरक्षा में रविवार को उस समय भारी चूक हुई, जब एक नागरिक विमान ने राष्ट्रपति के विमान एयर फोर्स वन के करीब उड़ान प्रतिबंध का उल्लंघन किया। जिसके चलते अफरा-तफरी का माहौल बन गया और तुरंत एफ-16 लड़ाकू विमानों को सुरक्षा के लिए भेजा गया और फ्लेयर्स का इस्तेमाल किया गया। नागरिक विमान ने एयर फोर्स वन के उड़ान प्रतिबंध का उल्लंघन किया न्यूयॉर्क पोस्ट की रिपोर्ट के अनुसार, घटना रविवार को फ्लोरिडा के पाम बीच अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर घटी। घटना के चलते अधिकारियों ने हवाई अड्डे पर विमानों की आवाजाही रोक दी और नॉर्थ अमेरिकन एयरोस्पेस डिफेंस कमांड के विमानों को तुरंत रवाना कर नागरिक विमानों को रोक लिया गया। हालांकि व्हाइट हाउस ने बताया कि न तो एयर फोर्स वन और न ही राष्ट्रपति ट्रंप को खतरा था। ठडफ्अऊद्वारा जारी बयान के अनुसार, एफ-16 लड़ाकू विमानों ने 29 मार्च 2026 को दोपहर करीब 1.15 बजे पाम बीच के ऊपर विमान को रोका। नागरिक विमान ने उस क्षेत्र में लागू अस्थायी उड़ान प्रतिबंध का उल्लंघन किया था।

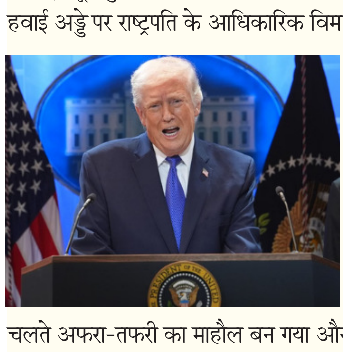

उत्तर-पश्चिम भारत में बर्फबारी, मैदान में बारिश; जम्मू-कश्मीर में दो हाईवे बंद, हिमाचल में येलो अलर्ट

नई दिल्ली (एजेंसी)। उत्तरी ईरान और उससे सटे कैस्पियन सागर के ऊपर सक्रिय पश्चिमी विक्षोभ के प्रभाव से उत्तर-पश्चिम भारत में मौसम के मिजाज में बदलाव आया है। जम्मू-कश्मीर और हिमाचल प्रदेश के ऊंचाई वाले इलाकों में भारी बर्फबारी और घाटी व मैदानी इलाकों में बारिश हुई है। पंजाब और हरियाणा समेत मैदानी राज्यों में तेज हवा और गरज-चमक के साथ छिटपुठ बारिश दर्ज की गई है। संभावना है कि आने वाले हफ्ते में मौसम का मिजाज ऐसा ही बना रहेगा। हिमाचल प्रदेश के शिमला, कुल्लू और मंडी में सोमवार को आंधी का येलो अलर्ट जारी किया गया है। भारतीय मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) के अनुसार, उत्तर-पश्चिमी राजस्थान और उसके आसपास के क्षेत्रों में निचले क्षोभमंडलीय स्तर पर तेज चक्रवाती हवाएं चल रही हैं। उत्तर-पश्चिमी राजस्थान से लेकर उत्तरी मध्य प्रदेश तक निचले क्षोभमंडलीय स्तर पर एक कम दबाव का क्षेत्र बना हुआ है। 2 अप्रैल को उत्तर-पश्चिम भारत में एक नए पश्चिमी विक्षोभ के सक्रिय होने की संभावना है। मौसम संबंधी इन प्रणालियों के प्रभाव से जम्मू-कश्मीर, लद्दाख, गिलगित, बाल्टिस्तान, मुजफ्फरबाद में रविवार को हल्की बारिश हुई। हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड, पंजाब, हरियाणा, पूर्वी व पश्चिमी राजस्थान में हल्की बारिश हुई और कुछ स्थानों पर ओले गिरे। हिमाचल प्रदेश और उत्तराखंड में कैसा रहेगा मौसम? आईएमडी के अनुसार, 30 मार्च और 2-3 अप्रैल को गरज-चमक के साथ हल्की बारिश और बर्फबारी होने और 30-50 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से हवा चलने की संभावना है। हिमाचल प्रदेश और उत्तराखंड में 4 अप्रैल को भी यही स्थिति रहेगी। उत्तराखंड में 30 मार्च को ओलावृष्टि की भी संभावना है। पंजाब, हरियाणा, चंडीगढ़, दिल्ली, उत्तर प्रदेश और राजस्थान में 30-31 मार्च के दौरान छिटपुट से मध्यम वर्षा के साथ गरज, बिजली चमकने और 30-50 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से तेज हवा चलने की संभावना है। वहीं, पूर्वोत्तर भारत और इससे सटे पूर्वी भारत में इस सप्ताह छिटपुट से लेकर व्यापक वर्षा के साथ गरज, चमक और तेज हवा चलने की संभावना है। पूर्वोत्तर भारत में 30 मार्च से 1 अप्रैल के दौरान छिटपुट भारी वर्षा भी हो सकती है। दक्षिण प्रायद्वीपीय भारत में इस सप्ताह छिटपुट वर्षा के साथ गरज, बिजली चमकने और तेज हवाएं चलने की संभावना है। हिमाचल प्रदेशः रोहतांग में बर्फबारी हिमाचल प्रदेश के रोहतांग दर्रा समेत ऊंचाई वाले अन्य क्षेत्रों में रविवार को बर्फबारी हुई। कुल्लू और लाहौल-स्पीति जिले में रविवार सुबह से दोपहर तक ऊंची चोटियों पर हिमपात हुआ। रोहतांग दर्रा में 20, कोकसर में 3, शिकुंला में 15, कुंजुम पास में 15 और बारालाचा में 20 सेंटीमीटर तक बर्फबारी हुई। हिमपात के कारण शिंकुला टॉप से वाहनों की आवाजाही बंद रही। पर्यटन नगरी मनाली से दोपहर तक अटल टनल रोहतांग की तरफ वाहनों की आवाजाही बाधित रही। शिमला, धर्मशाला समेत मध्यम और निचले क्षेत्रों में बारिश हुई। इससे हिमाचल प्रदेश में एक बार फिर ठंड बढ़ गई है। श्रीनगर-लेह और बांदीपोरा-गुरेज हाईवे बंद जम्मू-कश्मीर में रविवार सुबह मैदानी इलाकों में बारिश तो पहाड़ों पर बर्फबारी हुई। बर्फबारी से श्रीनगर-लेह राष्ट्रीय राजमार्ग और बांदीपोरा-गुरेज मार्ग बंद हो गया है।

'केरल के चुनाव में भाजपा अप्रासंगिक', कांग्रेस नेता ने केंद्र पर साधा निशाना; लगाए गंभीर आरोप

तिरुवनंतपुरम (एजेंसी)। कांग्रेस नेता के मुरलीधरन ने केरल में भाजपा को अप्रासंगिक बताते हुए केंद्र सरकार पर वादे पूरे न करने का आरोप लगाया। उन्होंने मेट्रो और अक्क्टर परियोजनाओं में देरी का मुद्दा उठाया और कहा कि राज्य में असली मुकाबला यूडीएफ और एलडीएफ के बीच ही है। तिरुवनंतपुरम की वट्टियूरकावु सीट से कांग्रेस उम्मीदवार के मुरलीधरन ने भाजपा पर तीखा हमला किया है। उन्होंने कहा कि केरल में भाजपा पूरी तरह अप्रासंगिक हो गई है। मुरलीधरन के अनुसार, भाजपा ने राज्य की जनता से किए गए अपने वादे पूरे नहीं किए हैं, इसलिए लोग अब उन पर भरोसा नहीं करते प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की पलक्कड़ रैली पर प्रतिक्रिया देते हुए मुरलीधरन ने कहा कि भाजपा बदलाव का दावा तो करती है, लेकिन जमीन पर कुछ नहीं दिखता। उन्होंने सवाल उठाया कि भाजपा के सांसद और केंद्रीय मंत्री होने के बावजूद त्रिशूर में मेट्रो रेल क्यों नहीं आई? उन्होंने एम्स की मांग का मुद्दा भी उठाया। मुरलीधरन ने बताया कि उन्होंने सांसद रहते हुए दो बार संसद में केरल के लिए एम्स की मांग की थी। तब केंद्र सरकार ने जवाब दिया था कि यह प्रस्ताव वित्त विभाग के पास है, लेकिन आज तक इस पर कोई काम नहीं हुआ। मुरलीधरन ने आरोप लगाया कि भाजपा ने तिरुवनंतपुरम नगर निगम चुनाव के समय वादा किया था कि जीत मिलने पर प्रधानमंत्री विशेष पैकेज की घोषणा करेंगे। प्रधानमंत्री शहर आए भी, लेकिन किसी पैकेज का ऐलान नहीं हुआ। उन्होंने कहा कि कुछ सीटों को छोड़कर केरल में मुख्य मुकाबला केवल यूडीएफ और एलडीएफ के बीच ही है। इस चुनाव में भाजपा की कोई भूमिका नहीं बची है। उन्होंने माकपा (सीपीआई-एम) पर दोहरे मापदंड अपनाने का आरोप भी लगाया।

नासा का रॉकेट उड़ान के लिए तैयार

सुदूर हिस्से तक पहुंचने का सपना होगा साकार

नई दिल्ली (एजेंसी)। अंतरिक्ष की असीम गहराइयों को चीरते हुए मानव एक बार फिर इतिहास रचने की दहलीज पर खड़ा है। करीब 50 साल बाद चांद के सुदूर हिस्से तक पहुंचने का सपना अब हकीकत बनने जा रहा है। नासा का आर्टेमिस-क्कमिशन 5 लाख मील की ऐतिहासिक उड़ान के लिए तैयार है। यह मिशन सिर्फ चांद की परिक्रमा नहीं, बल्कि भविष्य में वहां मानव लैंडिंग और स्थायी बेस बनाने की दिशा में बड़ा कदम माना जा रहा है। करीब आधी सदी बाद मानवता एक बार फिर चांद की ओर लौटने के कगार पर है और अब यह ऐतिहासिक मिशन अपने निर्णायक चरण में पहुंच चुका है। नासा का आर्टेमिस-क्क मिशन जिसके तहत चार अंतरिक्ष यात्रियों को 5 लाख मील से अधिक की यात्रा पर भेजा जाएगा अब लॉन्च के बिल्कुल करीब है, क्योंकि स्पेस लॉन्च सिस्टम (एसएलएस) रॉकेट और ओरायन अंतरिक्ष यान को दोबारा लॉन्च पैड 39बी पर स्थापित कर दिया गया है। शुरूआती अप्रैल में प्रक्षेपण की संभावना जताई जा रही है। नासा के अनुसार यह 10 दिन की यात्रा सिर्फ चांद की परिक्रमा नहीं, बल्कि भविष्य में वहां मानव लैंडिंग और स्थायी बेस बनाने की दिशा में निर्णायक कदम है। हालांकि, यह मिशन जितना महत्वाकांक्षी है, उतना ही जोखिमभरा भी क्योंकि अंतरिक्ष यात्री पहली बार ऐसे यान में उड़ान भरेंगे, जिसका मानव मिशन में पहले उपयोग नहीं हुआ। मार्च में तकनीकी खराबी के कारण टला यह मिशन अब अंतिम परीक्षणों के साथ लगभग तैयार है। नासा के इंजीनियरों ने हीलियम सिस्टम में आई समस्या को ठीक कर लिया है और लॉन्च से पहले उसकी गहन जांच पूरी हो चुकी है। चार अंतरिक्ष यात्री-अनुभव और पहली उड़ान का मिश्रण इस मिशन में रीड वाइजमैन (कमांडर), विक्टर ग्लोवर (पायलट), क्रिस्टीना कोच और कनाडा के जेरेमी हैनसन शामिल हैं। तीन अमेरिकी और एक कनाडाई इस दल ने दो साल से अधिक समय तक प्रशिक्षण लिया है। जहां तीन अंतरिक्ष यात्री पहले अंतरिक्ष में जा चुके हैं, वहीं हैनसन पहली बार उड़ान भरेंगे। चारों के बीच गहरा तालमेल इस मिशन की सफलता के लिए महत्वपूर्ण माना जा रहा है। 30झ50 मिनट का ब्लैकआउट, सबसे तनावपूर्ण पल चांद के पीछे जाने पर अंतरिक्ष यान का पृथ्वी से संपर्क 30 से 50 मिनट के लिए टूट जाएगा।

Facebook: https://www.facebook.com/profile.php?id=100063787346044
Twitter: https://twitter.com/mantrabharat?t=8tJONQ7H-h6EKqqap2tVMw&s=08
Mobile No: 7007837917

मंत्र भारत : RNI-MPHIN/2023/88414 देवांश प्रिंटिंग प्रेस 12/12 विनय नगर सेक्टर-2 ग्वलियर(म.प्र.) से मुद्रित एंव 433 आनंन नगर डबल रोड बहोड़ा ग्वालियर से प्रकाशित एवं सम्पादित।
E-Mail : mantragwalior@gmail.com | सम्पादक : मनीष शुक्ला, मोबाइल : 7007837917 स्थानीय संपादक- आनंद त्रिवेदी | वैधानिक सूचना : मंत्र भारत से संबंधित समस्त विवाद निपटारे का क्षेत्र ग्वालियर न्यायालय होगा।